नई दिल्ली। रविवार, 04 अक्टूबर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष अष्टमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 269/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल रेसलर अमन सहरावत ने देश को दिलाया गोल्ड ...
@ साहित्य केसरी श्राद्ध का तर्पण...
@ व्यापार भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत...

खबर झरोखा

महाराष्ट्र के हिंगोली में दो बार महसूस किए गए भूकंप के झटके



हिंगोली। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में शनिवार को दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह करीब 7:46 बजे रिक्टर स्केल पर 3.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले के गढाला गांव के बाहरी इलाके में लगभग 7 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

होर्मुज स्ट्रेट से पांच भारतीय नागरिकों को बचाया गया, जहाज पर प्रोजेक्टाइल से हुआ था हमला



मस्कट/नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि कुवैत के झंडे वाले टैंकर एमटी काजिमाह III पर सवार पांच भारतीय नागरिकों को जहाज पर प्रोजेक्टाइल लगने के बाद सफलतापूर्वक बचा लिया गया। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हम विदेश में अपने नाविकों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

शिवाजी पार्क प्रदर्शन पर 500 लोगों पर एफआईआर

एफआईआर के बाद आदित्य ठाकरे बोले- लोकतंत्र की आवाज



एजेंसी ■ मुंबई

मुंबई पुलिस ने शिवाजी पार्क में 2 अक्तूबर को हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन को लेकर आयोजकों और 400-500 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, मामला अवैध रूप से भीड़ जुटाने, सरकारी अधिकारी के वैध आदेश की जानबूझकर अवहेलना करने समेत अन्य धाराओं में दर्ज किया गया है। शिवाजी पार्क थाने के एक अधिकारी ने बताया कि इलाके के एक निवासी की शिकायत के आधार पर यह मामला दर्ज किया गया। मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और जांच जारी है।

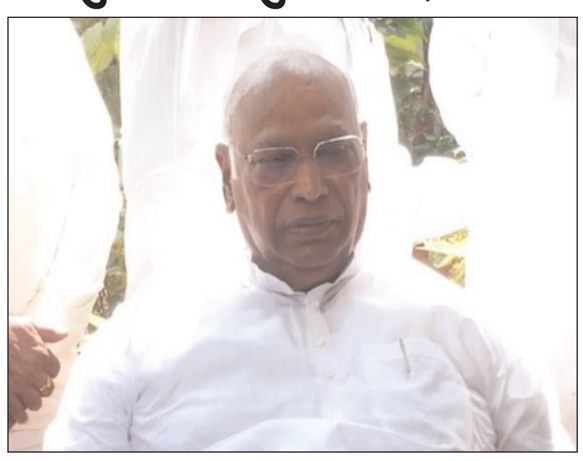
अभिजीत दीपके के नेतृत्व में हुआ था प्रदर्शन

सीजेपी ने अपने संस्थापक अभिजीत दीपके के नेतृत्व में शुक्रवार को शिवाजी पार्क में बड़ा प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। संगठन ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया है। इस प्रदर्शन को शिवसेना (यूबीटी) का भी समर्थन मिला था।

आदित्य ठाकरे ने प्रदर्शन का किया समर्थन

इस बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने प्रदर्शन का समर्थन करते हुए इसे देश में जागरूकता की शुरुआत बताया। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र को बचाने के लिए शुरू हुए आंदोलन की शुरुआत है। आदित्य ठाकरे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराई। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठे हैं और विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जाने के बीच भाजपा ही इस मुद्दे पर असहज नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि देशभर में विरोध और सवाल उठाने की आवाजें जारी रहेंगी। वहीं, पुलिस ने प्रदर्शन के संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

एसआईआर को लेकर विपक्ष एकजुट, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग तेज



एजेंसी ■ नई दिल्ली

विपक्षी दलों के नेताओं का दावा है कि चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए कराया जा रहा एसआईआर देश के लिए गलत है। विपक्षी दलों की ओर से लगातार एसआईआर पर रोक लगाने की मांग की जा रही है और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी जोर पकड़ रही है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम लोगों ने इंडिया ब्लॉक की एक बैठक बुलाई थी, जिसमें अलायंस की 20 पार्टियों के सदस्यों, जिनमें हमारे लीगल सेल के कपिल सिब्बल भी शामिल थे। सभी की यही राय थी और वे इस बात पर सहमत थे कि एसआईआर देश के लिए गलत है। यह गरीब लोगों, कम पढ़े-लिखे लोगों, मजदूरों और खासकर अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों के नाम हटा रहा है। अगर आप किसी एक बूथ से 500 वोट हटा देते हैं, तो क्या इसे निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कहा जा सकता है?

उन्होंने कहा कि सत्ता का गलत इस्तेमाल हो रहा है, उसका सीधा असर हमारे युवाओं, गरीबों, दलितों और वंचितों पर पड़ रहा है। अमीर लोग तो किसी तरह अपना काम करवा लेते हैं, लेकिन अगर कुछ गड़बड़ हो जाए तो गरीब आदमी को उसे ठीक करवाने या रिन्यू करवाने के लिए अपना कामकाज छोड़कर जाना पड़ता है।

कांग्रेस नेता गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के बूथ-लेवल कार्यकर्ता पूरी तरह एक्टिव हैं और इस बात पर कड़ी नजर रख रहे हैं कि कोई भी वोट डिलीट न हो। राहुल गांधी पूरी शिद्दत से लोगों के हक की आवाज उठा रहे हैं। हम भी पंजाब में यह लड़ाई लड़ेंगे।

जमात-ए-इस्लामी हिंद से जुड़े मलिक मोतासिम खान ने कहा कि एसआईआर का मामला साफ तौर पर दिखाता है कि यह वोटर लिस्ट से वोटरों के नाम हटाने की एक साजिश है। इसका मतलब है कि चुनाव आयोग देश की वोटर लिस्ट से वोटरों के नाम हटा रहा है। लिस्ट से 13 करोड़ से ज्यादा लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। कर्नाटक में फॉर्म-7 का मामला सामने आ रहा है, जिसमें वैध वोटरों के नाम हटाने की कोशिश के तहत आवेदन जमा किए जा रहे हैं। ऐसी खबरें भी हैं कि जो लोग वोटर नहीं हैं, उन्हें शामिल किया जा रहा है। खासकर जेनजी वोटर, जो पहली बार वोट देने जा रहे हैं, उनसे फॉर्म-6 में उनके माता-पिता और दादा-दादी की जानकारी मांगी जा रही है। एसआईआर एक फर्जी काम है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने इसका समर्थन किया और कहा कि इसे आगे बढ़ने दिया जाना चाहिए।

प्रोफेसर मोहम्मद सलीम इंजीनियर ने कहा कि जब से एसआईआर शुरू हुआ है, तब से ही इसकी निष्पक्षता और मंशा पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सबसे पहले इसे बिहार में किया गया और वह भी जल्दबाजी में हुआ। वहां चुनाव नजदीक थे। कम समय में एसआईआर करने की कोशिश की गई और फिर हमने उसका नतीजा देखा, जिसमें बड़ी संख्या में वोटरों के नाम हटा दिए गए। उसके बाद इसे बंगाल और अन्य राज्यों में किया गया। अब मुख्य चुनाव आयुक्त जिस तरह से काम कर रहे हैं, उसमें दो चुनाव आयुक्तों ने शिकायतें कीं, लेकिन उन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

'एक कचौड़ी, दो समोसा' नारे की नौबत ही क्यों आईः शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी ■ भोपाल



भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को भोपाल और सांची में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत की।

केंद्रीय मंत्री पहले भोपाल स्थित सेज यूनिवर्सिटी में आयोजित श्रीराम फाइनेंस के 'नवगति' कार्यक्रम में पहुंचे, जहां उन्होंने छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति की राशि वितरित की और उनसे संवाद किया। इसके बाद वह अपने संसदीय क्षेत्र विदिशा के सांची पहुंचे, जहां उन्होंने रिसर्च सोसायटी फॉर द स्टडीज़ ऑफ डायबिटीज़ इन इंडिया के 11वें वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लिया। सम्मेलन में मधुमेह की बढ़ती चुनौती, इसके उपचार में हो रही प्रगति, नई चिकित्सा तकनीकों और शोध के क्षेत्र में सामने आ रही संभावनाओं को लेकर विशेषज्ञों के साथ चर्चा हुई।

इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मधुमेह आज केवल किसी व्यक्ति विशेष की बीमारी नहीं, बल्कि तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि इसके प्रभावी उपचार के साथ-साथ बीमारी की रोकथाम, जागरूकता और निरंतर शोध पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान ने नई तकनीकों और रिसर्च ने उपचार के क्षेत्र में कई नए रास्ते खोले हैं। ऐसे में चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के बीच बेहतर समन्वय से मधुमेह जैसी बीमारियों के खिलाफ प्रभावी रणनीति तैयार की जा सकती है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा और सम्मान को लेकर समाज से आत्ममंथन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज यह सोचने की जरूरत है कि ऐसी परिस्थितियां क्यों पैदा हो रही हैं, जब बेटियों को पुरुषों के प्रति अविश्वास जताने वाला नारा लिखना पड़ रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रहे नारे 'एक कचौड़ी, दो समोसा, इन मर्दों का क्या भरोसा' का जिक्र करते हुए कहा कि यह नारा कभी सार्थक और सफल नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह पूरे समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

राहुल गांधी ने शुरू किया 'सत्याग्रह' अभियान

एजेंसी ■ नई दिल्ली



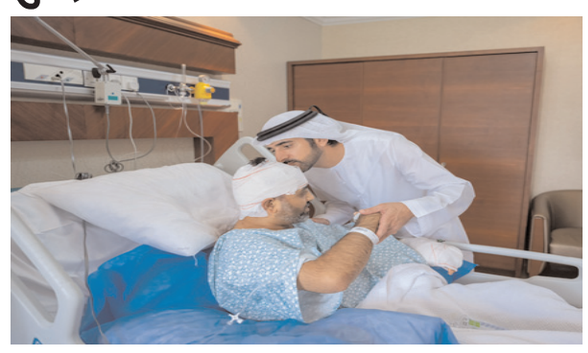
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक नई पहल 'सत्याग्रह' की घोषणा की। उन्होंने कहा कि देशभर में लोग अपने हक के लिए लड़ रहे हैं और अक्सर अकेले लड़ रहे हैं।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'देशभर में लोग अपने हक के लिए लड़ रहे हैं - और अक्सर अकेले लड़ रहे हैं। जेन-जी, छात्र, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं - हर संघर्ष की अपनी कहानी है। पर जो आवाज अकेली उठती है, वो अक्सर दब जाती है।'

उन्होंने कहा कि 'सत्याग्रह' इन्हीं आवाजों को एक नक्शे पर साथ लाने की पहल है। बापू ने सिखाया था कि सच सबसे बड़ा हथियार है, लेकिन उससे भी बड़ा हथियार है एकता में सच के साथ खड़े होना। राहुल गांधी ने लोगों से अपील करते हुए कहा, 'अगर आप भी किसी अन्याय से लड़ रहे हैं तो अपनी कहानी भेजिए। दो मिनट लगेंगे। आपकी कहानी नक्शे पर आएगी। आप देखेंगे कि आपकी तरह और कौन-कौन लड़ रहा है।'

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आश्वासन दिया कि वे हर संघर्ष में लोगों के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने लिखा, मैं जो कर सकता हूं, करूंगा - संसद में, सड़क पर, खत लिखकर, जहां भी मेरी जरूरत हो वहां आपके साथ खड़े होकर। नेता विपक्ष के रूप में ये मेरी जिम्मेदारी है। अपने सत्याग्रह की कहानी मुझे यहां बताएं।

कैप्टन स्मित मच्छार से मिले दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान



एजेंसी ■ अबू धाबी

दुबई के क्राउन प्रिंस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री हमदान बिन मोहम्मद ने शनिवार को फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 के बहादुर भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार से अस्पताल में मुलाकात की और उनके साहस की सराहना की।

हमदान बिन मोहम्मद ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कैप्टन स्मित मच्छार से मुलाकात की... फ्लाईदुबई के इस पायलट ने साहस, जिम्मेदारी और मानव जीवन के प्रति चिंता की सर्वोच्च मिसाल पेश की। हमारी ओर से और देश के नेतृत्व की ओर से उन्हें पूरा सम्मान और प्रशंसा। हमें गर्व है कि वह हमारी टीम का हिस्सा हैं, हमारे देश की कहानी का हिस्सा हैं और यूएई की पहचान का हिस्सा हैं.. एक ऐसे देश की, जो करुणा, शांति और जीवन को महत्व देता है।

तीर तेवर — सागर कुमार



पाकिस्तान पस्त, भारत का स्वर्ण



भारत 212 रन	पाकिस्तान 193 रन	जीत 119 रन

एजेंसी ■ निशिन

टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से हराते हुए एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर भारत से मिले 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 192 रन ही बना सकी।

भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साहिबजादा फरहान बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 11 गेंदों में 10 रन बनाकर आउट हुए। उस्मान खान को भी सिर्फ 3 रनों के स्कोर पर अक्षर पटेल ने पवेलियन भेजा। माज सदाकत अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 18 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए।

39 के स्कोर पर 3 विकेट खोकर मुश्किल में नजर आ रही पाकिस्तान की पारी को हसन नवाज और सैम अयूब ने संभाला। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 87 रनों की साझेदारी निभाई। अयूब 29 रन बनाने के बाद शिवम दुबे का शिकार बने। हालांकि, हसन ने एक छोर से अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और तेज तर्रार अंदाज में अर्धशतक पूरा किया। हसन नवाज ने 51 गेंदों में 96 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन वह पाकिस्तान को जीत नहीं दिला सके।

एशियाड में भारत को 21 गोल्ड, दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

कुल 85 मेडल, टैली में चौथा स्थान

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
1	चीन	167	89	82	338
2	जापान	82	90	90	262
3	साउथ कोरिया	37	43	67	147
4	भारत	21	27	37	85

भारत ने एशियन गेम्स में 21वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल मुकाबले में मलेशिया को 5-1 से हराया। शनिवार को भारत ने मेंस क्रिकेट, आर्चरी, गोल्फ और कुश्ती में भी 1-1 गोल्ड जीता। भारत अब 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल के साथ टैली में चौथे स्थान पर आ गया है। भारत इस बार 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते। यह एशियाड में भारत का अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2023 में भारत ने 28 गोल्ड सहित 106 मेडल जीते थे।

सिंगापुर पहुंचे मुख्यमंत्री साय, भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक ने किया स्वागत

विश्व केसरी■

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राज्य में निवेश की नई संभावनाओं को विस्तार देने के उद्देश्य से शनिवार को सिंगापुर पहुंचे। सिंगापुर पहुंचने पर भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने मुख्यमंत्री साय का आत्मीय स्वागत किया।



मुख्यमंत्री साय सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित प्रथम SING फोरम 2026 में छत्तीसगढ़ की ओर से सहभागिता करेंगे। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच के माध्यम से वैश्विक निवेशकों के समक्ष छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों, विकास की अपार संभावनाओं और प्रदेश में उपलब्ध आकर्षक निवेश अवसरों को प्रस्तुत किया जाएगा।

SING फोरम 2026 के दौरान आयोजित CEO राउंडटेबल में मुख्यमंत्री साय सिंगापुर के प्रमुख निवेशकों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा करेंगे। इस दौरान प्रदेश में निवेश की संभावनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों को प्रमुखता से रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का दृढ़ प्रयास है कि नई औद्योगिक नीति, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, सुदृढ़ अधोसंरचना, कुशल मानव संसाधन तथा उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि वैश्विक निवेश मानचित्र पर छत्तीसगढ़ की मजबूत पहचान बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री साय की SING फोरम 2026 में सहभागिता वैश्विक निवेशकों के समक्ष छत्तीसगढ़ की विकास संभावनाओं और निवेश अवसरों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर होगी।

रायपुर में ट्रांसपोर्ट कारोबारी का अपहरण स्कॉर्पियो में जबरन ले गए तीन व्यक्ति

विश्व केसरी■



रायपुर। राजधानी रायपुर में ट्रांसपोर्ट कारोबारी के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना खमतराई थाना क्षेत्र के डीएम टावर के पास की बताई जा रही है, जहां काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार तीन लोग ट्रांसपोर्ट कारोबारी प्रतीक राय को जबरन अपने साथ ले गए। घटना के बाद से कारोबारी का मोबाइल फोन बंद है।

मिली जानकारी के मुताबिक, घटना 2 अक्टूबर की दोपहर करीब 2:28 बजे की है। प्रतीक राय घर से खाना खाने के लिए डीएम टावर के पास पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें बातचीत के बहाने नीचे बुलाया। नीचे पहुंचने के बाद उन्हें जबरन काले रंग की स्कॉर्पियो में बैठाकर वहां से ले जाया गया।

यूपी पासिंग है स्कॉर्पियो का नंबर

घटना के बाद जब प्रतीक राय से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उनका मोबाइल बंद मिला। इसके बाद उनकी पत्नी अनिता राय ने खमतराई थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने स्कॉर्पियो के नंबर UP 32 RR 7454 को जांच का अहम आधार बनाया है। बताया जा रहा है कि कॉलोनी के एक युवक ने तीन संदिग्धों में से दो के मोबाइल नंबर पुलिस को बताए हैं। पुलिस इन नंबरों और वाहन की जानकारी के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

खमतराई पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्धों और कारोबारी की तलाश में जुटी है।

छत्तीसगढ़ी सिने जगत अभिनेता प्रकाश अवस्थी संग नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं ने लगाए ठुमके

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ी फिल्म जगत के मशहूर अभिनेता प्रकाश अवस्थी महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के आयोजित फ्रेशर पार्टी में पहुंचे और नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं के साथ जमकर ठुमके लगाए वही रीमिक्स पर डांस करते हुए छात्राओं ने अभिनेता के साथ सेल्फी ली आनंद और मस्ती भरे इस कार्यक्रम में नृत्य की ऐसी महफिल जमी की नए पुराने सभी गानों पर सीनियर जूनियर और टीचर भी झूमते हुए दिखलाई पड़े बता दे कि महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय गांधी चौक रायपुर में नए प्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत में आज फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया था जिसमें मंच पर मौजूद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी संस्था के अध्यक्ष अजय तिवारी डॉ किरण अग्रवाल सहित शिक्षकों की मौजूदगी रही कार्यक्रम के प्रारंभ में पहले तो छात्र-छात्राओं ने पाश्चात्य रीमिक्स पर 1 घंटे तक कड़ी धूप में जमकर डांस किया बीच में अतिथियों की मौजूदगी हुई इसमें अभिनेता प्रकाश अवस्थी ने छात्र-छात्राओं से संबोधन में माता-पिता के आदर्शों को पूरा करने की अपील की अपने सपनों को पूरा करने की अपील की और अनुशासन के साथ शिक्षा हासिल करने का भी आह्वान किया वहीं संस्था के अध्यक्ष तिवारी ने भी दो शब्दों में बच्चों को आशीर्वाद दिया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने बच्चों की तारीफ की और उनके कार्यक्रम में मौजूदगी के एहसास को शब्दों में बोलते हुए कहा कि बच्चे सभी रंगों में सुंदर लगते हैं।

दफ्तर नहीं, अब गांव में पहुंच रहा शासन दुल्ला के सेवा सेतु शिविर में उमड़ा जनसैलाब

विश्व केसरी■



छुरा (मानसिंह निषाद)। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अब ग्रामीणों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। शासन खुद गांव की चौखट तक पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहा है, योजनाओं की जानकारी दे रहा है और पात्र हितग्राहियों को मौके पर लाभ भी पहुंचा रहा है। इसी उद्देश्य की तस्वीर शनिवार को छुरा विकासखंड के ग्राम पंचायत दुल्ला में देखने को मिली, जहां सेवा सेतु अभियान के तहत आयोजित ब्लॉक स्तरीय विशेष समाधान शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण उमड़ पड़े।

गांव के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में आयोजित शिविर में ऐसा लगा मानो पूरा प्रशासन ही ग्रामीणों के बीच पहुंच गया हो। एक ही परिसर में विभिन्न विभागों के स्टॉल, अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे ग्रामीण—पूरे दिन शिविर में गहमागहमी बनी रही। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और मांगें अधिकारियों के सामने रखीं, वहीं विभागों ने शासन की योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया।

सरकार और जनता के बीच घट रही दूरी

कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में वन अधिकार पट्टा, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, मछली जाल, पौधे सहित विभिन्न सामग्रियों का वितरण किया गया। विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

नुक्कड़ नाटक के जरिए ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव और उससे होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया। कृषि, पंचायत, स्वास्थ्य, वन, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल पर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई।

सेवा सेतु शिविर ने यह संदेश भी दिया कि शासन और जनता के बीच की दूरी कम करने के लिए प्रशासन अब केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं, बल्कि गांवों तक पहुंचकर सीधे संवाद कर रहा है।

'गारंटी का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना लक्ष्य' : रोहित साहू

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू ने कहा कि सेवा सेतु केवल शिविर नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच सीधे संवाद और समाधान का माध्यम है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार जनता से किए गए वादों और गारंटियों को धरातल पर उतारने का काम कर रही है।

डॉक्टरों के स्टाइपेंड में वृद्धि का वायरल आदेश फर्जी, चिकित्सा शिक्षा विभाग ने किया खंडन



विश्व केसरी■

रायपुर । सोशल मीडिया पर डॉक्टरों के स्टाइपेंड एवं मानदेय-वेतन में वृद्धि संबंधी प्रसारित कथित आदेश का छत्तीसगढ़ के चिकित्सा शिक्षा विभाग ने खंडन किया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह दस्तावेज़ पूर्णत: भ्रामक, फर्जी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से तैयार किया गया है। इसे वास्तविक शासकीय आदेश न माना जाए।

सोशल मीडिया पर प्रसारित इस कथित दस्तावेज़ में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यरत जूनियर रेजिडेंट, प्रदर्शक तथा स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत पदस्थ चिकित्सा अधिकारियों को प्रतिमाह 73,152 रुपये देने और संशोधित राशि 1 नवंबर 2026 से प्रभावशील होने का दावा किया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इस दस्तावेज़ को फर्जी बताते हुए स्पष्ट किया है कि इसे विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के रूप में स्वीकार नहीं किया जाए।

विभाग ने चिकित्सकों, चिकित्सा विद्यार्थियों और आम नागरिकों से अपील की है।

सेवा संकल्प में झाड़ू थामकर उतरीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, श्रमदान से जगाई स्वच्छता की अलख

विश्व केसरी■



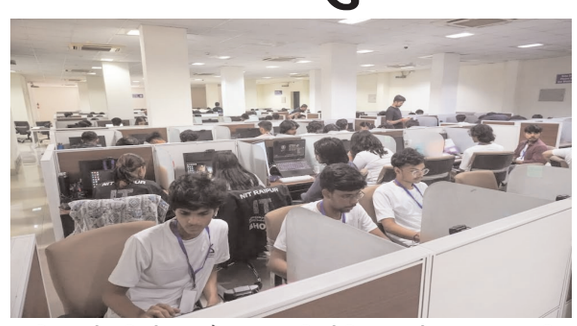
रायपुर। सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा 2026 के तहत सूरजपुर जिला के नगर पंचायत शिवनंदनपुर में जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आंबेडकर चौक के समीप स्थित हनुमान मंदिर परिसर में झाड़ू लगाकर और खरपतवार हटाकर श्रमदान किया। उन्होंने स्वच्छता दीदियों, स्थानीय महिलाओं और नागरिकों के साथ सफाई में भाग लेकर सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया।

गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और नागरिकों ने मिलकर मंदिर परिसर की साफ-सफाई की। इस दौरान लोगों को अपने आसपास और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि सेवा और स्वच्छता के कार्यों में जनभागीदारी से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। सामूहिक प्रयासों से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ उनका बेहतर उपयोग भी सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने शिवनंदनपुर के इस स्थल को पार्क के रूप में विकसित करने की मंशा जताई। इससे स्थानीय नागरिकों को हरियाली के बीच एक व्यवस्थित सार्वजनिक स्थान उपलब्ध हो सकेगा और नगर की सुंदरता भी बढ़ेगी।

सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज के तहत 'कोडउत्सव 10.0' का शुभारंभ

विश्व केसरी■



रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के ट्यूरिंग क्लब ऑफ प्रोग्रामर्स (टीसीपी) द्वारा आयोजित दो दिवसीय कोडिंग हैकाथॉन 'कोडउत्सव 10.0' का आज शुभारंभ हुआ। जिला प्रशासन रायपुर के 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' के तहत आयोजित इस 28 घंटे की हैकाथॉन में देशभर के विभिन्न तकनीकी संस्थानों की 41 टीमें हिस्सा ले रही हैं। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, व्यावहारिक समस्या-समाधान, टीमवर्क और तकनीकी कौशल को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के प्रभारी निदेशक डॉ. समीर बाजपेयी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। निको ग्रुप के प्रमुख कुमार संभव नामदेव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुधाकर पांडेय तथा कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप सिसोदिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। हैकाथॉन का आयोजन ट्यूरिंग क्लब ऑफ प्रोग्रामर्स के फैकल्टी इन-चार्ज डॉ. पवन कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

इस अवसर पर डॉ. दिलीप सिसोदिया ने कहा कि 'कोडउत्सव' में प्रतिभागियों के सामने रखी जाने वाली चुनौतीपूर्ण समस्याएं उन्हें वास्तविक परिस्थितियों में समस्या-समाधान के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान तकनीकी और औद्योगिक परिदृश्य में कंपनियां केवल सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय व्यावहारिक समस्या-समाधान क्षमता को भी महत्वपूर्ण मानती हैं।

टीम कैट ने विधायक पुरंदर मिश्रा से की मुलाकात

जन्मदिवस की दी बधाई एवं शुभकामनाएं



विश्व केसरी■

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन के नेतृत्व में कैट का एक प्रतिनिधि मंडल ने माननीय पुरंदर मिश्रा विधायक रायपुर उत्तर विधानसभा से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी साथ ही उनके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की ।

CAIT के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने बताया कि कैट एवं युवा के पदाधिकारियों ने माननीय पुरंदर मिश्रा विधायक, रायपुर उत्तर विधानसभा से मुलाकात कर के उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि मिश्रा निरंतर क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा के लिए सक्रियता के साथ कार्य करते रहें है। कैट पदाधिकारियों एवं प्रदेश की सभी व्यापारियों की ओर से उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर कैट के पदाधिकारी मुख्य रूप से जितेन्द्र दोशी, परमानन्द जैन, अवनीत सिंह, वासु माखीजा, शंकर बजाज, जयराम कुकरेजा, अमित गुप्ता, एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा नेता अजय चंद्राकर के बिगड़े बोल, अधिकारी को कही गाड़ने की बात, कांग्रेस ने दी मानसिक चेकअप की सलाह



विश्व केसरी■

रायपुर। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकार के बिगड़े बोल एक बार फिर चर्चा में है। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अधिकारी के लिए अपशब्दों का प्रयोग कर रहे है। वरिष्ठ भाजपा नेता के बिगड़े बोल पर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अजय चंद्राकर एम्स में जाकर मानसिक चेकअप कराए और थोड़ा आराम करें।

पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर का जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें वे किसानों के बीच वे अधिकारी से धान की फसल के लिए बांध से पानी छोड़े जाने पर चर्चा में कह रहे हैं कि आपका ईई कहता है कि ग्रामीण नेतागिरी कर रहे है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दिखता तो उसको गाड़ देता।

वायरल वीडियो पर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मंत्रिमंडल से बाहर रहने के बाद अजय चंद्राकर फ्रस्ट्रेटेड हो गए हैं। लगातार वह अभद्र भाषा का उपयोग करते है। बीजेपी के नेतृत्व को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। कई बार परिस्थितियां और मानसिक स्थिति सही नहीं रहती है। अजय चंद्राकर एम्स में जाकर मानसिक चेकअप कराए और थोड़ा आराम करे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर::
Email ID - mczone2@gmail.com

पत्र कं/ 35935.../ न. पा. नि. जोन कं 2/2026
रायपुर, दिनांक 03-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35935
वार्ड का नाम 14- रमाण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR221A00396 जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती DINESH PITRODA पिता पति श्री श्रीमती MAGAN BHAI PITRODA के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीनती श्री पंकज चौहान पिता/पति श्री श्रीमती श्री डी. एच, चौहान ने मृत्यु प्रमाग पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिव्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार ! पंजीकृत विक्रय विलेखा वंशानुक्रा अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगग अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा संस्था उपरोक्त स्वानित्व परिवर्तन में हक गा दाता रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित निर्धारित समयावधि मचात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे कार्यालय जिग्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर::
Email ID - mczone2@gmail.com

पत्र कं/ 35936.../ न. पा. नि. जोन कं 2/2026
रायपुर, दिनांक 03-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35936
वार्ड का नाम 14- रमाण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR221A00397 जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती HANSA DAMA JI CHAUHAN W/O LT DAMA JI CHAUHAN, RAJKISHORE, PANKAJ, NEETA PARMAR S/O, D/O LT DAMA JI CHAUHAN पिता पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीनती श्री पंकज चौहान पिता / पति श्री /श्रीगती श्री डी. एच. चौहान ने मृत्यु प्रगाण पत्र, सह पत्र, शम्भ पत्र दान पत्र, हिलानागा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत हक्क त्याग विललेख वंशानुक्रम अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगग अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति । संस्था उपरोक्त स्वानित्व परिवर्तन में हक या दाता रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा । प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि नश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए गड़ कार्यालय जिन्मोदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

भारत-रूस संबंधों पर एस. जयशंकर की अहम बैठक यूक्रेन संकट के कूटनीतिक समाधान पर जोर

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को नई दिल्ली में भारत-रूस संबंधों पर सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग पर कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने के कूटनीतिक प्रयासों पर वार्ता हुई।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सलाहकार समिति की बैठक की जानकारी शेयर की।

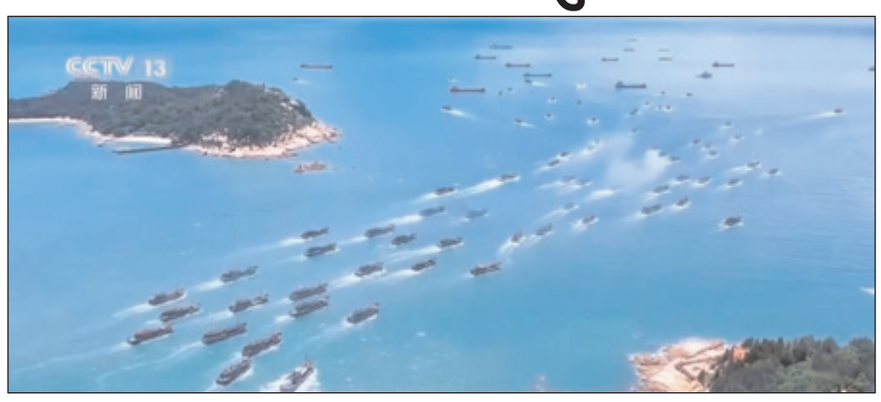
उन्होंने पोस्ट किया, ''भारत-रूस संबंधों पर सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भारत और रूस के बीच व्यापार, निवेश, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, संस्कृति और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों समेत कई क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग के अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। इसके साथ ही यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत और कूटनीति के रास्ते को भारत के लगातार समर्थन पर भी जोर दिया।''

एक दिन पहले ही शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत के प्रयासों की सराहना की थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने का मुद्दा उठाते हैं। वे ऐसे सुझाव लेकर आते हैं, जो दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य हैं। वे इस झगड़े को शांति से और जल्द सुलझाना चाहते हैं।

रूसी समाचार एजेंसी तास की रिपोर्ट के अनुसार, वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब के 23वें सत्र में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने का मुद्दा उठाते हैं। वह बहुत अच्छे सुझाव देते हैं, जिनका मकसद ऐसे समाधान तलाशना होता है जो दोनों पक्षों को स्वीकार हों, खास तौर पर ऐसे समाधान जिन पर दोनों पक्ष सहमत हो सकें।'

न्यूज एजेंसी तास के अनुसार पुतिन ने कहा कि भारत सरकार का रुख निष्पक्ष है, लेकिन उनकी कोशिश इस संघर्ष को खत्म कराने की दिशा में है। उन्होंने कहा, 'हम प्रधानमंत्री के आभारी हैं कि वह इस संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीके से और जितनी जल्दी हो सके, सुलझाना चाहते हैं।'

100 से अधिक देशों और क्षेत्रों को कवर करता है 21वीं सदी का समुद्री रेशम मार्ग



विश्व केसरी■

बीजिंग। 21वीं सदी के समुद्री रेशम मार्ग के संयुक्त निर्माण के प्रस्ताव की 13वीं वर्षगांठ है। इस समुद्री रेशम मार्ग के निर्माण ने चीन और दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

इस वर्ष की शुरुआत से, चीन ने लैटिन अमेरिका और दक्षिण पूर्व एशिया के लिए कई नए सीधे विदेशी व्यापार मार्ग खोले हैं, और अंतरराष्ट्रीय कंटेनर लाइनर मार्ग अब विश्व भर में 100 से अधिक देशों और क्षेत्रों को कवर करते हैं।

हाल ही में, चीन के फ़ुच्यान प्रांत से दक्षिण अमेरिका के पूर्वी तट के लिए पहला साप्ताहिक सीधा मार्ग आधिकारिक तौर पर शुरू किया गया, जिससे चीन और बेल्ट एंड रोड पहल में भाग लेने वाले देशों के बीच समुद्री संपर्क का एक नया चैनल जुड़ गया है।

साथ ही, '21वीं सदी के समुद्री रेशम मार्ग' के निर्माण में जनजीवन की राष्ट्रीय आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए, चीन ने कई छोटे पैमाने की, जनहितकारी और प्रभावी परियोजनाएं लागू की हैं। 'माजू' बुद्धिमान मौसम पूर्व चेतावनी प्रणाली ने 100 से अधिक देशों में 1000 से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है।

गांधीनगर में एकता दिवस परेड की तैयारी कर रहे 14 जवान डेंगू पॉजिटिव

विश्व केसरी■



गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के एकता दिवस परेड की तैयारी के लिए पहुंचे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और विभिन्न राज्यों के करीब 6,000 जवानों में से 14 में डेंगू की पुष्टि हुई है। मामले सामने आने के बाद गांधीनगर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने सेक्टर-28 और 29 में विशेष निगरानी और रोकथाम अभियान शुरू किया है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर हर साल 31 अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) स्थित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास भव्य एकता परेड आयोजित की जाती है। इस परेड में शामिल होने के लिए सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी, इंडो-तिब्बटन बॉर्डर पुलिस के साथ-साथ महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और केरल सहित विभिन्न राज्यों के पुलिस एवं पैरामिलिट्री जवान गांधीनगर पहुंचे हैं। जवानों को सेक्टर-28 और 29 में करीब 1,000 अस्थायी क्वार्टर आवंटित किए गए हैं। यह सभी जवान दिन के समय गिफ्ट सिटी में परेड की तैयारी कर रहे हैं।

मनपा मलेरिया स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दशरथ भालिया के मुताबिक, अब तक करीब 60 से 70 जवानों की डेंगू की जांच की गई है, जिनमें 14 मामले पॉजिटिव पाए गए हैं। इसके बाद गांधीनगर नगर निगम ने दोनों सेक्टरों में स्वास्थ्य विभाग की छह टीमें तैनात की हैं।

रिफॉर्म उत्सव के तहत छात्रों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने जाना नमो भारत का संचालन

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत सरकार की 'रिफॉर्म उत्सव' पहल के तहत एनसीआरटीसी ने छात्रों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को नमो भारत क्षेत्रीय रेल प्रणाली से परिचित कराने के लिए सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर फैमिलराइजेशन आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली समेत विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स शामिल हुए।

प्रतिभागियों को नमो भारत के संचालन, आधुनिक तकनीक, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी की प्रत्यक्ष जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन देश में शासन के 12 वर्षों के दौरान हुए परिवर्तनकारी बदलावों के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रव्यापी समारोहों के तहत किया गया। 'रिफॉर्म उत्सव' पहल का उद्देश्य नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण, संस्थागत सुधार और जनकल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण प्रयासों के बारे में लोगों को जानकारी देना है।

कार्यक्रम के दौरान एनसीआरटीसी की टीम ने प्रतिभागियों को नमो भारत प्रणाली की प्रमुख विशेषताओं और इसके संचालन की जानकारी दी। प्रतिभागियों ने सराय काले खां स्टेशन पर मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी का अनुभव भी किया। यहां ट्रैवलेटर से युक्त फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) भारतीय रेलवे स्टेशन, आईएसबीटी और मेट्रो स्टेशन को आपस में जोड़ता है। इससे यात्रियों को अलग-अलग परिवहन माध्यमों के बीच आवाजाही में सुविधा मिलती है।

इंटरैक्टिव चर्चा और गाइडेड टूर के दौरान प्रतिभागियों को बताया गया कि नमो भारत में सुरक्षित, सुविधाजनक और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए किस प्रकार की तकनीक और परिचालन प्रक्रियाओं का इस्तेमाल किया जाता है। इस दौरान महिला कर्मचारियों की भूमिका पर भी विशेष जानकारी दी गई। एनसीआरटीसी के अनुसार, महिलाएं ट्रेन ऑपरेटर, स्टेशन कंट्रोलर समेत कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल रही हैं। प्रतिभागियों ने महिलाओं के लिए समर्पित कोच और यात्रियों की सुरक्षा के लिए किए गए अन्य प्रबंधों के बारे में भी जानकारी हासिल की।

प्रतिभागियों ने नमो भारत नेटवर्क को लेकर कई सवाल किए। उन्होंने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, यात्रियों की आवाजाही पर इसके प्रभाव और भविष्य में प्रस्तावित नमो भारत कॉरिडोर से जुड़े विषयों पर जानकारी मांगी। एनसीआरटीसी की टीम ने सवालों का जवाब देते हुए एनसीआर में आधुनिक, कुशल और एकीकृत क्षेत्रीय परिवहन नेटवर्क विकसित करने की परिकल्पना के बारे में बताया।

पीयूष गोयल ने भारत को ग्लोबल डेटा हब के तौर पर पेश किया

विश्व केसरी■



शिकागो। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शिकागो में भारतीय-अमेरिकियों से कहा कि भारत कम लागत वाली स्वच्छ ऊर्जा, देशव्यापी पावर ग्रिड, सस्ता डेटा और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बड़ी संख्या में टैलेंट पूल (कुशल मानव संसाधन) की सुविधा देता है, जो इसे ग्लोबल डेटा सेंटरों के लिए एक आकर्षक जगह बनाते हैं।

यूएस इंडियन कम्युनिटी फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में बोलते हुए, गोयल ने यूएस कंपनियों और भारतीय-अमेरिकी उद्यमियों से भारत में निवेश करने, खासकर उभरती टेक्नोलॉजी और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में, जोरदार अपील की।

यह कार्यक्रम मिलवॉकी में जी 20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में शामिल होने और अमेरिकी व्यवसायों और निवेशकों के साथ कई बैठकें करने के बाद हुआ।

गोयल ने कहा, 'दुनिया के भरोसेमंद देशों में, जहां आप अपने डेटा को लेकर सुरक्षित महसूस करते हैं और मौजूदा जियोपॉलिटिकल हालात में निवेश करना सुरक्षित समझते हैं, भारत डेटा सेंटर बनाने के लिए दुनिया की सबसे अच्छी जगह है। उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पद संभालने के बाद से भारत के बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव आया है।

उन्होंने बताया कि पहले भारत में कई क्षेत्रीय ग्रिड थे और देश के अलग-अलग हिस्सों में बिजली की कमी और अधिकता की अलग-अलग स्थिति थी। सरकार ने भरोसे को मजबूत करने और नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार में मदद के लिए ग्रिड को आपस में जोड़ा।

गोयल ने कहा, इसलिए आज, चीन के बाद, हमारे पास दुनिया का सबसे बड़ा ग्रिड है। उन्होंने कहा, 'भारत के पास एक नेशनल ग्रिड है। एक जुड़े हुए ग्रिड में 520 गीगावाट बिजली है। और अगले 6 या 7 सालों में, यह 1000 गीगावाट हो जाएगी।

वायुसेना के शौर्य का साक्षी बनेगी काशी, नमो घाट पर भव्य एयर शो 24 अक्टूबर से

विश्व केसरी■



लखनऊ। देवाधिदेव महादेव की पावन नगरी काशी भारतीय वायुसेना के शौर्य, साहस और सामर्थ्य की साक्षी बनने जा रही है। गंगा की अविरल धारा के किनारे बसी काशी में जब आसमान भारतीय वायुसेना के विमानों की गर्जना से गूंजेगा, तो यह दृश्य देश के सामरिक सामर्थ्य और काशी की सनातन सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम प्रस्तुत करेगा।

वाराणसी के नमो घाट पर 24 से 26 अक्टूबर तक प्रस्तावित भव्य एयर शो की तैयारियों की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उच्चस्तरीय समीक्षा की। 25 अक्टूबर को प्रस्तावित मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति संभावित है।

समीक्षा बैठक में भारतीय वायुसेना के अधिकारियों, वाराणसी जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष एयर शो की तैयारियों और संपूर्ण कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया। अधिकारियों ने आयोजन स्थल पर दर्शक दीर्घाओं, ग्रैंड स्टैंड, विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट अतिथियों के लिए निर्धारित क्षेत्र, मीडिया एरीना, प्रवेश एवं निकास मार्ग, सुरक्षा जांच केंद्र तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

नमो घाट के साथ गंगा के तटवर्ती क्षेत्रों में संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों को जोन और सेक्टर में विभाजित कर व्यवस्थित प्रबंधन की कार्ययोजना से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस एयर शो को लेकर आम नागरिकों में भी उत्सुकता है और बड़ी संख्या में लोग भारतीय वायुसेना के प्रदर्शन को देखने के लिए पहुंच सकते हैं। इसे देखते हुए क्राउड मैनेजमेंट, सुगम यातायात, पार्किंग और जोनवार स्थल चिन्हांकन की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जाए। दर्शकों के आवागमन के मार्ग स्पष्ट और सुगम हों तथा प्रत्येक क्षेत्र में पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, स्वच्छता और सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक व्यवस्थाएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध रहें।

हिल कटिंग के चलते 4 और 11 अक्टूबर को बंद रहेगा जम्मू-कश्मीर का उरी नेशनल हाईवे

विश्व केसरी■



श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में उरी नेशनल हाईवे 4 और 11 अक्टूबर को अस्थायी रूप से बंद रहेगा। अधिकारियों के मुताबिक, बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) की ओर से हिल कटिंग का काम किए जाने के कारण इन दोनों दिनों में हाईवे पर यातायात बंद रखने का फैसला किया गया है। एसडीएम ने आम लोगों, यात्रियों और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों को हाईवे बंद रहने के दौरान बांडी-पारनपिल्लन-दाची मार्ग को वैकल्पिक रास्ते के रूप में इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

उरी के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) प्रिंस कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि हिल कटिंग का काम पूरा करने के लिए दोनों रविवार को उरी नेशनल हाईवे अस्थायी रूप से बंद रखने की अनुमति दी गई है।

यह फैसला 53 आरसीसी के ऑफिसर कमांडिंग की ओर से 11 सितंबर को भेजे गए पत्र और उसके बाद हाईवे को अस्थायी रूप से बंद करने की जरूरत को लेकर हुए पत्राचार के आधार पर लिया गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि सरकारी कार्यालयों के कार्य दिवसों में सुबह 9 बजे से 10:30 बजे और दोपहर 3:30 बजे से शाम 5 बजे के बीच हिल कटिंग का काम नहीं किया जाएगा।इन निर्धारित समयों के दौरान काम करने वाली एजेंसी को सड़क वाहनों की आवाजाही के लिए खुली रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यात्रियों को परेशानी न हो।

हिल कटिंग का काम करने वाली एजेंसी को यात्रियों और सड़क का इस्तेमाल करने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी इंतजाम करने के निर्देश भी दिए गए हैं। यह आदेश 3 अक्टूबर को जारी किया गया। इसकी प्रतियां बारामूला के डिप्टी कमिश्नर सैयद फखरुद्दीन हामिद, बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन के प्रोजेक्ट के तहत मोहुरा स्थित 53 रोड कंस्ट्रक्शन कंपनी (आरसीसी) के ऑफिसर कमांडिंग कर्नल केडी सिंघल और उरी के सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर तारिक अहमद सोफी को जरूरी जानकारी और समन्वय के लिए भेजी गई हैं।

नवरात्र-दीपावली में 'भारत टैक्सी' आसान करेगी यूपी का सफर

विश्व केसरी■



लखनऊ। नवरात्र में मंदिर जाना हो, दीपावली पर बाजार से खरीदारी करनी हो या रेलवे स्टेशन और बस अड्डे तक पहुंचना हो, उत्तर प्रदेश के कई और शहरों में जल्द मोबाइल से टैक्सी बुक कर सफर करने की सुविधा मिलने वाली है। लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, कानपुर और प्रयागराज के बाद अब 'भारत टैक्सी' के पहिए प्रदेश के छोटे-बड़े शहरों की ओर बढ़ रहे हैं। त्योहारों पर प्रदेश की जनता को योगी सरकार बड़ी सुविधा दिलाने का प्रयास कर रही है।

एक माह के भीतर 12 और शहरों तक सेवा पहुंचाने की तैयारी है। इनमें अयोध्या, आगरा और मेरठ के निवासियों को नवरात्र से पहले इस सुविधा से जोड़ने की तैयारी पूरी कर ली गई है। उत्तर प्रदेश के ज्यादातर शहरों में भारत टैक्सी के विस्तार के लिए ग्राउंड ऑनबोर्डिंग और ड्राइवर पंजीकरण का काम शुरू हो गया है। इससे ऐप आधारित टैक्सी सेवा का दायरा प्रदेश के बड़े महानगरों से निकलकर छोटे शहरों तक पहुंचेगा।

अगले चरण में मथुरा, फिरोजाबाद, मुजफ्फरनगर, हापुड़, सीतापुर, हाथरस, इटावा, मिर्जापुर और रायबरेली में भी भारत टैक्सी की सेवा शुरू करने की तैयारी चल रही है। इन शहरों में ड्राइवर और वाहनों को प्लेटफॉर्म से जोड़ने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। लक्ष्य है कि एक माह के भीतर इन शहरों के लोगों को सेवा उपलब्ध होने लगे। इस विस्तार में धार्मिक और पर्यटन शहरों पर भी विशेष ध्यान है।

अयोध्या और मथुरा जैसे शहरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, जबकि आगरा में देश-दुनिया से पर्यटकों का आवागमन रहता है। वाराणसी और प्रयागराज में सेवा उपलब्ध होने के बाद अब ऐसे दूसरे प्रमुख शहरों को नेटवर्क में लाने की तैयारी है। भारत टैक्सी के नेटवर्क में टू व्हीलर और थ्री व्हीलर चालकों को भी शामिल किया जाएगा। इससे यात्रियों के सामने छोटी दूरी के लिए भी विकल्प बढ़ेंगे।

कहानी

श्राद्ध का तर्पण



संजय मृदुल

दादी पहली बार पूरब के घर आई हैं। छत्तीसगढ़ के छोटे से शहर दुर्ग से कभी बाहर पांव भी नहीं रखा दादी ने। सारा जीवन घर परिवार को सम्हालने में खर्च करने के बाद एक रात दादी को सपने में गोपाल जी दिखाई दे गए। बस फिर क्या था उन्होंने बस माला जपनी शुरू कर दी। कि उनके गोपाल जी ने बुलाया है उन्हें।पूरब के पापा अशोक और मम्मी सुधा के लिए बड़ी परेशानी खड़ी हो गई। इस उम्र में अम्मा को वृन्दावन लेजाना एवरेस्ट चढ़ने से कम नहीं प्रतीत हो रहा था उन्हें। एक तो इतनी उम्र ऊपर से सफ़र की थकान। कार से तो किसी कीमत पर ले जाना संभव नहीं था ट्रेन में भी आसान नहीं। उन्हें न पंखा लगता ना एसी। जरा सी ठंड में वो कंबल लपेट कर बैठ जाती फिर काढ़ा और हल्दी दूध और सोंठ के लड्डू जैसी तमाम चीजें उनकी सेवा में लगती।

बहुत सोच विचार, परिवार में सबकी राय लेने के बाद पितृ पक्ष का मुहूर्त निकला। अब दादी इस बात के लिए परेशान की पितृ पक्ष में घर में पितरों की सेवा कौन करेगा। हालांकि अपने हाथ से उन्हें कुछ नहीं करना होता है, सारा काम मम्मी चाची सम्हालती हैं लेकिन मुखिया तो मुखिया ठहरीं। चाची चाचा ने हर तरफ से आश्वत किया उन्हें की अम्मा आप तो जाओ। यहां पूरे नियम धरम से हम रोज़ पितरों को भोजन पानी देते रहेंगे।

एसी टू के कोच में अम्मा के लिए अतिरिक्त कंबल रखे गए। घर से उनके लिए एक अलग सूटकेस पैक किया गया जिसमें उनकी रोज़ की जरूरतों की सारी चीजें उन्होंने खुद रखवाईं। सारा परिवार स्टेशन पर बिदाई करने आया। जीवन में पहली बार अम्मा बाहर जा रही थीं। सब को उत्सुकता थीं की उनका सफर कैसा रहेगा।

मम्मी ने अम्मा को पहले ही इस बात के लिए मना लिया था कि वृन्दावन से दिल्ली चलेंगे पूरब के घर। दादी का पहला पोता पूरब दादी का लाडला भी है। दादी खुशी से राजी हो गई। पोता पतोहू के साथ कुछ दिन रहने का सुख मिलेगा। ये दोनो जब भी छुट्टी में घर आते हैं समय ही नहीं रहता दोनो के पास की बैठें बतियाएं। पूरब का सारा समय दोस्तो के साथ और त्योहार की तैयारी में बीत जाता है और अनु का बाजार, घर के काम और बचा समय मायके में निकल जाता है। दादी अब घर की वो वस्तु हो गई है जो बस सबको दिखाई देती है पर महसूस नहीं होती। एक उम्र के बाद सभी बुजुर्ग शायद ऐसे ही हो जाते हैं।

दिल्ली के स्टेशन से पूरब के घर पहुंचते तक दादी कार की खिड़की से अचरज से बड़ी बड़ी इमारतों, चौड़ी सड़क पर गाड़ियों के काफिले और लोगों की भीड़ को देखती रही।

दिल्ली के बाहरी कोने की एक बहुमंजिला कॉलोनी में पूरब का फ्लैट बारहवीं मंजिल पर है। जहां की खिड़की से छोटा सा आकाश दिखाई देता है और उतनी ही ज़मीन। खिड़की



पर लगी लोहे की जालियों से गुजरकर हवा आ भी जाए लेकिन एसी की ठंडक ने उन्हें बाहर ही रोक रखा है।

दोनो ने ऑफिस से छुट्टी ले ली है एक सप्ताह की। पापा मम्मी तो साल में दो बार आ भी जाते हैं लेकिन दादी का आना सुखद संयोग है पूरब के लिए। दादी सारा दिन अनु को उसके बचपन की बातें सुनाती रहती हैं कैसे वो छह महीने का होने के बाद से उनके साथ ही सोया करता था। कैसे दादी ने उसके लिए क्रोशिया वाले कपड़े बनाए थे। ठंड में दादी के बनाए हुए स्वेटर में पूरब की फोटो भी दिखाई अनु ने दादी को तो दादी जैसे निहाल हो गई। यहां आकर दादी को लग रहा था कि उनका बुढ़ापा इन कुछ दिनों में संवर गया। उनकी जिंदगी कुछ दिन और बढ़ गई है।

आज दादाजी की तिथि है। दादी के निर्देश पर मम्मी और अनु ने खाना बनाया। अब मुश्किल यहां खड़ी हुई की दादाजी के लिए भोजन कहां रखा जाए जहां कौए आकर खाएं। सोसायटी के नियम के अनुसार खाने पीने की चीजें गार्डन या किसी जगह पर रखना मना है। बीस मंजिल की इमारत की छत पर कौएं आयेंगे या नहीं पक्का नहीं। और जब तक कोई कौंवा उसे खायेगा नहीं दादी भी कुछ नहीं खाएंगी। सब बड़ी मुश्किल में। बारह बजने वाले हैं दादी ने नहीं खाया तो किसकी मजाल है कोई कुछ खा ले। कोई उपाय नहीं सूझ रहा। तभी अनु को ख्याल आया की उसके ऑफिस के रास्ते में एक गार्डन पड़ता है जहां छोटा सा चिड़िया घर भी है। अक्सर शाम को वापसी में वहां कौए दिखाई देते हैं। उसने पूरब से यह बात बताई।

पूरब ने बड़ी हिम्मत कर दादी के सामने बात रखी। की सब टिफिन में खाना लेकर चलते हैं। वहां गार्डन में आउटिंग भी हो जायेगी और श्राद्ध का नियम भी हो जायेगा। दादी पहले तो इस बात पर अटक गई की ये काम तो घर पर होता है। बाहर कैसे किया जायेगा। पितरों को ऐसे कहीं भी थोड़े ही भोजन दिया जाता है। अब मोर्चा सम्हाला पापाजी ने। उन्होंने व्यवहारिक समस्या समझाई, उनके भूखे रहने से तबीयत बिगड़ने का डर दिखाया तब जाकर दादी तैयार हुई। सब तैयार होकर निकले। दादी फिर शहर की इमारतों और सुंदरता पर मोहित होती रहीं। कहां छोटा सा दुर्ग और कहां यहां दिल्ली। जब गार्डन पहुंचे तो पता चला की यहां किसी प्रकार का खाने का सामान भीतर ले जाना मना है।

अब क्या करें? पूरब और अनु तो ठहरे आज के जमाने के, उन्हें ऐसे मामलों को सुलझाने का ज्ञान नहीं। पापाजी नियम कानून को मानने वाले ठहरे। अब पितरों को भोजन तो कराना है है। तो दादी ने सम्हाला मोर्चा और गार्ड के पास जा पहुंची। गार्ड ने नियमों का हवाला देना शुरू किया तो दादी बोल पड़ी की अगर हमारी जगह तुम्हारी दादी होती तो क्या करते बेटा तुम। बस कौवों को थोड़ा सा भोजन ही तो खिलाना है। हम सब भले यहां नहीं खाएंगे पर तुम एक प्लेट में रखकर किसी किनारे रख दो। उनकी मर्जी होगी तो स्वीकार लेंगे।

दादी की बात पर इमोशनल होकर गार्ड ने हामी भर दी। मम्मी ने जल्दी से एक पत्तल में सब परोसा और पूरब दादी को साथ लेकर एक पेड़ के नीचे उसे रख आया।

दिल्ली में बारिश के मौसम के बाद उमस बढ़ जाती है। दोपहर को और भी असहनीय हो जाता है मौसम। एक बज गए थे दादी के चेहरे पर थकान झलक रही थी। बेंच पर बैठे सब इंतज़ार कर रहे थे की कोई कौवा आए और कुछ खा ले। मम्मी को इस बात की चिंता थी की दादी की कमजोरी न बढ़ जाए। दादी बड़े इत्मीनान से बैठी जैसे उन्हें पता हो की कोई न कोई तो आयेगा।

जिस जगह पर खाने की चीजें न मिले वहां पशु पक्षी भी आसानी से लालच में नहीं आते। उन्हें पकवान की आदत होती नहीं। वैसे भी जैसी आज की पीढ़ी सब रीति रिवाज भूलते जा रही है पशु पक्षी भी कहां अपवाद हैं। लम्बे इंतज़ार के बाद एक कौवा आया और पत्तल पर बैठ गया। एक चोंच उसने मारी और दादी के चेहरे पर मुस्कान खिल गई। उन्होंने हम सब की तरफ़ संतोष भरी नजरों से देखा और वहां कौंवे ने अपने साथियों को आवाज लगानी शुरू कर दी।

दादी ने अनु से कहा पतोहू थोड़ा पानी हमें भी दे दो, प्यास लग आई है। पूरब घर चलो, सब के पेट में चूहे दौड़ रहे होंगे आज तो। आज तुम्हारे दादाजी ने दिल्ली में पूड़ी खाई है कितने खुश होंगे तुम दोनों को देखकर वो। दादी ने सीट पर सर टिकाया और आंखें बंद कर ली।

नवगीत

बीमार सी नदी



अखिलेश श्रीवास्तव चमन

अंग-भंगजर्जर
बीमार सी नदी
सड़ती और मरती
लाचार सी नदी
मूढ़ मति
आदम के वंशज
तू चेत जा
करती है देखो
गुहार सी नदी।

नदी जाने कितनों के
जीवन को पाले है
लेकिन आज
खुद इसके
जीने के लाले हैं
पहले थी जो किसी
त्यौहार सी नदी।
रोगों को ढ़ो रही
अब क्षार सी नदी।

जल बिना जीवन यह
कैसे रच पाएगा ?
नदी ना बची तो
नही कुछ भी
बच पाएगा
कीचड़ में बदल गई
धार सी नदी।
कचड़े की लादे
अम्बार सी नदी।

सी-2,एच-पार्क,महानगर
लखनऊ-226006
मो.6394976289

लघुकथा

जहरीली सोच



हेमंत यादव

रमेश जी की बहू खाना बनाने जा ही रही थी कि तभी बाहर कुछ शोर होने लगा। पड़ोस के ही वर्मा जी के घर से जोर जोर से रोने की आवाज आ रही थी। वह पता करने के लिए बाहर गयी कि क्या हुआ!

तभी उसकी सास वर्मा जी के घर से निकलकर तेजी से आती हुई दिखाई दी। उसने अपनी सास से पूछा,' क्या हुआ मम्मी? वर्मा जी के घर से रोने की आवाज क्यों आ रही है?'

' अरी बहू, वर्मा जी के बेटे को बगीचे में सांप ने काट लिया है। सब उसे होस्पीटल ले जा रहे हैं। ' सास बोली।

' हाय राम! गजब हो गया। भगवान करे , बेचारा बच जाए' बहू प्रार्थना करने लगी।

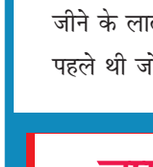
तभी वर्मा जी की पत्नी कुछ सोचती हुई धीरे से बोली,' बहू, मुझे नहीं लगता है कि वह बचेगा। सांप बहुत जहरीला था...। बहू, तुम अभी खाना मत बनाना। अगर कहीं मौत हो गई तो बेकार में हमें बना हुआ खाना फेंकना पड़ेगा ।'

बहू ने हैरानी से सास की तरफ देखा ,' सांप से ज्यादा ज़हरीली तो इनकी सोच है।'

हाई स्कूल रोड, फारबिसगंज (अररिया)- 854318
मो. 9471017305

कविता

पापा का घर



अनुपमा आर्य

पापा का घर मेरे ज़हन में क्यों बसता है,
ऐसा क्या है, जो मुझसे अब तक
नहीं छूटता है।
वहीं उनका बचपन खिला,
वहीं उनकी आधी जवानी गुज़री।
नए सपनों की पहली उड़ान वहीं से भरी,
अपनों से दूर रहना, अपनों के लिए तड़पना भी वहीं सीखा।
शायद मुझे उस घर से लगाव नहीं था,
मुझे तो पापा से प्यार था।
तभी तो उनकी हर छोटी-बड़ी चीज़ को,
मैंने आज तक दिल से लगा रखा है।
उनकी मीठी यादें...
और हमारी कुछ कड़वी बातें।
वो हमेशा समझाते थे,
बातों को भूल जाने को कहते थे।
पर उनके साथ क्या-क्या बीता,
क्या नहीं बीता—सब याद है मुझे।
उस घर से उनका अटूट लगाव,
आज भी याद है मुझे।
नए सपनों की तलाश
उन्हें उस घर से दूर ले आई थी।
पर दूरियाँ भी
उस घर के लिए उनका प्यार कभी मिटा नहीं पाईं।
हमारा कुछ कहना उन्हें बुरा लगता था,
उनके भाई-बहनों के लिए उनका प्यार साफ़ दिखता था।
पर कभी-कभी लगता था...
वह प्यार शायद एकतरफ़ा था।
कहने को वह घर उनसे बहुत पहले छूट गया था,
लेकिन उनकी बातों में, उनके अपनेपन में,
वह घर हमेशा हमारे साथ रहता था।
पापा के लिए वही घर हमेशा अपना था,
जहाँ उनके माता-पिता,
दो भाई और चार बहनें रहती थीं।
एक बड़ा, संपन्न घर...
जो आज समय की मार से खंडहर में तब्दील हो गया है।
आज उस घर की दीवारें ख़ामोश हैं,
मगर उनकी यादों की आवाज़ अब भी वहीं ठहरी है।
कुछ लोग दुनिया छोड़ गए,
कुछ अपनी-अपनी राहों पर आगे बढ़ गए।
पर पापा की वजह से,
वह घर आज भी मेरे ज़हन में बसता है।
शायद इसलिए नहीं कि वह एक घर था,
बल्कि इसलिए कि उसमें मेरे पापा बसते थे।

- आगरा,उत्तर प्रदेश

लघुकथा

अनदेखा नहीं कुछ

मनमोहन चौरे

स्कूल यूनीफार्म (टाई, जूते, मोजे) में बेटे को देख कर पिता बहुत खुश होते और उत्साह से बेटे को स्कूल छोड़ने पैदल निकल पड़ते। अब स्वयं के कुर्ते की फटी जेब या फटे जूते देखने का तो जैसे समय गुजर ही गया। लेकिन आज रास्ते में पड़ी लोहे की कील ने फटे जूते के अन्दर झांक ही लिया और अंगूठे को चीरते हुए कहा कि कभी अपनी तरफ भी देख लिया करो।

खून अपनी प्रकृति के अनुरूप बहे जा रहा था। पैर को छिपाने की कोशिश की। जैसे बेटे ने कुछ नहीं देखा और बेटे ने भी चुपचाप मुँह फेरकर अपने आँसू पोंछ लिए, जैसे पिता ने कुछ नहीं देखा हो।

दोनों के मन में जो घट रहा था वह अनदेखा ही रहा।

भोपाल,मो.9893361341

पुस्तक समीक्षा

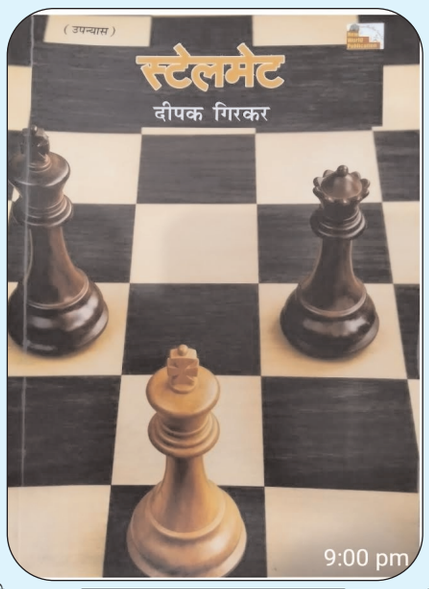
स्त्री के संघर्ष की कथा



डॉ. शुभा श्रीवास्तव

दीपक गिरकर का नाम हिंदी साहित्य के लिए नया नहीं है। इन्होंने व्यंग्य, आलोचना, आलेख, उपन्यास तथा बैंकिंग जैसे विषयों पर लेखन किया है।

शतरंज के खेल का एक तकनीकी शब्द है इस 'स्टेलमेट' जिससे सभी परिचित नहीं है जो इस क्षेत्र में रुचि रखते हैं, वो यह जानते हैं कि 'स्टेलमेट' का अर्थ होता है किंकर्तव्यविमूढ़ की स्थिति। ऐसी स्थिति जहां आप कोई चाल नहीं चल सकते हैं, न आपकी जीत होती है और न आपकी हार होती है, आप जहां खड़े हैं वहीं पर खड़े रहेंगे



शतरंज की बिसात के जैसे ही यह जिंदगी है । कभी-कभी जिंदगी के खेल में भी ऐसी स्थिति आ जाती है जब हम स्टेलमेट की स्थिति में पहुंच जाते हैं। नायिका माधवी और उसके जीवन के इर्द-गिर्द घूमता यह उपन्यास अपनी अच्छाइयों और कर्मियों के बीच झूलता है। मेधावी छात्र के रूप में माधवी का जीवन, पत्नी और नौकरी के मध्य तालमेल बिठाती स्त्री, जिसे संघर्ष ही करना पड़ता है और वह संघर्ष से अपने को कैसे सिद्ध करती है इसका वर्णन इस उपन्यास का मुख्य उपजीव्य है। वस्तुत: स्त्री जीवन का एक ही सत्य है संघर्ष। वही संघर्ष माधवी को और उसकी पुत्री अनु को हर जगह मिलता है। माधवी विवाह के लिए संघर्ष करती है क्योंकि जाति की दीवार उसके सामने खड़ी थी। संघर्ष करके वह श्रीनिवासन से विवाह करती है। नौकरी और घर में तालमेल बिठाने के संघर्ष के साथ ही स्त्री के जीवन का एक और संघर्ष होता है पति का परस्त्री गमन और जब पुरुष वापस आता है तब स्त्री का एक नया संघर्ष शुरू होता है उसको पूर्ण रूप में स्वीकृत करना। इसके साथ मातृत्व के लिए संघर्ष भी माधवी करती है क्योंकि मुक बधिर लड़की का लालन पालन और इन परिस्थितियों के मध्य नौकरी का त्याग कर पूर्णतया मां बनने का निर्णय। इन संघर्षों के बीच पूरे उपन्यास का ताना-बाना बुना गया है।

उपन्यास साहित्यिक कल्पना की उपज नहीं होती है और यह उपन्यास इस बात को सिद्ध करता है। खास तौर पर एक पुरुष लेखक स्त्री नायिका के जीवन को कागजों पर कितनी खूबसूरती से उतार सकता है उसका प्रमाण यह उपन्यास है. विषय तो स्टेलमेट है पर इसका व्यापक फैलाव है। इसमें राजनीति, धर्म, न्याय व्यवस्था और इन सबके कुचक्र में फंसी स्त्री का चित्रण है।

सबसे पहले राजनीति की बात। राजनीति में सुधार की अपेक्षा का भाव लेखक से माधवी के वैशिष्ट्य का सृजन करवाता है। शिक्षा का आधारभूत ढांचा कैसे बदला जा सकता है यह एक शिक्षा मंत्री के रूप में माधवी करके दिखाती है। उपन्यास में शिक्षा व्यवस्था की कमियों और अवसरवादिता पर भी व्यंग्य स्पष्ट रूप से किया गया है । उपन्यास का दूसरा पक्ष है धार्मिक बाबाओं या उनके अंधभक्त कैसे धर्म के नाम पर चक्र में फांसते हैं और भोली भाली जनता कैसे धर्म के नाम पर उसमें धंसती चली जाती है इसका सटीक उदाहरण यह उपन्यास है। माधवी जैसी पढी-लिखी मेधावी अध्यापिका और शिक्षा मंत्री पद पर आसीन होने के बावजूद तथाकथित साधुओं के मायाजाल को कैसे नहीं समझ पाती है यह बेहद आश्चर्य की बात है। ऐसे ही एक साधु के द्वारा अपनी पुत्री अनु का शारीरिक शोषण और उसे मार डालने की कहानी भीतर तक पाठक को हिला देती है ।

राजनीति और धर्म पर चलते हुए यह उपन्यास न्याय व्यवस्था के भीतर छिपी कमियों को भी उजागर करता है, जहां दुष्कर्म कोई और करता है और सजा किसी दूसरे कारिन्दे को मिलती है। और यह सब कुछ जानते हुए भी माधवी की स्टेलमेट होने की स्थिति। इस स्थिति को वह बदलती है अपने साहसिक निर्णय से। वह स्वयं बाबा का हाथ काट देती है और सजा भुगतती है। पर पुत्री वापस नहीं आ सकती है और उसके लिए स्टेलमेट की स्थिति बनी रहती है, जहां ना उसे हार मिलती है ना जीत मिलती है। स्टेलमेट उपन्यास शतरंज के खेल की बारीकियां को भी दर्शाता है।

पुस्तक (उपन्यास) - स्टेलमेट,
लेखक - दीपक गिरकर,
प्रकाशक - न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली
मूल्य - रु 299/-

व्यंग्य

बप्पा का डिजिटल कायाकल्प



जैस्मिन जोविअल

मेरी एक सहेली हर साल बड़े प्यार से गणपति बप्पा को अपने घर लाती है और मुझे भी बुलाती है; लेकिन पता नहीं क्यों, हर साल मेरा और बप्पा का मिलन किसी न किसी काम के कारण टलता रहा. आखिरकार मौका मिल ही गया। मैं पहुँची, तो लगा जैसे घर नहीं, भक्ति का पूरा स्टूडियो सजा हुआ है। बप्पा की मूर्ति इतनी सुंदर सजी थी कि कुछ पल के लिए मन सचमुच शांत हो गया। फूल, रोशनी, सजावट, अगरबत्ती की खुशबू और सामने विराजमान बप्पा।

बप्पा को निहारते-निहारते कब आँख लग गई, पता ही नहीं चला।..और फिर जो देखा...मैं किसी दूसरी ही दुनिया में पहुँच गई। आँख खुली तो सामने का दृश्य देखकर मैं कुछ पल के लिए समझ ही नहीं पाई कि सपना देख रही हूँ या कलियुग का कोई नया अपडेट इंस्टॉल हो चुका है! सामने गणपति बप्पा विराजमान थे ; लेकिन भक्तों की ओर नहीं। आईपैड की ओर! बप्पा बड़े ध्यान से आइपैड में कुछ कर रहे थे। मैंने इधर-उधर देखा- लोग परेशान! कोई फूल लेकर बप्पा को ढूँढ रहा था, कोई आरती की थाली लेकर इधर-उधर घूम रहा था।

एक भक्त दूसरे से पूछ रहा था— ''अरे भाई, बप्पा कहाँ गए?''

दूसरा बोला— ''यहीं तो बैठे थे!''

तीसरा बोला— ''मूर्ति तो यहीं है... लेकिन बप्पा दिखाई नहीं दे रहे!''

उधर घंटियाँ बज रही थीं। इधर लोग बप्पा को आवाज़ लगा रहे थे। काफी देर बीत गई। मनुष्य बेचारे परेशान होकर रूठने लगे— ''हम इतनी देर से पूजा कर रहे हैं और बप्पा दर्शन ही नहीं दे रहे!''

लेकिन हमारे बप्पा? पूरी तन्मयता से आइपैड में व्यस्त! उनका वाहन, हमारा प्यारा मूषक, बेचारा घबराकर इधर-उधर दौड़ रहा था। आखिर उसने हिम्मत करके पूछा— ''भगवान!''

बप्पा ने कोई जवाब नहीं दिया। मूषक ने फिर कहा— ''बप्पा!''

फिर भी कोई जवाब नहीं।आखिर उसने आइपैड के सामने अपना छोटा-सा मुँह लाकर कहा— ''भगवान! मनुष्य आपको हर जगह ढूँढ़ रहे हैं और आप यहाँ आइपैड पर बैठे हैं। सब ठीक तो है?''

बप्पा ने बिना नज़र उठाए कहा— ''हाँ, मूषक जी, सब ठीक है।''

''तो फिर ये आइपैड पर क्या चल रहा है?''

बप्पा बोले— ''एआई का कमाल है। मैं भी सीख रहा हूँ।''

मूषक की आँखें गोल- ''एआई?''

''हाँ! आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस!''

''लेकिन भगवान... आपको इसकी क्या ज़रूरत?''

बप्पा बोले— ''बहुत ज़रूरत है। देख नहीं रहे? आजकल मनुष्य बिना एआई के एक शुभकामना संदेश तक नहीं लिखते। तो मैंने सोचा, मैं क्यों पीछे रहूँ?''

मूषक चुप। बप्पा ने गर्व से आइपैड उसकी ओर घुमाया— ''देखो, मैंने अपनी फोटो एडिट की है।''

मूषक ने फोटो देखी- ''ये क्या कर दिया आपने?''

बप्पा बोले— ''थोड़ा ग्लो बढ़ाया है, कानों



को थोड़ा शार्प किया है, बैकग्राउंड में हिमालय लगाया है और माथे पर हल्का-सा सिनेमैटिक इफ़ेक्ट दिया है।''

मूषक ने माथा पकड़ लिया, ''भगवान! आप तो पहले ही सुंदर थे!''

बप्पा बोले— ''मूषक जी, ज़माना बदल गया है। आजकल सुंदर होना काफ़ी नहीं है, सुंदर दिखना भी पड़ता है... और वह भी फ़िल्टर के साथ!''

मूषक ने बप्पा के चरणों को चूमा और बोला— ''भगवान, चलिए अब! सब घंटियाँ बजा-बजाकर आपको बुला रहे हैं।''

बप्पा ने आइपैड नीचे रखा और बोले— ''मनुष्य भी कमाल के हैं!''

''क्यों भगवान?''

''अरे, मुझसे शिकायत करते हैं कि मैं ध्यान नहीं देता। खुद मंदिर में आते हैं, पूजा शुरू करते हैं...''

''फिर?''

''फिर आरती के बीच फ़ोन बजता है।''

''हाँ...''

''पहले जेब टटोलते हैं।''

''फिर?''

''फिर स्क्रीन देखते हैं।''

कविता

मन करता है



डॉ. वर्षा महेश

आज मेरा कुछ भी नहीं
करने को
मन करता है
खुद को बाहों मे भर
लेने को
मन करता है
कई बार सोचा कि खुद के लिए
फुर्सत निकालूं
धागों सी उलझी है जुल्फें
इन्हें अब संभालूं
थकियारी आंखों में फिर काजल
संवरता है
खुद को बाहों मे भर लेने को
मन करता है
सोचती हूं ओढ़ लूं लाल चुनरिया
जैसे घने दरख्तों पर नीली लहरिया
बांध लूं पैरों में खुशी के घुंघरूं
थाम कर अपनी उमरिया
इंद्रधनुषी सपनों का रंग निखरता है
खुद को बाहों मे भर लेने को
मन करता है
गर रोटी गोल है तो बिंदी भी गोल
होती है
औरत के सपनों की उम्र नहीं होती है
भर लूं हाथों को लाल चूड़ियों से
मानो सुर्ख़ जासून झूले हैं डालियों से
लाज का घूंघट आहिस्ता से सरकता
उतरता है।

जलहीन केवल शो पीस की तरह पानी टंकी खड़े हैं, जल जीवन मिशन के अधूरे शोपीस

विश्व केसरी■



तखतपुर (ब्यूरो)। विधानसभा क्षेत्र में हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'जल जीवन मिशन' योजना भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से पानी की टंकियां, पाइपलाइन, स्टैंडपोस्ट और घरेलू नल कनेक्शन के कार्य कराए जाने के बावजूद कई गांवों के ग्रामीण आज भी पीने के पानी के लिए परेशान हैं।

करोड़ों के खर्च के बाद भी बूंद-बूंद को तरस रहे ग्रामीण

कहीं पानी की टंकियां अधूरी खड़ी हैं तो कहीं टंकी तैयार होने के बाद भी उनमें पानी नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के तहत बनवाई गई पानी की टंकियां चार मीनार की तरह खड़ी होकर अपनी बदहाली की कहानी बयां कर रही हैं। कुछ स्थानों पर टंकियों का निर्माण पूरा नहीं हुआ है, जबकि जहां निर्माण पूरा हो चुका है, वहां पाइपलाइन, मोटर पंप अथवा अन्य व्यवस्थाओं के अभाव में ग्रामीणों को योजना का वास्तविक लाभ नहीं मिल पा रहा है।

इन पंचायतों में अधूरे पड़े हैं जल आपूर्ति के कार्य

तखतपुर में जल जीवन मिशन की पड़ताल के दौरान सकेरी, मोढ़े, केकती, सिंघपुरी, विजयपुर और कंचनपुर ग्राम पंचायतों में पानी की टंकियों का निर्माण अधूरा मिला है। टंकी अधूरी होने के कारण योजना का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचने में देरी हो रही है, जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है और उन्होंने निर्माण कार्यों को जल्द पूरा कराकर पेयजल व्यवस्था शुरू करने की मांग की है।

पुराने मोटर पंप को नया बताकर राशि निकालने का आरोप

जल जीवन मिशन के कार्यों को लेकर सबसे गंभीर सवाल तब सामने आया जब पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में पुराने मोटर पंप को नया बताकर उसका भुगतान कराने और राशि निकाले जाने का आरोप उठाया गया। मामला सामने आने के बाद जब संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा गया, तो टालमटोल रवैया अपनाया गया। इस संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एसडीओ अरुण भार्गव से संपर्क करने के लिए मोबाइल पर संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इसके चलते योजना की जमीनी स्थिति और लंबित कार्यों को लेकर विभाग का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आ सका।

अधूरे कार्यों की जवाबदेही तय होगी या जांच के नाम पर खानापूर्ति?

जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद योजना का लाभ ग्रामीणों तक न पहुंचना और कार्यों में अनियमितता सामने आना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या अधूरे कार्यों को पूरा कराने के साथ जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों की जवाबदेही तय की जाएगी? या फिर जांच के नाम पर महज खानापूर्ति कर मामले को फाइलों में दबा दिया जाएगा? अब ग्रामीणों की नजरें पूरी तरह से प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं कि वे इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।

रेत खनन और कथित वसूली के आरोपों से शिवरीनारायण में हलचल, जांच की मांग

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर पंचायत शिवरीनारायण में कथित अवैध रेत खनन और ट्रैक्टर चालकों से राशि लिए जाने के आरोपों को लेकर मामला सामने आया है। वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद प्रतिनिधि एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला महामंत्री ललित कश्यप को लेकर कुछ ट्रैक्टर चालकों द्वारा राशि दिए जाने के दावे किए जाने की बात सामने आई है। मामले को लेकर निष्पक्ष जांच और तथ्यों को सार्वजनिक करने की मांग उठ रही है।

जानकारी के अनुसार, आज सुबह नगर के कुछ पार्षद मौके पर पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टर मौजूद थे। मौके पर करीब 35-40 ट्रैक्टर चालकों एवं मालिकों के बयान वीडियो में रिकॉर्ड किए जाने का दावा किया गया है। इनमें कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से ललित कश्यप को रेत के संबंध में राशि दिए जाने की बात कही गई। कुछ लोगों ने 40-50 हजार रुपये तक की राशि देने का दावा किया, जबकि कुछ ने हाल में 10 हजार रुपये दिए जाने की बात कही है।

हालांकि, इन बयानों और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। वीडियो में दिए गए बयानों की सत्यता, राशि दिए जाने का वास्तविक कारण तथा रेत खनन की वैधता जैसे सभी पहलुओं की जांच संबंधित प्रशासनिक एवं खनिज विभाग द्वारा किया जाना आवश्यक है।

भाजपा संगठन की जवाबदेही पर भी सवाल

मामले ने स्थानीय स्तर पर भाजपा संगठन की जवाबदेही और अनुशासन को लेकर भी चर्चा शुरू कर दी है। यदि जांच में यह प्रमाणित होता है कि किसी राजनीतिक या संगठनात्मक पद के प्रभाव का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों अथवा कथित वसूली के लिए किया गया, तो संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारियों द्वारा नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग उठना स्वाभाविक है। स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि रेत खनन में अनियमितता हो रही थी, तो संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी रही। साथ ही, भाजपा के भीतर भी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के बीच संगठन की नीतियों, अनुशासन और जवाबदेही को लेकर असंतोष है या नहीं, यह संबंधित लोगों के आधिकारिक पक्ष से ही स्पष्ट हो सकेगा। ऐसे में पूरे संगठन को लेकर निष्कर्ष निकालने के बजाय मामले की तथ्यात्मक जांच जरूरी है।

आरोप सही मिले तो कार्रवाई की मांग

मामले को लेकर मांग की गई है कि मौके पर रिकॉर्ड किए गए वीडियो बयानों, रेत परिवहन से संबंधित दस्तावेजों, रॉयल्टी, अनुमति तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जाए। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ संगठनात्मक स्तर पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

परिवार के साथ मिलकर लखन पाड़ें बना रहे आकर्षक प्रतिमाएं



जांजगीर-चांपा। जिले की धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में इन दिनों मूर्ति निर्माण का काम जोर-शोर से चल रहा है। बस स्टैंड रोड स्थित नटराज चौक के पास लखन मूर्तिकार अपने परिवार के साथ मिलकर विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। लखन पांडे पिछले करीब 28 वर्षों से मूर्तियां बनाने का काम कर रहे हैं और उनकी बनाई प्रतिमाओं की मांग आसपास के कई क्षेत्रों में रहती है। शिवरीनारायण के बस स्टैंड रोड, नटराज चौक के पास नीरज ट्रेडर्स के बगल में लखन मूर्तिकार का मूर्ति निर्माण स्थल है।

छत्तीसगढ़ की प्रशंसा पांडे ने संसद भवन दिल्ली में छत्तीसगढ़ का नेतृत्व किया

विश्व केसरी■



बिलासपुर (ब्यूरो)। संसद भवन, नई दिल्ली में महात्मा गांधी, शास्त्री जयंती अवसर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व बिलासपुर की प्रशंसा पांडे द्वारा किया गया। इसके पूर्व प्रशंसा पांडे को उनके महाविद्यालय शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर में सम्मानित कर शुभकामनाएं दी गईं।

महाविद्यालय के प्राचार्य कमलेश सर सहित प्रोफेसर मंजू माधुरी बाजपेयी मैडम, चौधरी सर, सिन्हा मैडम, सीमा मिश्रा मैडम एवं डॉ. पूजा शर्मा मैडम सहित अन्य प्राध्यापकों ने प्रशंसा पांडे का अभिनंदन किया और उनके राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व के लिए शुभकामनाएं दी। वे नेशनल यूथ पार्लियामेंट की प्रदेश विजेता हैं तथा विकसित भारत लीडर्स डायलॉग में भी राज्य स्तर पर अपनी उपलब्धि दर्ज करा चुकी हैं। पिछले दो वर्षों से ये नेशनल यूथ पार्लियामेंट के माध्यम से विधानसभा स्तर पर युवाओं का प्रतिनिधित्व करती आ रही हैं। युवा नेतृत्व के क्षेत्र में प्रशंसा पांडे को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से Youth Icon की उपाधि भी प्राप्त है। Youth Icon के रूप में वे नशामुक्त भारत अभियान सहित युवाओं से जुड़े विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता कर चुकी हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री के साथ आयोजित 'खेल की बात' एवं युवा संवाद जैसे कार्यक्रमों में भी उन्होंने Youth Icon के रूप में सहभागिता की है। संसद भवन के लिए उनका चयन उनके निरंतर परिश्रम, युवा नेतृत्व और राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सहभागिता का महत्वपूर्ण परिणाम है। बिलासपुर की बेटी का संसद भवन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है और प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा का संदेश भी है।

कबड्डी प्रतियोगिता के मंच पर छत्तीसगढ़ी भगवद्गीता की चर्चा

उप-मुख्यमंत्री अरुण साव सहित अतिथियों ने पुस्तक देखकर दी बधाईयां

विश्व केसरी■



चांपा (नीरज शर्मा)। कोसा कांसा कंचन की नगरी चांपा में आयोजित विद्याभारती मध्य क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार समारोह में खेल के साथ साहित्य और भाषा का भी एक विशेष प्रसंग देखने को मिला। समारोह में पहुंचे छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री अरुण साव, जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र की सांसद कमलेश जांगड़े, भारतीय कुष्ठ निवारक संघ के सचिव सुधीर देव, विद्या भारती मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जुड़ावन सिंह ठाकुर, नगर संघ चालक डॉ शांति सोनी सहित अन्य अतिथियों को चांपा निवासी लेखक एवं अनुवादक रविन्द्र कुमार सोनी उर्फ भारत की कृति श्रीमद्भगवद्गीता (छत्तीसगढ़ी) भेंट की गई।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता नंदकुमार देवांगन ने रविन्द्र सोनी को मंच पर बुलाया और अतिथियों को उनकी छत्तीसगढ़ी गीता की प्रतियाँ भेंट करने के लिए कहा। पुस्तक हाथ में आने के बाद अतिथियों ने उसे देखा और सोनी से उनकी इस कृति के बारे में जानकारी ली। रविन्द्र कुमार सोनी के अनुसार, अतिथियों को इस कार्य के बारे में पहले विस्तृत जानकारी नहीं थी। पुस्तक देखने और उनकी 25 वर्षों की यात्रा के बारे में जानने के बाद उन्होंने उनका हालचाल पूछा और उनके प्रयास के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

2000 में लिया था संकल्प

लेखक रविन्द्र सोनी ने कहा कि उन्होंने वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ी भाषा में धार्मिक ग्रंथों की उपलब्धता को लेकर एक प्रश्न से प्रेरित होकर मन ही मन संकल्प लिया था कि वे अपनी क्षमता के अनुसार इस दिशा में कार्य करेंगे। लगभग 25 वर्षों की यात्रा के बाद वर्ष 2026 में श्रीमद्भगवद्गीता (छत्तीसगढ़ी) प्रकाशित हुई।

उनकी इस यात्रा के बारें में हाल के दिनों में विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया संस्थानों में भी समाचार और साक्षात्कार सामने आए हैं।

'यह मेरा नहीं, छत्तीसगढ़ी भाषा का सम्मान है'

रविन्द्र कुमार सोनी का कहना है कि वे अपनी इस कृति को व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं देखते। उनके शब्दों में, 'मैं तो केवल एक माध्यम हूँ। जो कुछ हुआ, वह भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से हुआ।'

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की मनाई गई जयंती

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। जिला कांग्रेस कमेटी एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी जैजैपुर के संयुक्त तत्वावधान में जैजैपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत सिरली में बहुत ही धूमधाम, उत्साह और गरिमामय समारोह में मनाया गया।

इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस जनों एवं सर्वोदय के प्रशिक्षित कार्यकर्ताओ द्वारा प्रभातफेरी जय जगत एवं रघुपति राघव राजा राम भजन को श्रद्धापूर्वक गाते हुए पूरे गांव में भ्रमण किया गया। तत्पश्चात सभास्थल पर दोनों महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। और वक्ताओं द्वारा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया।इस अवसर पर ठा गुलजार सिंह, रश्मि गभेल, बलराम पांडे, गोपाल भारद्वाज, श्याम कुमार केवट, कुशल कश्यप, अमरसिंह बनाफर, बोधसाय चंद्रा, ताम्रध्वज चंद्रा, ताराचंद साहू,साधेश्वर गबेल,राइस किंग खुटे, रुप नारायण साहू, बोधसाय चंद्रा, लखन राठौड़,कालूराम अग्रवाल, बलराम दास वैष्णव, सन्नी यादव, राजेश लहरें, खम्हनसाहू, प्रदीप पटेल, सुनील पटेल, वेदप्रकाश पटेल , दिवाकर यादव, राजेन्द्र यादव, कार्तिक चंद्रा, महेन्द्र सिदार ,ज्योति गबेल ,किरण जायसवाल,रीना तिवारी,केवरा कुर्रे, सुशीला रथराम पटेल,चंद्रा,पदमा बरेठ, अमरनाथ साहू,बबला महंत, गोपी पटेल, छोटू सिदार, खिदमत पटेल, दरसूचंद्रा, बाबूलाल पटेल, सोनू तंबोली, नारायण, रोहित चंद्रा, गभेल, भागवत सहनी, गांव की महिला समूह की कार्यकर्ता , कांग्रेस जन एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

जुड़वनिया नाला में गूंजा जल संरक्षण का संकल्प, सेवा से संवर रहा बलरामपुर

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत जिले में जनसेवा, विकास और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में बलरामपुर जिला मुख्यालय स्थित जुड़वनिया नाला में जल संरक्षण की दिशा में विशेष पहल की गई। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में जल संरक्षण और जल स्रोतों के संवर्धन को लेकर लोगों को जागरूक किया गया।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता बलरामपुर संजय मिंज तथा जल संसाधन विभाग संभाग क्रमांक-2 रामानुजगंज के कार्यपालन अभियंता एन.पी. डहरिया के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में विभागीय अमले ने जुड़वनिया नाला में जल संरक्षण की दिशा में कार्य किया। इस दौरान उप अभियंता राजकमल केरकेट्टा सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने जल संरक्षण को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताते हुए जल स्रोतों को सुरक्षित रखने और वर्षा जल के संरक्षण के लिए सामूहिक सहभागिता पर जोर दिया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का, नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप सोनी तथा पार्षद गौतम सिंह सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों की सहभागिता से जल संरक्षण अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप मिला।

सेवा संकल्प अभियान के तहत चंद्रपुर के दरहा घाट में चला विशेष स्वच्छता अभियान



विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' पहल के तहत चंद्रपुर में नदी के तट स्थित दरहा घाट में विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों एवं नागरिकों ने एक साथ श्रमदान करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया।

'सेवा ही मेरा योगदान' अभियान के अंतर्गत नदी घाटों की विशेष साफ-सफाई एवं स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के दौरान घाटों एवं आसपास के क्षेत्रों की व्यापक सफाई की गई तथा नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने का संकल्प लिया। 'सेवा मेरा योगदान' पहल के तहत आयोजित इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता कार्यों में जनभागीदारी को बढ़ावा देना और नागरिकों को अपने आसपास के सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना है।

कांग्रेस का लोकतंत्र बचाओ सप्ताह, 8 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

विश्व केसरी■



बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। बेमेतरा में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से 2 से 8 अक्टूबर तक 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह, वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को राजीव भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने केंद्र की भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं और विपक्ष लगातार इन मुद्दों को जनता के सामने उठा रहा है। अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए जनजागरण करेंगे तथा मार्च भी निकालेंगे।

चौबे ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद लोकतंत्र की रक्षा के लिए देश के नागरिकों की भागीदारी जरूरी हो गई है। कांग्रेस और विपक्षी दल लोकतंत्र बचाने की मांग को लेकर लगातार आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सबसे बड़ा अधिकार जनता का है और मतदाता के वोट की सुरक्षा चुनाव प्रक्रिया की बुनियादी जिम्मेदारी है।

13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटने का लगाया आरोप - पूर्व कृषि मंत्री ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि देश में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में 25 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काटे जाने का दावा उन्होंने किया। चौबे ने कहा कि मतदाता सूची में इस तरह के बदलाव को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है, लेकिन इन सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि किसी व्यवस्था में गड़बड़ी होती है और उसकी निगरानी करने वाला जिम्मेदार व्यक्ति कार्रवाई नहीं करता, तो उसकी भूमिका भी सवालों के घेरे में आती है। इसी संदर्भ में उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखी टिप्पणी करते हुए उनकी तुलना 'दुशासन' से की।

'वोट की चोरी और नाम काटने का आरोप गंभीर' - चौबे ने कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि अब तक हुए चुनावों में वोट की चोरी और चुनावी गड़बड़ी के सवाल उठते रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के नाम काटे जाने और वोटों की सुरक्षा को लेकर विपक्ष लगातार चुनाव आयोग से जवाब मांग रहा है।

18 की दहलीज पर लोकतंत्र से जुड़ेंगे युवा: 17 वर्षीय भावी मतदाताओं के लिए 6 अक्टूबर को विशेष शिविर

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। जिले में मतदाता सूची को अधिक समावेशी और अद्यतन बनाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर अभियान की प्रगति की समीक्षा की।

कलेक्टर त्रिपाठी ने निर्देश दिए कि अगले वर्ष 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले भावी मतदाताओं के साथ-साथ किसी कारणवश अपने निवास स्थान पर अनुपस्थित पाए गए पात्र नागरिकों का फॉर्म-6 अनिवार्य रूप से भरवाकर जमा कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अभियान के दौरान कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

6 अक्टूबर को सभी शिक्षण संस्थानों में विशेष शिविर

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एक माह के भीतर विशेष अभियान पूरा किया जाना है। इसी क्रम में 6 अक्टूबर 2026 को जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में 17 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में अग्रिम रूप से जोड़ने के लिए आवेदन प्रक्रिया कराई जाएगी। कलेक्टर ने विकासखंड शिक्षा अधिकारियों और सभी शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों को अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए हैं।

हर स्कूल-कॉलेज बनेगा मतदाता जागरूकता का केंद्र

बैठक में जिले के सभी स्कूलों एवं महाविद्यालयों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) का गठन एवं पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इन क्लबों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं युवाओं को मतदान, मतदाता पंजीयन और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने के लिए साप्ताहिक एवं मासिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत, वैश्विक अनिश्चितता का सफलतापूर्वक किया सामना : वित्त मंत्री सीतारमण

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के चलते पैदा हुई वैश्विक अनिश्चितता का भारत सफलतापूर्वक सामना करने में सक्षम रहा है और देश की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। यह बयान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से शनिवार को दिया गया। राष्ट्रीय राजधानी में 5वें कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव (केईसी 2026) में 'बदलाव के दौर में मजबूती: भारत की आर्थिक प्राथमिकताएं' विषय पर आयोजित विशेष पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत इस दौर से उल्लेखनीय रूप से बेहतर स्थिति में निकला है। उसकी आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है और इसमें और मजबूती आई है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि वैश्विक सार्वजनिक ऋण 2025 में बढ़कर जीडीपी के करीब 94 प्रतिशत तक पहुंच गया और 2029 तक इसके 100 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। यह स्तर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के दौर में आखिरी बार देखा



गया था। उन्होंने कहा, 'मूल्य संबंधी झटके को मौद्रिक और राजकोषीय उपायों से कम किया जा सकता है, लेकिन मात्रा संबंधी झटका व्यापक आर्थिक प्रणालियों, वितरण तंत्र की पहुंच और खुद राज्य की क्षमता की परीक्षा लेता है। ये झटके ऐसी दुनिया में आए हैं, जहां पहले से ही सुरक्षा कवच और कमजोर हो चुके हैं।'

वित्त मंत्री ने कहा, 'वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत बढ़ी। अगस्त 2026 में सीपीआई मुद्रास्फीति करीब 4.8 प्रतिशत रही और पहली तिमाही में चालू खाते का घाटा जीडीपी का 0.5 प्रतिशत रहा।' उन्होंने आगे कहा कि 2014 से सरकार ने उन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए काम किया है, जिन पर सतत विकास निर्भर करता है जिसमें प्रतिक्रिया देने की राज्य की क्षमता, उत्पादन करने की अर्थव्यवस्था की क्षमता और नागरिकों एवं उद्यमों की विकास में भागीदारी की क्षमता शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'पहली बुनियाद परिवारों के स्तर पर लचीलेपन को मजबूत करना है। यह सरकारी खर्च और सरकारी पहलों को लोगों के जीवन में ठोस सुधार में बदलकर किया गया है। पारदर्शी तंत्र, कड़ी निगरानी और योजनाओं को लागू करने के जुनून ने यह सुनिश्चित किया कि सरकारी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे।' जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) त्रिमूर्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) ने लाभार्थियों तक सीधे सहायता पहुंचाने वाली प्रणालियों को मजबूत किया। योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन से पीएम आवास योजना के तहत आवास, स्वच्छ भारत के तहत स्वच्छता, उज्ज्वला के तहत स्वच्छ खाना पकाने की गैस, आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य सेवाओं और पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत खाद्य सुरक्षा ने परिवारों की असुरक्षा के अलग-अलग स्रोतों को दूर करने में मदद की।

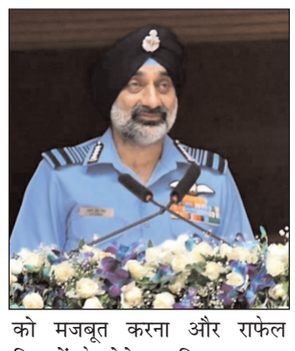
भारत वित्त वर्ष 2027 के अंत तक 114 राफेल लड़ाकू विमानों का सौदा कर सकता है: वायुसेना प्रमुख

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक 114 मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमआरएफए) की बहुप्रतीक्षित खरीद का सौदा अंतिम रूप दे सकता है, यदि योजनाएं समय पर आगे बढ़ती हैं।

एयर फोर्स डे से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि प्रस्तावित खरीद को लेकर कीमत पर बातचीत और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा जारी है। इस सौदे की अनुमानित लागत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये है।

भारत ने फरवरी में 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। यह देश के इतिहास में सबसे बड़े रक्षा खरीद अभियानों में से एक है। इस सौदे को फ्रांस के साथ सरकार-से-सरकार समझौते के तहत आगे बढ़ाया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय वायुसेना की लड़ाकू क्षमता



को मजबूत करना और राफेल विमानों के बेड़े का विस्तार करना है। यह प्रक्रिया मूल योजना शुरू होने के करीब दो दशक बाद आगे बढ़ रही है। सौदा पूरा होने के बाद भारत के पास कुल 176 राफेल विमान हो जाएंगे। इनमें भारतीय वायुसेना के पास पहले से मौजूद 36 राफेल और भारतीय नौसेना के लिए ऑर्डर किए गए 26 राफेल-एम लड़ाकू विमान शामिल होंगे। राफेल-एम विमानों को विमानवाहक पोतों पर तैनात किया जाना है। वायुसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि अगर एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) कार्यक्रम में देरी होती है तो भारतीय वायुसेना किसी अन्य लड़ाकू विमान प्लेटफॉर्म की खरीद पर विचार कर सकती है।

उन्होंने कहा, 'रूस ने हमें सुखोई-57 विमानों की पेशकश की है, लेकिन इस पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है।'

लड़ाकू स्क्वाड्रनों की घटती संख्या से जुड़े सवाल पर एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि भारतीय वायुसेना को आने वाले कुछ वर्षों में हर साल कम से कम 36 से 40 लड़ाकू विमानों की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा कि भारत को अपनी वायु शक्ति को और बढ़ाने की जरूरत है, जो देश की समग्र सैन्य क्षमता के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। वायुसेना के आधुनिकीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'हमें एआई-सक्षम बल बनाना होगा।' उन्होंने समग्र युद्धक तैयारी के लिए आत्मनिर्भरता को भी महत्वपूर्ण बताया। वायुसेना प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को देश में ही लड़ाकू विमान के इंजन का उत्पादन करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

शिकागो में पीयूष गोयल ने कारोबारियों से की मुलाकात भारत में निवेश और मैन्युफैक्चरिंग पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मिल्वौकी में जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के बाद शिकागो का दौरा किया। यहां उन्होंने महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारतीय समुदाय और कारोबारियों से संवाद किया।

मंत्री पीयूष गोयल ने आर्चर डेनियल्स मिडलैंड (एडीएम) के बोर्ड चेयरमैन जुआन रिकार्डो लुसियानो और टारगेट के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और चीफ लीगल एंड कंप्लायंस ऑफिसर ग्रांट मैक्गी से मुलाकात की। इस दौरान भारत में निवेश, फूड प्रोसेसिंग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में साझेदारी बढ़ाने और मेक इन इंडिया के तहत सोर्सिंग बढ़ाने पर चर्चा हुई।वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'शिकागो में आर्चर डेनियल्स मिडलैंड (एडीएम) के बोर्ड चेयरमैन और सीईओ जुआन रिकार्डो लुसियानो से मुलाकात हुई। इस दौरान भारत में एडीएम की मौजूदगी बढ़ाने और निवेश के नए मौकों पर चर्चा हुई।'

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, 'भारत का फूड प्रोसेसिंग सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है, कृषि से जुड़ी सप्लाई और वैल्यू चेन को आधुनिक



बनाया जा रहा है, और देश में उपभोक्ताओं का बहुत बड़ा बाजार है। इन सभी वजहों से भारत में लंबे समय की साझेदारी और टिकाऊ विकास के लिए काफी संभावनाएं हैं।'

एक अन्य 'एक्स' पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'टारगेट के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और चीफ लीगल एंड कंप्लायंस ऑफिसर ग्रांट मैक्गी से मुलाकात हुई। इस दौरान मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत में तेजी से बढ़ रहे मैन्युफैक्चरिंग के मौकों का टारगेट किस तरह और ज्यादा फायदा उठा सकता है, इस पर चर्चा हुई। साथ ही भारत में टारगेट की मौजूदगी को और मजबूत करने और भारत से सामान की खरीद बढ़ाने के मौकों पर भी बातचीत हुई।' एक अन्य पोस्ट में गोयल ने लिखा, 'एओएन के सीईओ ग्रेग केस से मुलाकात की और भारत में कंपनी के कामकाज और आगे विस्तार के मौकों पर चर्चा की।' उन्होंने 'कॉग्निशन' के चीफ लीगल और ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर पॉल ग्रेवाल से भी मुलाकात की और कॉग्निशन के बेहतरीन एआई सॉल्यूशंस का इस्तेमाल करने और भारत में इसकी मौजूदगी को और मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया।

नोएल टाटा ने एन.चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति की बैठक के वीडियो और मिनट्स की मांग की: रिपोर्ट

विश्व केसरी■

मुंबई। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस के बोर्ड को पत्र लिखा है और सितंबर में चेयरमैन के रूप में एन.चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर सवाल किए हैं। यह जानकारी मामले से जुड़े सूत्रों की ओर से दी गई।

एनडीटीवी प्रॉफिट के अनुसार, नोएल ने बोर्ड से मीटिंग के मिनट्स और वीडियो रिकॉर्डिंग मांगी, और साथ ही बाद में ली गई कानूनी राय और उन्हें मांगने के आधार पर भी सवाल उठाए।

नोएल ने 30 सितंबर के एक ईमेल में कहा कि चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का मामला मीटिंग के एजेंडा में शामिल नहीं था, बल्कि इसे 'एनआरसी की तरफ से जानकारी' वाले हिस्से में उठाया गया था। उन्होंने पहले इस बात से इनकार किया था कि 17 सितंबर की बोर्ड मीटिंग में कोई प्रस्ताव



पास हुआ था। ग्रुप की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर, टाटा ट्रस्ट्स ने चंद्रशेखरन को तीसरे कार्यकाल के लिए दोबारा नियुक्त करने वाले बोर्ड के प्रस्ताव को 'गैर-कानूनी' और 'कानूनी रूप से अमान्य' बताया है।

ट्रस्ट के कड़े शब्दों वाले बयान में कहा गया है कि नोएल, जो टाटा संस बोर्ड में नॉमिनी डायरेक्टर भी हैं, ने इस बैठक के दौरान दोबारा नियुक्ति के खिलाफ वोट दिया।

टाटा संस ने एन चंद्रशेखरन को अगले पांच साल के कार्यकाल के लिए एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के तौर पर दोबारा नियुक्त करने के अपने फैसले के समर्थन में भारत के पूर्व चीफ जस्टिस उदय उमेश ललित और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बीएन श्रीकृष्ण की कानूनी राय का हवाला दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों जजों ने इस प्रस्ताव को 'सही तरीके से पारित' माना, क्योंकि जब आर्टिकल 104(बी) के तहत नियुक्त डायरेक्टर बराबर बंटे हुए थे, तो कास्टिंग वोट ने आर्टिकल 121 की शर्तों को पूरा किया।

टाटा ट्रस्ट्स का कहना था कि दोनों नॉमिनी डायरेक्टरों का दोबारा नियुक्ति का समर्थन करना जरूरी था और उसने अपने पक्ष के समर्थन में पूर्व चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की राय का हवाला दिया।

टाटा संस के 'आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन', खासकर नॉमिनी डायरेक्टर और चेयरमैन के 'कास्टिंग वोट' (निर्णायक वोट) से जुड़े नियम इस विवाद की मुख्य वजह थे। टाटा ट्रस्ट्स के दूसरे नॉमिनी डायरेक्टर वेणु श्रीनिवासन ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का समर्थन किया, जबकि चंद्रशेखरन खुद इस प्रक्रिया से अलग रहे और स्वतंत्र निदेशक हरीश मनवानी ने चर्चा की अध्यक्षता की। यह प्रस्ताव चेयरमैन के 'कास्टिंग वोट' के जरिए पास किया गया।

सेबी सीएएस के लागू होने के बाद अब डेरिवेटिव्स एक्सपायरी सेटलमेंट फ्रेमवर्क की कर रहा समीक्षा: चेयरमैन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने शनिवार को कहा कि नियामक डेरिवेटिव्स एक्सपायरी सेटलमेंट फ्रेमवर्क से जुड़ी चिंताओं की समीक्षा कर रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में 'कमोडिटी एंड कैपिटल मार्केट पार्टिसिपेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (सीपीएआई) के 12वें इंटरनेशनल कन्वेंशन में बोलते हुए, पांडे ने कहा कि भारत को ऐसे बाजारों की जरूरत है जो कुशलतापूर्वक पूंजी जुटा सकें, जोखिम का प्रबंधन कर सकें और निवेशकों में भरोसा जगा सकें।

'क्लोजिंग ऑक्शन सेशन' (सीएएस) फ्रेमवर्क शुरू होने के बाद, बाजार नियामक एक्सपायरी के दिनों में डेरिवेटिव्स सेटलमेंट की कीमतें तय करने से जुड़े मुद्दों की समीक्षा कर रहा है।

सीएएस फ्रेमवर्क को इसलिए लाया गया था ताकि सिर्फ वॉल्यूम-वेटेड औसत कीमतों पर निर्भर रहने के बजाय, एक ही इक्विलिब्रियम कीमत पर खरीद और बिक्री के ऑर्डर का मिलान करके दिन के आखिर में कीमत का बेहतर पता लगाया जा सके।

सेबी के चेयरमैन ने कहा कि नियामक कैश मार्केट को ज्यादा गहरा और लिक्विड बनाना चाहता है, साथ ही सिक्योरिटीज उधार लेने और देने के मजबूत सिस्टम और हेजिंग व आर्बिट्राज के बेहतर मौके भी चाहता है, ताकि कीमत का पता लगाने की प्रक्रिया बेहतर



हो सके और कैश व डेरिवेटिव्स सेगमेंट के बीच तालमेल मजबूत हो सके।

कमोडिटी डेरिवेटिव्स मार्केट में, सेबी नॉन-एग्रीकल्चरल कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए 'पोजीशन लिमिट' की समीक्षा कर रहा है। इसका मकसद रिस्क मैनेजमेंट के स्टैंडर्ड्स से समझौता किए बिना लिक्विडिटी और मार्केट की गहराई को बढ़ाना है।

चेयरमैन पांडे के अनुसार, सेबी एक्सचेंज प्लेटफॉर्म के जरिए कमोडिटी डिलीवरी में शामिल लोगों पर असर डालने वाले गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) से जुड़े मुद्दों पर स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत जारी रखेगा।

भागीदारी बढ़ाने के उपायों पर जोर देते हुए, उन्होंने बताया कि फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स (एफपीआई) को नॉन-एग्रीकल्चरल कमोडिटी डेरिवेटिव्स तक पहुंच दी गई है। इस कदम से फिजिकल मार्केट के लिए सुरक्षा उपायों को बनाए रखते हुए लिक्विडिटी और प्राइस डिस्कवरी में सुधार की उम्मीद है।

सेबी प्रमुख ने कैपिटल मार्केट को आसान बनाने के मकसद से किए गए सुधारों का भी जिक्र किया। इनमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए संक्षिप्त और स्टैंडर्ड प्रोस्पेक्टस डिस्क्लोजर, बॉन्ड डिस्ट्रीब्यूशन इकोसिस्टम को मजबूत करने के उपाय, कॉर्पोरेट बॉन्ड, आरईआईटी और इनविट्स में निवेशकों के लिए ज्यादा लचीलापन और स्टॉक एक्सचेंज के जरिए ओपन-मार्केट शेयर बायबैक को फिर से शुरू करना शामिल है।

नायरा एनर्जी ने पेट्रोल का दाम 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ाई

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। निजी ईंधन कंपनी नायरा एनर्जी ने देशभर में फैले अपने नेटवर्क पर पेट्रोल में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी शनिवार से लागू की है। इसकी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी होना है। यह जानकारी इंडस्ट्री के सूत्रों की ओर से दी गई।

नई कीमतों के जरिए नायरा एनर्जी की कोशिश बढ़ी हुई लागत और बिक्री मूल्य में अंतर को कम करना है। मौजूदा दौर में कच्चे तेल की कीमतों के ऊपर जाने के कारण पेट्रोल और डीजल की लागत तेजी से बढ़ी है। देश में 7,000 से ज्यादा पेट्रोल पंप चलाने वाली नायरा एनर्जी की ओर से इस साल दूसरी बार ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी की है। इससे पहले



मार्च में, पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आपूर्ति में रुकावट आने पर कंपनी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाई थीं, लेकिन जुलाई में कच्चे तेल की कीमतें कम होने पर यह बढ़ोतरी वापस ले ली थी। कीमतों में यह ताजा बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब सरकारी तेल वितरक कंपनियां, जो भारत के 1,04,000 से ज्यादा पेट्रोल पंपों में से 90 प्रतिशत से ज्यादा का संचालन करते हैं, ने ग्लोबल क्रूड मार्केट में उतार-चढ़ाव के बावजूद रिटेल कीमतों को काफी हद तक स्थिर रखा है। इस हफ्ते की शुरुआत में, सरकार ने कहा था कि निजी ईंधन विक्रेताओं को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर रोक नहीं लगानी चाहिए। इसके अलावा, सरकारी कंपनियों ने एक अक्टूबर से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 62.50 रुपए का इजाफा किया था। हालांकि, घरेलू एलपीजी की कीमतों को 942 रुपए पर स्थिर रखा था। साथ ही, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में भी 16 प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू एयरलाइंस के लिए एटीएफ की कीमतें 121 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 137 रुपए प्रति लीटर हो गई है।

एआई से जुड़ी कंपनियों के वैल्यूएशन में कमी से भारत में बढ़ सकता है पूंजी प्रवाह: आरबीआई गवर्नर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी कंपनियों के वैल्यूएशन में कमी से वैश्विक निवेश चक्र में धीमेपन के बावजूद भारत में पूंजी प्रवाह में वृद्धि हो सकती है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की ओर से शनिवार को दी गई।

राष्ट्रीय राजधानी में कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2026 में बोलते हुए, मल्होत्रा ने कहा कि हाल के वर्षों में एआई निवेश में आई तेजी ग्लोबल फाइनेंशियल मार्केट के लिए एक मुख्य प्रेरक रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि एआई से जुड़े निवेश या कमाई में किसी भी तरह की कमी से इस सेक्टर से जुड़ी वित्तीय संपत्तियों की कीमतों में बड़ा बदलाव आ सकता है। इस तरह की गिरावट वैश्विक बाजारों के लिए जोखिम है, लेकिन इसका भारत पर सकारात्मक प्रभाव होगा।

मल्होत्रा ने कहा, 'अगर विकसित देशों में एआई से जुड़ी वैल्यूएशन में सुधार होता है, तो इससे पूंजी के प्रवाह पर सकारात्मक असर पड़ सकता है।'

उन्होंने आगे कहा कि हाल के महीनों में भारतीय इक्विटी मार्केट



में भी ऊंचे वैल्यूएशन से सुधार हुआ है, लेकिन उन्होंने इसे प्रक्रिया का हिस्सा बताया।

आरबीआई गवर्नर ने एआई से जुड़ी वैल्यूएशन में अत्यधिक बढ़ोतरी को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली के सामने मौजूद पांच प्रमुख चिंताओं में से एक बताया।

उनके अनुसार, अन्य जोखिमों में ग्लोबल स्तर पर बढ़ा हुआ कर्ज, नॉन-बैंक फाइनेंशियल सेक्टर में लीवरेज (उधार लेकर निवेश), प्राइवेट क्रेडिट एक्सपोजर का बढ़ना और साइबर सुरक्षा से जुड़े खतरे शामिल हैं।

साथ ही, उन्होंने कहा कि इन कमजोरियों का मतलब तुरंत कोई फाइनेंशियल संकट आना नहीं है।

उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि मुझे संकट के कोई तुरंत संकेत दिख रहे हैं, लेकिन हमें इन जोखिमों को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है।' देश मजबूत व्यापक आर्थिक आधार और बैंकों व नॉन-बैंक फाइनेंशियल संस्थानों की मजबूत बैलेंस शीट के दम पर एक चुनौतीपूर्ण ग्लोबल माहौल का सामना कर रहा है

उन्होंने माना कि कमोडिटी की कीमतों, ग्लोबल फाइनेंशियल स्थितियों और कैपिटल फ्लो के कारण देश बाहरी झटकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि घरेलू फाइनेंशियल सिस्टम मजबूती बनाए हुए है।

बच्चों में बार-बार खाने की आदत को ऐसे पहचानें, आसानी से समझें वास्तविक भूख के संकेत



माता-पिता अक्सर बच्चे की भूख और खाने की आदत में अंतर को लेकर समझ ही नहीं पाते हैं. असली भूख में बच्चा पौष्टिक भोजन खाता है, जबकि आदत में जंक फूड पसंद करता है. प्यास या बोरियत भी खाने की इच्छा का कारण हो सकता है

अक्सर माता-पिता इस बात को लेकर भ्रमित रहते हैं कि बच्चा बार-बार खाने की मांग कर रहा है क्योंकि उसे वास्तव में भूख लगी है या फिर यह केवल आदत, बोरियत या स्वाद की इच्छा है. दोनों स्थितियों में अंतर समझना जरूरी है, क्योंकि बिना जरूरत के बार-बार खाना बच्चे की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है. वहीं, असली भूख को नजरअंदाज करना उसके विकास पर असर डाल सकता है.

असली भूख के संकेत क्या हैं?

जब बच्चे को वास्तव में भूख लगती है, तो उसका शरीर ऊर्जा की मांग करता है. ऐसे में बच्चा भोजन मिलने तक खाने की बात करता रहता है और केवल पसंदीदा चीजें ही नहीं, बल्कि सामान्य खाना भी खुशी से खा लेता है. भूख लगने पर पेट में गुड़गुड़ाहट, ऊर्जा में कमी, चिड़चिड़ापन या ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसे संकेत भी दिखाई दे सकते हैं.

यदि बच्चे ने पिछला भोजन 3-4 घंटे पहले किया है और वह रोटी, दाल, सब्जी, फल या अन्य पौष्टिक भोजन खाने के लिए तैयार है, तो यह वास्तविक भूख का संकेत हो सकता है.

कई बार बच्चे केवल स्वाद के लिए या बोरियत के कारण कुछ न कुछ खाते रहना चाहते हैं. ऐसी स्थिति में वे अक्सर चिप्स, चॉकलेट, बिस्कुट, आइसक्रीम या अन्य पसंदीदा स्नैक्स मांगते हैं, लेकिन पौष्टिक भोजन देने पर मना कर देते हैं.

यदि बच्चा खाना खाने के कुछ ही समय बाद फिर कुछ खाने की मांग करता है और उसका ध्यान किसी खेल, कहानी या दूसरी गतिविधि में लगाने पर वह खाने को भूल जाता है, तो यह आदत या मनोवैज्ञानिक इच्छा हो सकती है, न कि वास्तविक भूख.

कैसे करें पहचान?

बच्चे के खाने की मांग पर सबसे पहले उसे एक गिलास पानी दें. कई बार प्यास को बच्चे भूख समझ लेते हैं. इसके बाद पौष्टिक विकल्प जैसे फल, सलाद, दही या घर का बना नाश्ता दें. यदि बच्चा इन्हें खा लेता है, तो संभव है कि उसे सच में भूख लगी हो.

दूसरी ओर, यदि वह केवल जंक फूड या मिठाई की जिद करता है, तो यह स्वाद की इच्छा हो सकती है. साथ ही उसके भोजन और स्नैक का एक नियमित समय तय करें. अनियमित खाने की आदतें भी बच्चों को बार-बार खाने के लिए प्रेरित करती हैं.

माता-पिता क्या करें?

बच्चों को संतुलित भोजन दें जिसमें प्रोटीन, फाइबर और स्वस्थ वसा शामिल हों. इससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है. स्क्रीन देखते हुए खाने की आदत से बचाएं और भोजन के समय को अनुशासित रखें।

साथ ही बच्चे की भावनाओं को समझें, क्योंकि कभी-कभी तनाव, अकेलापन या बोरियत भी बार-बार खाने की वजह बन सकती है।



दवाईयों की पैकेजिंग हमेशा एल्यूमिनियम की क्यों होती है? इसके पीछे का साइंस चौंका देगा



ज्यादातर दवाईयां एल्यूमिनियम के स्ट्रिप में पैक रहती है. लेकिन क्या आप जानते हैं, टैबलेट्स पर लिपटी ये चमकदार फ्लॉइल सिर्फ मार्केटिंग का एक हिस्सा नहीं है. इसका कनेक्शन मेडिसिन और आपके सेहत से जुड़ा है. यहां जानिए दवाईयों की पैकेजिंग एल्यूमिनियम की क्यों होती है.

जब भी हमें कोई दवा खानी होती है, तो हम उसकी स्ट्रिप से गोली निकालकर खा लेते हैं. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि हर टैबलेट के पीछे लगी चमकदार चांदी जैसी परत आखिर क्यों होती है? ज्यादातर लोग इस पर ध्यान नहीं देते, क्योंकि यह दवा की पैकिंग का हिस्सा लगती है. हालांकि, इसके पीछे एक अहम कारण छिपा है.

दवाइयों को बनाने के बाद उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखना जरूरी होता है, ताकि वे अपना असर बनाए रखें. अगर दवा नमी, धूप या हवा के संपर्क में ज्यादा आ जाए, तो उसकी गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है. यही वजह है कि दवाओं की पैकिंग बहुत सोच-समझकर तैयार की जाती है. दवा की स्ट्रिप पर लगी चमकदार फॉइल सिर्फ पैकिंग नहीं है, बल्कि यह दवा को खराब होने से बचाने का एक उपाय है.

एल्युमिनियम फॉइल ही क्यों?

दवाओं की पैकिंग में आमतौर पर एल्युमिनियम फॉइल का इस्तेमाल किया जाता है. इसका मुख्य काम दवा को बाहरी चीजों से बचाना होता है. यह फॉइल नमी, हवा और तेज रोशनी को दवा तक पहुंचने से रोकती है. ये एक ऐसा मेटल है, जो आसानी और किफायती दामों पर उपलब्ध होता है. इसलिए दवाओं की पैकेजिंग के लिए एल्यूमिनियम फॉइल इस्तेमाल किए जाते हैं.

हर दवा की पैकिंग एक जैसी क्यों नहीं होती?

आपने देखा होगा कि कुछ दवाएं स्ट्रिप में आती हैं, जबकि कुछ बोतल में रखी होती हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि हर दवा की बनावट और जरूरत अलग होती है. कुछ दवाएं हवा, नमी या रोशनी से जल्दी प्रभावित हो जाती हैं, इसलिए उन्हें ज्यादा सुरक्षा वाली पैकिंग में रखा जाता है।

कुछ दवाओं में दोनों तरफ एल्युमिनियम क्यों होता है?

कुछ खास दवाओं को ज्यादा सेफ्टी की जरूरत होती है. ऐसे मामलों में एल्युमिनियम दोनों तरफ लगाया जाता है. इसे आमतौर पर 'अलु-अलु ब्लिस्टर पैक' कहा जाता है. इससे दवा को नमी और रोशनी से और बेहतर सुरक्षा मिलती है.

क्या फॉइल दवा की एक्सपायरी बढ़ा देती है?

नहीं, फॉइल दवा की एक्सपायरी डेट नहीं बढ़ाती. इसका काम सिर्फ दवा को उसी स्थिति में सेफ रखना है, जैसी स्थिति में उसे टेस्ट किया गया था. दवा बनाने वाली कंपनियां यह जांचती हैं कि दवा कितने समय तक सही रहती है. फॉइल उस दौरान दवा को खराब होने से बचाने में मदद करती है, ताकि वह अपनी तय शेल्फ लाइफ तक प्रभावी बनी रहे।

कैंसर नहीं चाहते तो आज से ही डाइट में शामिल कर लें ये बूटियां

कैंसर से बचाव के लिए लोग क्या नहीं करते हैं. हालांकि सिर्फ किसी एक चीज पर निर्भर रहना सही नहीं है. खान-पान, रोज की शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और धूम्रपान-शराब से दूरी भी जरूरी है. लोकल 18 से ऋषिकेश के आयुष चिकित्सक डॉ. राजकुमार बताते हैं कि हल्दी, अंबा हल्दी, अदरक, लहसुन, नीम, तुलसी और दालचीनी जैसी जड़ी-बूटियां और मसाले हमारी रसोई में लंबे समय से इस्तेमाल होते रहे हैं. हल्दी में करक्यूमिन नाम का यौगिक पाया जाता है, जिसमें कैंसर समेत कई दिक्कतों से निपटने के गुण हो सकते हैं. अदरक का इस्तेमाल चाय से लेकर सब्जी और काढ़े तक में खूब होता है.

कैंसर से बचाव के लिए सिर्फ किसी एक चीज पर निर्भर रहना सही नहीं है. खान-पान, रोज की शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और धूम्रपान-शराब से दूरी जैसी आदतें लंबे समय में सेहत पर असर डालती हैं. इसी वजह से आजकल लोग अपनी डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करने पर भी ध्यान दे रहे हैं, जिनमें प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट और दूसरे सक्रिय यौगिक पाए जाते हैं. लोकल 18 से ऋषिकेश के आयुष चिकित्सक डॉ. राजकुमार बताते हैं कि हल्दी, अंबा हल्दी, अदरक, लहसुन, नीम, तुलसी और दालचीनी जैसी जड़ी-बूटियां और मसाले भारतीय रसोई में लंबे समय से इस्तेमाल होते रहे हैं. इन चीजों में मौजूद कुछ यौगिकों को लेकर वैज्ञानिक शोध भी हुए हैं. हल्दी भारतीय खाने का एक आम मसाला है. इसमें करक्यूमिन नाम का प्रमुख यौगिक पाया जाता है, जिस पर कैंसर समेत कई स्वास्थ्य स्थितियों को लेकर शोध हुए हैं. लैब और कुछ शुरुआती अध्ययनों में करक्यूमिन के एंटीऑक्सीडेंट और सूजन कम करने वाले प्रभावों को देखा गया है. यही वजह है कि हल्दी को सेहत के लिए फायदेमंद मसालों में गिना जाता है.

क्या आपको भी पेशाब में होती है जलन? ये पौधा दिलाएगा मुक्ति, सड़क किनारे मिल जाएगा

डॉ. राजकुमार बताते हैं कि अंबा हल्दी को भी पारंपरिक तौर पर कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है. इसमें भी प्राकृतिक सक्रिय यौगिक पाए जाते हैं. इसके एंटीऑक्सीडेंट गुणों को लेकर अध्ययन किए गए हैं. अदरक का इस्तेमाल चाय से लेकर सब्जी और काढ़े तक में खूब होता है. इसमें जिंजरोल जैसे सक्रिय यौगिक पाए जाते हैं. वैज्ञानिक अध्ययनों में अदरक के एंटीऑक्सीडेंट और सूजन से जुड़े प्रभावों पर बात की गई है. कुछ प्रयोगशाला अध्ययनों में इसके यौगिकों ने कैंसर कोशिकाओं पर भी असर दिखाया है । डॉ. राजकुमार के अनुसार, लहसुन में सल्फर यौगिक पाए जाते हैं, जिनमें एलिसिन प्रमुख है. लहसुन के सेवन और कुछ प्रकार के कैंसर के जोखिम के बीच संबंध को लेकर अलग-अलग शोध हुए हैं।

गट्टे की सब्जी में आया महाराष्ट्र का ट्विस्ट, बेसन पाटौड़ी रोल्स की ये रेसिपी है खास, ये फ्यूजन रेसिपी जरूर ट्राई करें



बेसन गट्टा पाटौड़ी रोल्स में बेसन की पतली शीट के अंदर नारियल, मूंगफली और मसालों की स्टफिंग भरी जाती है. रोल्स को भाप में पकाकर दही-टमाटर की ग्रेवी में तैयार किया जाता है. रोटी या पराठे के साथ यह फ्यूजन सब्जी स्वादिष्ट विकल्प बन सकती है.

रोज की सब्जी में कुछ नया खाने का मन हो और घर में बेसन रखा हो, तो यह रेसिपी काम की साबित हो सकती है. राजस्थान की गट्टे की सब्जी का स्वाद तो आपने कई बार लिया होगा, लेकिन अगर इसमें महाराष्ट्र की पाटौड़ी का अंदाज जोड़ दिया जाए तो डिश का पूरा स्वाद बदल जाता है. शेफ और कंटेंट क्रिएटर ऐश्वर्या ने इसी कॉम्बिनेशन से बेसन गट्टा पाटौड़ी रोल्स तैयार किए हैं. बेसन की पतली शीट में नारियल, मूंगफली और मसालों की चटपटी स्टफिंग भरी जाती है. फिर रोल्स को भाप में पकाकर दही और टमाटर की मसालेदार ग्रेवी में डाला जाता है. खास बात यह है कि इसे घर पर आसानी से तैयार किया जा सकता है.

बेसन गट्टा पाटौड़ी रोल्स में क्या है खास

यह रेसिपी पारंपरिक गट्टे से थोड़ी अलग है. सामान्य गट्टे को सीधे आकार देकर उबालने के बजाय यहां बेसन की पतली शीट तैयार की जाती है. इसके बीच में सूखा और खुशबूदार स्टफिंग मसाला फैलाया जाता है. रोल तैयार होने के बाद इसे भाप में पकाया जाता है. इससे रोल्स का आकार बना रहता है और भरावन भी अच्छी तरह सेट हो जाता है. इसकी स्टफिंग में नारियल और मूंगफली के साथ जीरा, सौंफ और साबुत धनिया डाला जाता है. हरी मिर्च और लहसुन इसका स्वाद और बढ़ा देते हैं. मसाले को बहुत बारीक पीसने के बजाय थोड़ा दरदरा रखने से खाते समय इसका टेक्सचर भी अच्छा लगता है.

सबसे पहले तैयार करें चटपटी स्टफिंग

एक पैन गर्म करें और उसमें थोड़ा सूखा नारियल, मूंगफली, जीरा, सौंफ और साबुत धनिया डालकर हल्का भून लें. मसालों से खुशबू आने लगे तो गैस बंद कर दें. इसमें हरी मिर्च और लहसुन डालकर मिक्सी में दरदरा पीस लें. ध्यान रखें कि नारियल और मूंगफली जलने न पाएं. हल्का भुना मसाला ही इस रोल की स्टफिंग को अच्छा स्वाद देता है.

बेसन की शीट बनाकर भरें मसाला

अब एक बाउल में बेसन लें. इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और स्वादानुसार नमक डालें. थोड़ा तेल या पानी मिलाकर ऐसा डो तैयार करें जो न बहुत सख्त हो और न ज्यादा नरम. इसे अच्छी तरह मसलकर चिकना कर लें. डो की बड़ी लोई बनाकर चकले पर पतला बेलें. शीट के किनारों को काटकर इसे चौकोर आकार दे दें. अब इसके ऊपर तैयार नारियल-मूंगफली का मसाला समान रूप से फैलाएं. इसके बाद शीट को सावधानी से रोल करें और छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

राजमा की सब्जी से बोर हो गए, ट्राई करें राजमा मलाई कोफ्ता की ये रेसिपी, उंगलियां चाटते रह जाएंगे



इसमें कोई दोराय नहीं कि राजमा चावल टेस्ट से भरपूर एक कंप्लीट मील है. लेकिन क्या आप राजमा के एक ही रेसिपी को हर बनाकर और खाकर बोर नहीं हो गए? राजमा से बने मलाई कोफ्ता को एक बार ट्राई करके देखिए. आप दोबारा राजमा को सिंपल तरीके से खाना ही भूल जाएंगे.

जब भी मलाई कोफ्ता का नाम आता है, तो ज्यादातर लोगों के मन में आलू और पनीर से बने नरम कोफ्तों की तस्वीर उभरती है. लेकिन अगर आप इस पारंपरिक डिश को एक नया और अलग स्वाद देना चाहते हैं, तो राजमा मलाई कोफ्ता एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. यह रेसिपी उन लोगों के लिए भी खास है जो कुछ नया ट्राई करना पसंद करते हैं, राजमा के रेगुलर सब्जी से अलग कुछ ट्राई करना चाहते हैं.

राजमा से बने कोफ्ते न सिर्फ स्वाद में शानदार लगते हैं, बल्कि इनका टेक्सचर भी काफी अच्छा होता है. वहीं, काजू, मखाने और क्रीम से तैयार की गई रिच ग्रेवी इस डिश को और भी खास बना देती है. फैमिली डिनर या किसी खास मौके पर ये रेसिपी मेहमानों को जरूर पसंद आएगी. आइए जानते हैं राजमा मलाई कोफ्ता बनाने का आसान तरीका.

उबले हुए राजमा को अच्छी तरह मैश कर लें. इसमें प्याज, हरा धनिया, हरी मिर्च, अदरक, लहसुन, भुना जीरा, गरम मसाला, धनिया पाउडर और नमक मिलाएं।

जंगल सफारी का रोमांच चाहिए? इब्राहिम-पलक की तरह पहुंचिए रणथंभौर, दिल्ली से ऐसे करें ट्रिप प्लान

रणथंभौर नेशनल पार्क एंड टाइगर रिजर्व दुनिया में सबसे बेहतरीन जंगल सफारी एक्सपीरियंस के लिए फेमस है. हाल ही में यहां पटौदी खानदान के लाडले इब्राहिम अली खान अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड एक्ट्रेस पलक तिवारी के साथ स्पॉट किए गए. रिपोर्ट के अनुसार, बीते दिन दोनों ने रणथंभौर में जंगल सफारी की, ये भी बयान दिया कि ये जगह बहुत खूबसूरत है.



किसी समय में रणथंभौर जयपुर के शाही परिवार की प्राइवेट प्रॉपर्टी थी, जहां राजा-महाराजा शिकार खेला करते थे. ये सवाई माधोपुर से करीब 14 किलोमीटर दूर अरावली और विंध्य पर्वतमालाओं के संगम पर बसा है. यहां टाइगर का दिखना बहुत ही कॉमन है, इसलिए यहां वो लोग जरूर आते हैं जिन्हें टाइगर को नजदीक से देखने का शौक होता है.

यहां का लैंडस्केप बहुत ही अद्भुत माना जाता है. यहां आप पहाड़ियां, चट्टानें, दूर तक फैले घास के मैदान, झीलें और छोटे झरने देख सकते हैं. यही कारण है कि यहां आप वाइल्ड लाइफ के ज्यादा क्रिएचर्स को एक साथ देख सकते हैं. रणथंभौर में बाघों के अलावा स्लॉथ भालू, तेंदुआ, कैराकल, सियार, लोमड़ी, लकड़बग्घा और दुर्लभ भारतीय भेड़िया भी नजर आ जाता है.

पार्क में चीतल, सांभर, नीलगाय, रीसस मकाक और लंगूर जैसे कई शाकाहारी वन्यजीव भी हैं. इसके अलावा यहां पक्षियों की भी कई प्रजातियां देखने को मिलती हैं. धोक, बरगद और अंजीर जैसे पेड़ों से घिरा ये क्षेत्र प्रकृति प्रेमियों के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है.

झीलों के किनारे धूप सेंकते मगरमच्छ, ऊंचे पेड़ों पर बैठे गिद्ध, सर्प ईगल की तेज आवाज और चीतल की चेतावनी भरी पुकार यहां की सफारी को यादगार बनाती है. यही वजह है कि रणथंभौर की सफारी को देश के सबसे रोमांचक वन्यजीव अनुभवों में गिना जाता है.

कैसे पहुंचे- यदि आप दिल्ली में रहते हैं, तो आप आसानी से 2-3 दिन की छुट्टी लेकर यहां फैमिली और दोस्तों के साथ वाइल्ड लाइफ को एक्सपीरियंस करने आ सकते हैं. रणथंभौर नेशनल पार्क अक्टूबर से जून तक टूरिस्ट के लिए खुला रहता है ये जगह दिल्ली से लगभग 360-380 किलोमीटर दूर है. यहां आप अपनी कार से भी आ सकते हैं।

इसके अलावा यहां आप ट्रेन भी ले सकते हैं. लेकिन ध्यान रखें सफारी के लिए बुकिंग कराना जरूरी है.

सफारी बुकिंग कैसे करें- सवाई माधोपुर में हर बजट के हिसाब से ठहरने के लिए कई विकल्प मौजूद हैं. हर साल यहां काफी भीड़ आती है, इसलिए सफारी और ठहरने की प्लानिंग से पहले एडवांस में बुकिंग कराना बेहतर रहता है।



तनीषा मुखर्जी की बड़े पर्दे पर वापसी

'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' में दिखेगा अनोखा सफर



मुंबई। अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी एक बार फिर स्क्रीन पर वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की अपकमिंग फिल्म 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' में नजर आएंगी। फिल्म में तनीषा ऐसा किरदार निभा रही हैं जो जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता हैं।

फिल्ममेकर कपिल ने तनीषा की तारीफ करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री की जरुरत थी जो कहानी में भावनाओं की गहराई और संवेदनशीलता ला सके।

> "तनीषा एक ऐसी एक्टर हैं, जिनमें एक खास तरह की भावनात्मक समझ हैं और इस किरदार के लिए यह बहुत जरुरी थी।"
> — कपिल कौस्तुभ शर्मा

मुंबई की पारसी कम्युनिटी की पृष्ठभूमि

'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' की कहानी मुंबई की पारसी कम्युनिटी के बीच सेट है। फिल्म 1990 के दशक से लेकर साल 2025 तक का दौर दिखाती है। इसमें रोमांस, ह्यूमर और इमोशन्स का मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई के असली पारसी घरों और दादर पारसी कॉलोनी में की गई है।

संस्कृति और सच्चाई पर खास ध्यान

फिल्म को पर्दे पर ज्यादा बास्तविक दिखाने के लिए कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ मिलकर भी काम किया। इस दौरान उनकी संस्कृति, रहन-सहन, बोलचाल, तौर-तरीकों और डायलेक्ट को समझने पर खास ध्यान दिया गया।

कपिल का डबल रोल

फिल्म की कहानी लिखने के साथ कपिल कौस्तुभ शर्मा ने इसे डायरेक्ट भी किया है। इसके अलावा, वह फिल्म को प्रोडयूस कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। फिल्म में कपिल एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसउकी कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों को दिखाती है।

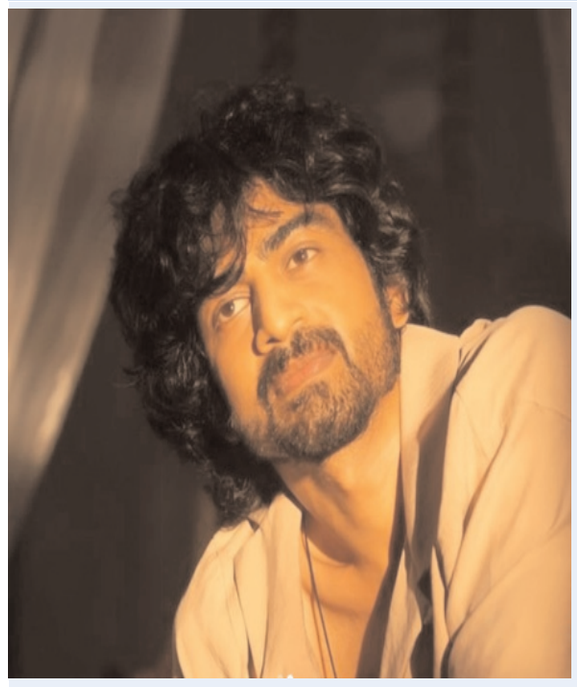
ये कलाकार भी आएंगे नजर

फिल्म में सुम्मिता मुखर्जी, परवीन दस्तूर, डेलनाज ईरानी, तनाज ईरानी, शाहरुख साइरस ईरानी, डॉली ठाकोर और अनन्या दत्ता जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

कब होगी रिलीज?

'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' को पहले इंटरनेशनल फिल्म पेस्टिवल सर्किट में ले जाने की तैयारी है। इसके बाद फिल्म को थिऐटर्स में रिलीज किए जाने की उम्मीद हैं।

'लोग एक-दूसरे की स्पेस का सम्मान कर रहे हैं', अर्जुन दास ने बताया कैसे बदल रहे हैं रिश्ते



विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता अर्जुन दास का मानना है कि आत्मनिर्भरता और सफल रिश्ते एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। उनका कहना है कि बदलते दौर में जहां महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिक स्वतंत्र हो रही हैं, वहीं रिश्तों में भी परिपक्वता और एक-दूसरे की व्यक्तिगत स्पेस के प्रति सम्मान बढ़ा है। हाल ही में एक मीडिया इंटरैक्शन के दौरान अर्जुन दास ने प्रेम, शादी और आत्मनिर्भरता के बीच संतुलन को लेकर खुलकर अपनी राय रखी।

दरअसल, हाल ही में अभिनेता से सवाल किया गया, 'अब महिलाएं ज्यादा आत्मनिर्भर हो गई हैं और समाज का एक हिस्सा मानता है कि प्यार और शादी आत्मनिर्भर लोगों के बीच नहीं चलती है, इस पर आपका क्या कहना है?'

इस पर अर्जुन दास ने जवाब देते हुए कहा, 'मेरा मानना है कि जो कपल आत्मनिर्भर होते हैं उनके रिश्ते भी चलते हैं। मैं इन बातों से दूर रहना पसंद करता हूं, लेकिन फिर भी आपने पूछा, तो मैं बताता हूं। असल में, मेरे कुछ दोस्त हैं, जो अपने पार्टनर को बहुत ज्यादा प्यार करते हैं और उनकी शादियां भी अच्छे से चल रही है। मुझे लगता है कि नए दौर में बहुत से लोगों को हर तरह के लोगों से मिलने का मौका मिल रहा है। बेशक, यह जानने में समय लगता है कि वे एक-दूसरे के साथ सहज हैं या नहीं।'

उन्होंने आगे कहा, 'आज के समय में महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। लोग अपनी स्पेस चाहते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि अब हम ऐसे समय में आ गए हैं, जहां लोग एक-दूसरे की स्पेस का सम्मान कर रहे हैं और समझ भी रहे हैं, जहां वह एक-दूसरे को साथ में आगे बढ़ता हुआ देखना पसंद कर रहे हैं और साथ में उस सफर पर निकलना चाहते हैं। मुझे नहीं लगता है कि प्यार कभी बदलेगा।

तमिल रोमांटिक ड्रामा वेब सीरीज 'लव' में ऐश्वर्या लक्ष्मी और अर्जुन दास मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं।

यह सीरीज आधुनिक डेटिंग और रिश्तों की उलझनों पर आधारित है। इसकी कहानी कथा तारा कृष्णन (ऐश्वर्या लक्ष्मी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक डेटिंग प्लेटफॉर्म चलाती हैं और मानती हैं कि एल्गोरिदम से स्थायी रिश्ते बन सकते हैं। वहीं मैथ्यू जेबराज (अर्जुन दास) इसके विपरीत रिश्तों में सहजता और प्रवृत्ति पर भरोसा करता है। इन दोनों की अलग-अलग विचारधाराएं इन्हें एक 60-दिन की चुनौती के लिए आमने-सामने लाती हैं, जो प्यार और रिश्तों पर इनके नजरिए को परखती है।

'अनुपमा' के साथ दो साल पूरे करना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि, इशिता दीक्षित ने साझा किए अनुभव



विश्व केसरी■

मुंबई। धारावाहिक 'अनुपमा' में पिछले दो साल से 'परी' का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री इशिता दीक्षित ने कहा कि यह उनके लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि और खास पल है। इशिता ने कहा, 'अनुपमा जैसे बड़े शो के साथ दो साल पूरे करना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि और एक अहम माइलस्टोन है। मैं बहुत शुक्रगुजार और खुश हूं। राजन शाही सर की हमेशा आभारी रहूंगी कि उन्होंने मुझे यह मौका दिया, क्योंकि 'अनुपमा' के बाद मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल गई और यही सच है। इशिता ने कहा कि जब उन्होंने 'परी' का किरदार निभाना शुरू किया था, तब वह बहुत अलग थी और अब वह लड़की बहुत बदल गई है। इशिता ने कहा, 'इस सफर में मैंने बहुत कुछ सीखा है। दो सालों में मैंने जो ग्रोथ दिखाई है, उससे मैं सच में खुश हूं। आज मैं बिल्कुल अलग महसूस करती हूं, न सिर्फ 'परी' के तौर पर, बल्कि अपनी कला और एक एक्टर के तौर पर भी मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं और जब आप सेट पर इतने सारे सीनियर एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो आप उन्हें देखकर, उनके काम करने के तरीके को समझकर और उनके साथ सीन करके लगातार सीखते रहते हैं।'

इशिता ने बताया, 'यह मेरे लिए बहुत शानदार अनुभव रहा है और मुझे उम्मीद है कि यह ऐसे ही चलता रहेगा। देखते हैं कि 'परी' और मैं कब तक साथ रहते हैं, लेकिन सच कहूं तो, मैं चाहूंगी कि यह सफर लंबा चले क्योंकि मैं अधिक से अधिक समय तक 'परी' का किरदार निभाना चाहती हूं।'

इशिता ने कहा, 'अब तक, वह (परी) मेरी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। जब आप इतने सालों तक कोई किरदार निभाते हैं, तो कभी-कभी आप भूल जाते हैं कि असल जिंदगी क्या है और रील लाइफ क्या। पहले, हर इंटरव्यू में मैं कहती थी कि परी और मुझमें कोई समानता नहीं है। लेकिन दो साल बाद, मुझे लगता है कि हममें काफी समानताएं आ गई हैं।'

एक्ट्रेस ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'कहीं न कहीं, मेरे असली रूप और परी के बीच का फर्क मिटने लगा है क्योंकि मैं इतने लंबे समय से उसके साथ रही हूं।

'रिपोर्टिंग लाइव' का ट्रेलर आया सामने, रेत माफिया के खिलाफ जंग लड़ेंगी परिणीति चोपड़ा



विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा आगामी थ्रिलर फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' में नजर आएंगी। शनिवार को मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह फिल्म अवैध रेत खनन और रेत माफिया के खतरनाक नेटवर्क पर आधारित है।

2 मिनट 2 सेकंड का यह ट्रेलर एक ऐसी दुनिया की झलक दिखाता है, जहां अवैध रेत खनन का काला कारोबार फैला है और इस धंधे की तह में जाने की कीमत जान देकर चुकानी पड़ती है। एक जानलेवा हादसे के बाद, एक महत्वाकांक्षी रिपोर्टर (परिणीति चोपड़ा) और कैमरामैन (देवेन भोजानी) कुछ ऐसे तीखे सवाल उठाने लगते हैं, जिनका जवाब ताकतवर लोग नहीं देना चाहते। लेकिन वे इस मामले की तह में जितना उतरते हैं, यह दुनिया उनके लिए उतनी ही खतरनाक होती जाती है। हर जवाब एक नया सवाल खड़ा करता है और हर सुराग के साथ एक नया खतरा सामने आता है।

इस फिल्म का निर्देशन ध्रुव त्रिपाठी ने किया है और यह बतौर निर्देशक उनकी पहली फीचर फिल्म है। इसमें परिणीति चोपड़ा (एक फील्ड रिपोर्टर के रूप में) और देवेन भोजानी (कैमरामैन के रूप में) मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा अमोल पालेकर, आदिल हुसैन और शेखर सुमन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

मिहिर जाधव और ध्रुव त्रिपाठी द्वारा लिखी गई 'रिपोर्टिंग लाइव' का निर्माण पार्थ किरण ठाकुर और जोशुआ शिरसाट ने किया है। 'रिपोर्टिंग लाइव' 9 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

फिल्म में अभिनेत्री पहली बार पत्रकार का किरदार निभा रही हैं। इस किरदार को निभाने के बारे में बात करते हुए परिणीति चोपड़ा ने कहा, 'इस साल थ्रिलर जॉनर में नेटफ्लिक्स के साथ यह मेरी दूसरी पारी है, लेकिन एक नए अवतार में। स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद ही मैंने इस किरदार के जज्बे से जुड़ाव महसूस किया, जो जिज्ञासु, निडर और सच तक पहुंचे बिना रुकने वाली नहीं है और इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करना इस अनुभव को और भी खास बनाता है। मैं दर्शकों द्वारा इस कहानी को देखने का इंतजार कर रही हूं।

रीमेक का टैग नहीं चाहता था, 'दृश्यम 3' पर बोले डायरेक्टर अभिषेक पाठक

विश्व केसरी■

मुंबई। निर्देशक अभिषेक पाठक की आइकॉनिक फ्रेंचाइजी 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है। निर्देशक का कहना है कि सीक्वल बनाते वक्त उनकी कोशिश थी कि पुरानी फिल्मों की बारीकियों को बनाए रखते हुए एक नई कहानी पेश की जाए।

अभिषेक पाठक ने बताया कि फिल्म की कहानी कई परतों वाली है, इसलिए उन्हें पिछली फिल्मों को फिर से देखना पड़ा था ताकि यह साफ हो सके कि हर डायलॉग और सीन का कोई मतलब है। उन्होंने कहा, ''दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' की कहानी लिखते समय भी हम बार-बार पिछली फिल्मों के छोटे से डायलॉग या सीन को देखा करते थे और सोचते थे कि इसे पिछली कहानी से कैसे कनेक्ट किया जा सके। मैं इस बात को लेकर बहुत सजग था कि हमारे दर्शक पहले से ही 'दृश्यम' और 'दृश्यम-2' देख चुके हैं, तो वे इसकी कहानी से अच्छे वाकिफ हैं।'



उन्होंने कहा, 'मैं चाहता था कि लोगों को पुरानी यादों का एहसास हो और लगे कि सारे हिस्से आपस में जुड़े हुए हैं। साथ ही मैं इस बार रीमेक का टैग नहीं चाहता था, क्योंकि कहीं न कहीं मुझे इस बात का अंदाजा था कि जब आप कुछ ऐसा बनाते हैं, जो पहले से ही मौजूद है तो लोग हिंदी वर्जन में बनी फिल्म की मेहनत को नजरअंदाज करते हैं।'

निर्देशक ने कहा, 'मैं इसे सच में अपने तरीके से लिखना चाहता था। कहानी को अपने अंदाज में आगे ले जाना चाहता था और आखिरी भाग का अपना वर्जन बनाना चाहता था। हम लगातार स्क्रीनप्ले को लेकर बहस करते थे। अगर कुछ अंदाजा लगाने लायक लगता था तो हम कहते थे कि इसे कोई भी समझ सकता है। इस प्रोसेस ने हमें कहानी को जटिल बनाए रखने में मदद की, बिना दर्शकों को खोए।'

निर्देशक अभिषेक पाठक की मेहनत की हर जगह तारीफ हो रही है। 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' को दर्शकों से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

रावी गुप्ता ने बताया कैसे बदल गई टीवी इंडस्ट्री, बोलीं- पहले नकारात्मक किरदार को बिल्कुल बुरा दिखाते थे

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री रावी गुप्ता इन दिनों लोकप्रिय सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन में 'दामिनी' (गौतम विरानी की पत्नी) के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पहले की तुलना में आज काम करने का तरीका पूरी तरह से बदल गया है।

उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ी है और मुझे लगता है कि आगे भी बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा, 'इंडस्ट्री में बदलाव आगे भी जारी रहेगा, खासकर तकनीक के मामले में। अगर मैं 'क्योंकि सास भी बहू की तुलना-2' की तुलना पहले शो से करूं, तो दोनों की तकनीक में जमीन-आसमान का फर्क है।'

अभिनेत्री ने अपने किरदार पर बात करते हुए कहा, 'मेरा किरदार खुद ही एक सरप्राइज है। लोगों को लगा था कि दामिनी निगेटिव होगी, क्योंकि पिछले सीजन में मैंने निगेटिव रोल किया था। सबको लगा कि वह कुछ गलत करेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। असल में वह एक आम औरत है, जिसकी अपनी परेशानियां हैं। वह ज्यादा ड्रामा नहीं करती और यही इस किरदार को खास बनाती है।'

अभिनेत्री ने बताया कि पहले के मुकाबले अब उन्हें डेली सोप में बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'पहले के समय में निगेटिव रोल को बिल्कुल बुरा ही दिखाते थे, जैसे कि उनमें कुछ अच्छा है ही नहीं और उनकी हर चीज को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता था। खासकर महिलाओं के मामले में, अगर किरदार पॉजिटिव है, तो उसे देवी बना दिया जाता था, लेकिन अब मुझे बदलाव नजर आ रहा है। डेली सोप में भी अब किरदारों में गहराई देखने को मिल रही है, जो कि अच्छा बदलाव है।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक समय था जब डेली सोप को लेकर सोच बन गई थी कि महिलाओं को हमेशा दबा हुआ दिखाया जाता था।

जी20 व्यापार मंत्रियों ने भोजन को हथियार बनाने की निंदा की, जबरन मजदूरी पर नहीं बनी सहमति

विश्व केसरी■

मिल्वौकी। जी20 के व्यापार मंत्रियों ने राजनीतिक या आर्थिक दबाव के लिए भोजन को हथियार बनाने की सर्वसम्मति से निंदा की है। खास बात यह है कि ये इस बैठक में बनी एक दुर्लभ आम सहमति है, क्योंकि जबरन श्रम, औद्योगिक अति-क्षमता और वैश्विक व्यापार नियमों के भविष्य जैसे मुद्दों पर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच मतभेद सामने आए हैं।

यह समझौता अमेरिका की अध्यक्षता में मिल्वौकी में दो दिन तक चली जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में हुआ। मंत्रियों ने भोजन को हथियार बनाने का मतलब बताया कि जब कोई सरकार जानबूझकर किसी दूसरे देश से राजनीतिक फायदा लेने के लिए खाने-पीने की चीजों, खेती के सामान या खेती में इस्तेमाल होने वाली चीजों के व्यापार को धीमा कर दे, रोक दे या अपने फायदे के लिए मोड़ दे। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा, 'रचनात्मक चर्चा के



बाद, जी20 व्यापार मंत्रियों ने भोजन को हथियार बनाने की निंदा करने पर सहमति जताई, क्योंकि यह एक बड़ा मानवीय और आर्थिक खतरा है।'

उन्होंने कहा, 'दशकों से, भोजन, कृषि उत्पादों और कृषि इनपुट के व्यापार को आर्थिक या राजनीतिक कारणों से दबाव बनाने के लिए हथियार बनाया गया है। यह लक्षित देशों में लोगों की आजीविका को खतरे में डालता है, प्रतिस्पर्धा को बिगाड़ता है और वैश्विक व्यापार प्रणाली में विश्वास को कमजोर करता है।'

सहमति वाले बयान में कहा गया कि इस तरह की कार्रवाइयां कृषि और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर सकती हैं, खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल सकती हैं, खासकर कमजोर आबादी के लिए और किसानों की आजीविका को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि मंत्रियों ने दबाव बनाने वाली व्यापारिक कार्रवाइयों और वैध घरेलू उपायों के बीच फर्क किया। समझौते में कहा गया कि उनकी चिंता उन उपायों पर लागू नहीं होती जो पारदर्शी तरीके से अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार अपनाए गए हैं और वैध घरेलू नीतिगत उद्देश्यों (जिसमें खाद्य सुरक्षा भी शामिल है) को आगे बढ़ाने के लिए बनाए गए हैं। यह फर्क मिल्वौकी चर्चा के मुख्य मुद्दों में से एक था।

मंत्रियों ने खाने के मुद्दे पर सहमति बना ली, वे वैश्विक सप्लाई चेन से जबरन मजदूरी को खत्म करने पर सहमति नहीं बना पाए। अमेरिका, मैक्सिको और अर्जेंटीना ने इसके बजाय जबरन मजदूरी से बने सामानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए एक अलग बयान जारी किया।

अमेरिका ने 50 देशों के नागरिकों पर लगाया वीजा बॉन्ड, भारत को मिली छूट

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अमेरिका ने 50 देशों की एक सूची जारी की है, जिनके नागरिकों को बिजनेस और टूरिस्ट वीजा के लिए 20,000 डॉलर तक का वीजा बॉन्ड जमा करना पड़ सकता है। इस नियम से भारत को बाहर रखा गया है यानी भारतीय पासपोर्ट धारकों को यह बॉन्ड नहीं देना होगा। हालांकि, दक्षिण एशिया के बांग्लादेश, भूटान और नेपाल इस सूची में शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को उन देशों की अपडेटेड लिस्ट जारी की, जिनके नागरिक अगर बी1/बी2 वीजा के लिए बाकी सभी शर्तें पूरी करते हैं, तो भी वीजा जारी किए जाने से पहले उन्हें बॉन्ड जमा करने के लिए कहा जा सकता है। इस प्रोग्राम के तहत, सूची में शामिल देशों में से किसी एक द्वारा जारी पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले



आवेदक को 10,000 डॉलर, 15,000 डॉलर या 20,000 डॉलर का बॉन्ड जमा करना होगा।

स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार, इस रकम का फैसला वीजा इंटरव्यू के दौरान कांसुलर ऑफि?सर करते हैं। यह नियम भारतीय पासपोर्ट धारकों पर लागू नहीं होता है।

अमेरिकी विदेश विभाग की सूची के मुताबिक, बांग्लादेश और नेपाल पर यह नियम 21 जनवरी से, जबकि भूटान पर 1 जनवरी से लागू है। इस सूची में अफ्रीका, कैरेबियाई क्षेत्र, मध्य एशिया और प्रशांत क्षेत्र के कई देश भी शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह प्रोग्राम इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट की धारा 221(जी)(3) के तहत चलाया जा रहा है। इस कानून के तहत कांसुलर अधिकारी वीजा जारी करने से पहले आवेदक से बॉन्ड जमा करने के लिए कह सकता है। मौजूदा प्रोग्राम एक अंतिम नियम के तहत शुरू किया गया, जो तीन अगस्त से लागू हुआ।

संक्षिप्त खबर

ईरान ने अमेरिकी प्रतिबंधों को बताया गैरकानूनी, इराक से उचित कदम उठाने की अपील

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के उन प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया, जिनके तहत वह ईरान और दूसरे देशों के बीच व्यापार और हवाई यातायात में रुकावट पैदा कर रहा है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने इराक से इन्हें हटाने के लिए उचित कदम उठाने की अपील की है। भारत में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में ईरानी विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया साझा की। पोस्ट में लिखा, 'ईरान के इस्लामी गणराज्य का विदेश मंत्रालय अमेरिका की ओर से लगाए गए गैरकानूनी और अमानवीय प्रतिबंधों की निंदा करता है। अमेरिकी सरकार ईरान और दूसरे देशों के बीच व्यापार और हवाई यातायात में रुकावट पैदा कर रही है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका के ये कदम संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ हैं। ये मानवाधिकारों को भी नुकसान पहुंचाते हैं। साथ ही, ऐसे कदम देशों के बीच दोस्ताना रिश्तों, खासकर पड़ोसी देशों के संबंधों के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। इस संबंध में विदेश मंत्रालय ने ईरान और इराक के लोगों के बीच ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों के साथ-साथ दोनों देशों के करीबी और भाईचारे वाले रिश्तों का जिक्र किया।

बिहार: सारण में बाढ़ प्रभावित इलाकों में एयर ड्रॉप से पहुंचाई जा रही राहत सामग्री

विश्व केसरी■



पटना। बिहार के सारण जिले में बाढ़ के कारण प्रभावित और दुर्गम क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए एयर ड्रॉपिंग अभियान जारी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर आपदा प्रबंधन विभाग ने गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टरों के माध्यम से राहत सामग्री पहुंचाने की विशेष व्यवस्था की है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, सारण के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टरों द्वारा अब तक 15 उड़ानें भरी जा चुकी हैं। इन उड़ानों के माध्यम से 5,600 से अधिक ड्राई राशन पैकेट एयर ड्रॉप किए गए हैं। इन पैकेटों में 28 टन से अधिक खाद्य सामग्री प्रभावित लोगों तक पहुंचाई गई है। विभाग के मुताबिक, बाढ़ और जलजमाव के कारण कई इलाकों में सड़क मार्ग से राहत सामग्री पहुंचाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऐसे में एयर ड्रॉपिंग के जरिए उन क्षेत्रों तक आवश्यक खाद्य सामग्री पहुंचाई जा रही है, जहां सामान्य आवागमन बाधित है। इसका उद्देश्य प्रभावित परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध कराना है। आपदा प्रबंधन विभाग और जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रभावित आबादी की आवश्यकता के अनुसार राहत सामग्री उपलब्ध कराने के लिए सड़क मार्ग के साथ-साथ वैकल्पिक माध्यमों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रशासन का लक्ष्य बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार तक जल्द से जल्द आवश्यक राहत और खाद्य सामग्री पहुंचाना है।

उत्तर कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल, 700 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय कर समुद्र में गिरी

विश्व केसरी■

सोल। उत्तर कोरिया ने शनिवार को पूर्वी सागर की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया की सेना ने इसकी जानकारी दी। यह मिसाइल ऐसे समय दागी गई है, जब दोनों देशों के बीच सीमा पर हाल ही में हुए बारूदी सुरंग विस्फोट को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। उस घटना में दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हुए थे।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने बताया कि सुबह करीब 6:30 बजे वोनसान इलाके से मिसाइल लॉन्च किए जाने का पता चला। हालांकि, सेना ने यह नहीं बताया कि किस तरह की मिसाइल दागी गई थी।

जेसीएस के मुताबिक, मिसाइल ने समुद्र में गिरने से पहले 700 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय की।

दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा कि वह अमेरिका के साथ मिलकर मिसाइल की सही क्षमता और दूसरी जानकारियों का



पता लगा रही है। जेसीएस ने कहा कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका की खुफिया एजेंसियां शुरुआती दौर से ही इस लॉन्च पर नजर रख रही थीं और दोनों पक्षों ने इससे जुड़ी जानकारी साझा की।

दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा, 'हमारी सेना दक्षिण कोरिया-अमेरिका की मजबूत साझा रक्षा व्यवस्था के तहत उत्तर कोरिया की अलग-अलग गतिविधियों पर करीब से नजर रख रही है। किसी भी उकसावे का निर्णायक जवाब देने के लिए हमारी तैयारी और क्षमता बरकरार है।'

दक्षिण कोरियाई सेना ने मिसाइल का प्रकार नहीं बताया है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी जांच इस संभावना को ध्यान में रखकर भी की जा रही है कि यह मीडियम रेंज बैलिस्टिक मिसाइल (एमआरबीएम) या इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल (आईआरबीएम) हो सकती है।

एक सरकारी सूत्र ने कहा, 'इस बात की संभावना है कि उत्तर कोरिया ने कम दूरी के लिए सेट करके आईआरबीएम दागी हो।'

बांग्लादेश: पिछले तीन महीनों में 162 पत्रकारों पर हमले हुए, उन्हें धमकाया और परेशान किया गया

विश्व केसरी■

ढाका। ढाका की एक रिसर्च संस्था की मॉनिटरिंग रिपोर्ट का हवाला देते हुए, स्थानीय मीडिया ने बताया कि बांग्लादेश में पिछले तीन महीनों में कम से कम 162 पत्रकारों को अपनी पेशेवर ड्यूटी निभाते समय 112 अलग-अलग घटनाओं में हमलों, धमकियों और कानूनी उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

मीडिया इनिशिएटिव फॉर डेवलपमेंट की शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में पत्रकारों के लिए तीन महीने की अवधि में अगस्त का महीना सबसे बुरा साबित हुआ, जिसमें हिंसा और उत्पीड़न की सर्वाधिक घटनाएं दर्ज की गई।

जुलाई में, देश भर में 39 घटनाओं से 50 पत्रकार प्रभावित हुए। अगस्त में यह आंकड़ा तेजी से बढ़ा, जब 44 घटनाओं में 67 पत्रकार प्रभावित हुए, जो पिछले महीने की तुलना में 12.8 प्रतिशत ज्यादा था।

इसके अलावा, बांग्लादेशी दैनिक 'ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में देश भर में 29 घटनाओं में 45 पत्रकारों को उत्पीड़न और हिंसा का सामना करना पड़ा।



मीडिया इनिशिएटिव फॉर डेवलपमेंट की रिपोर्ट से पता चला कि इस अवधि के दौरान पत्रकारों को डराने-धमकाने के मुख्य तरीकों में जान से मारने की धमकियां शामिल थीं।

जुलाई में, रिपोर्ट की गई घटनाओं में जान से मारने की धमकियों का हिस्सा 48.7 प्रतिशत था, इसके बाद शारीरिक हमले 28.2 प्रतिशत थे।

इस तीन महीने की अवधि में पत्रकारों को गंभीर खतरों का सामना करना पड़ा, जिनमें गोलीबारी, उनके घरों और कार्यालयों पर हमले, मामले दर्ज करना और अपहरण जैसी घटनाएं शामिल थी। अगस्त में भी पत्रकारों पर शारीरिक हमले जारी रहे।

'लेखक गाँव' में अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच का तेरहवाँ राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

विश्व केसरी■

देहरादून। अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच का 13 वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन लेखक गाँव, थानों वैली, देहरादून (उत्तराखंड) में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। देहरादून और कई शहरों से आए साहित्यिक प्रेमियों की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम की रौनक बढ़ा दी। कार्यक्रम की शुरुआत 26 सितंबर को जन्म लिए लेखक, शिक्षाविद एवं समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर और वहीं पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की जयंती पर डॉ रीता दास राम ने उनकी स्मृति को नमन करते हुए की। तत्पश्चात सरस्वती वंदना गीता द्विवेदीजी ने गाया। बतौर मुख्य अतिथि डॉ रमेश पोखरियाल निशंक थे । मंच की संस्थापिका डॉ. संतोष श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया. विशिष्ट अतिथि डॉ प्रमिला वर्माजी ने इस सम्मेलन की वर्तमान और पहले होते रहे सम्मेलनों के विशेष



पहलुओं को सभी के सम्मुख स्पष्ट किया। एवं विशेष मुद्दों की चर्चा की।

तत्पश्चात सात पुस्तकों में संतोष श्रीवास्तव (महाकुंभ), लता तेजेश्वर 'रेणुका' : (गुल्लक अपनों का), पदमा मोटवानी (मन और मनन), सुरेश पटवा (गलियारे में एक दिया), नीलिमा मिश्रा (बेंच पर कविता), प्रमिला वर्मा (पत्थर बोल उठे- विश्व धरोहर में सम्मिलित छत्रपति शिवाजी महाराज के 12 दुर्गों की कहानी), आभा दवे (सबसे अमीर) का लोकार्पण किया गया।

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने लेखक गाँव की रूपरेखा रखी। इसे बसाया। उन्होंने कार्यक्रम में लेखक गाँव के निर्माण और विकास के विभिन्न पहलुओं का संज्ञान लिया। भीतरी खंडों में लेखक कुटीर, लेखक अतिथि गृह, स्पर्श हिमालय शिविर, संजीवनी वाटिका, विरासत गृह, हिमालयी भोजनालय आदि विभिन्न क्षेत्रों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लेखकों को लेखन के लिए उपयुक्त स्थान की तलाश के लिए लेखक गाँव आने के लिए आमंत्रित कर भविष्य में लेखकों की भावी पीढ़ी के लिए भरोसा जताया।

मध्य प्रदेश में भाजपा संगठन और सरकार में आपसी समन्वय नहीं : जीतू पटवारी

विश्व केसरी■

भोपाल। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया है कि भाजपा के प्रदेश संगठन और सरकार के बीच समन्वय में नहीं है। देश के केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह राजधानी भोपाल के प्रवास पर हैं और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य की सरकार की स्थिति के साथ अपराध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कई सवाल उठाए हैं।

जीतू पटवारी ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के भाजपा संगठन और सरकार के बीच आपसी समन्वय नहीं है। हालात यहां तक हैं कि मुख्यमंत्री मोहन यादव अपने मंत्रियों के 15 दिन तक फोन ही नहीं उठाते हैं, वही मंत्री के विभाग के कारण बच्चों की मौत हो रही है।



छिंदवाड़ा में कफ सिरप पीने से 26 बच्चों की मौत हुई तो उसका राजनीतिक जिम्मेदार कौन है? 100 से ज्यादा मौतें जहरीली शराब पीने से हुई हैं। यह जिम्मेदारी किसकी है? आबकारी मंत्री ने क्या किया? राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि आदिवासियों की लाभार्थी योजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। बीते 25 साल से मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है। इसके बावजूद सबसे ज्यादा बच्चे कुपोषण से मार रहे हैं। इसके लिए कौन सा मंत्री राजनीतिक रूप से जिम्मेदार है? देश के गृह मंत्री से प्रदेश की जनता यह जानना चाहती है। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौत की चर्चा करते हुए कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने कहा कि इंदौर में दूषित पानी पीने से 36 लोगों की मौत हुई तो इस पर राजनीतिक जिम्मेदारी आखिर किसकी है। केंद्रीय गृह मंत्री को मुख्यमंत्री, मंत्री और संगठन से यह सवाल करना चाहिए और उत्तर देकर जाएं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार का कैंसर राज्य के हर घर को प्रभावित कर रहा है; यह लूट का पैसा आखिर कहां जा रहा है। इसका उत्तर भी जनता चाहती है।

उपचुनाव की दौड़ के आखिरी चरण में स्टालिन मदुरंतकम में प्रचार करेंगे

विश्व केसरी■

चेन्नई। डीएमके अध्यक्ष और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन मदुरंतकम में पार्टी उम्मीदवार परंथमन के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करेंगे, क्योंकि 6 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार अभियान अपने अंतिम चरण में है। इस निर्वाचन क्षेत्र में पांच-तरफा मुकाबला हो रहा है और रविवार को प्रचार खत्म होने से पहले अलग-अलग पार्टियों के नेता अपना प्रचार तेज कर रहे हैं।

राजनीतिक नेता अपने उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने और मतदाताओं तक अपनी पहुंच मजबूत करने के लिए मदुरंतकम में डेरा डाले हुए हैं।



स्टालिन की बैठक इस क्षेत्र में डीएमके के अंतिम प्रचार अभियान का हिस्सा है। रैली में पार्टी के कई पदाधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिसकी तैयारियां चल रही थीं। यह जनसभा डीएमके नेतृत्व को प्रचार खत्म होने से पहले मतदाताओं से अपील करने का एक और मौका देगी।

मैदान में कई उम्मीदवार होने के कारण, पार्टियां समर्थन मजबूत करने के लिए बचे हुए समय का पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रही हैं। मदुरंतकम और धारापुरम दोनों जगहों पर मंगलवार, 6 अक्टूबर को मतदान होगा।

इस हफ्ते दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार तेज हो गया है और वरिष्ठ नेता अपने-अपने उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं।

एक साथ हो रहे उपचुनावों ने दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में राजनीतिक गतिविधियों को तेज कर दिया है। जैसे-जैसे प्रचार का समय अंतिम दिन की ओर बढ़ रहा है, पार्टी नेता दोनों सीटों का दौरा कर रहे हैं।

राजौरी में 17 साल की लड़की ने पार की एलओसी

विश्व केसरी■

जम्मू। राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करने के बाद, भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) की एक 17 साल की लड़की को हिरासत में ले लिया।

अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना ने पीओजेके की एक 17 साल की लड़की को तब पकड़ा, जब वह एलओसी पार करके राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में आ गई थी।

लाम सेक्टर में तैनात सेना के जवानों ने रूटीन निगरानी के दौरान एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद जवानों ने लड़की को रोका और शुरुआती पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। पकड़ी गई नाबालिग की पहचान पीओजेके के खुइरेटा निवासी मोहम्मद अजीम की बेटी एस. अजीम के तौर पर



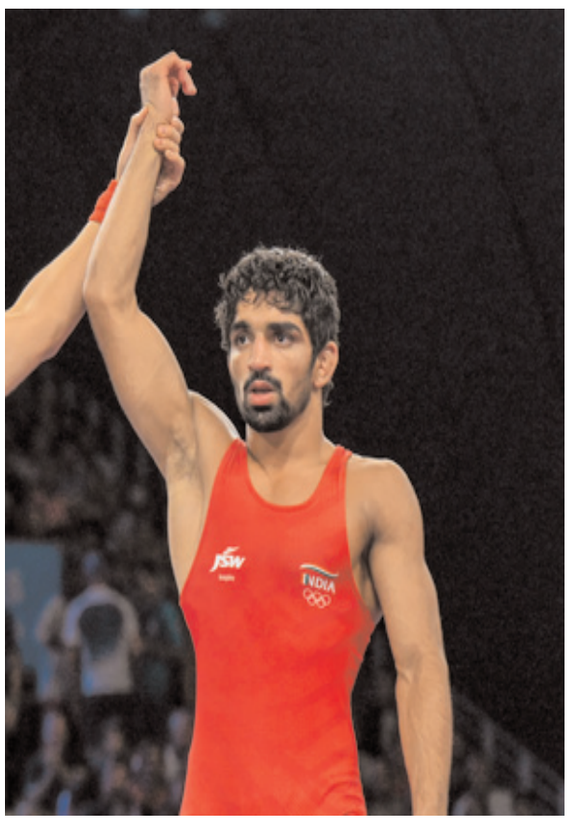
हुई है। शुरुआती पूछताछ के बाद, सेना के जवानों ने उसे आगे की जांच के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। अभी नौशेरा पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

शुरुआती पूछताछ के दौरान, लड़की ने कहा कि वह अनजाने में एलओसी पार करके भारतीय इलाके में आ गई थी। अधिकारी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं। आगे की जानकारी का इंतजार है। जम्मू-कश्मीर में जो लोग अनजाने में एलओसी पार कर जाते हैं, उन्हें अक्सर भारतीय सेना पकड़ लेती है। पहचान और बैकग्राउंड की जांच के लिए उन्हें स्थानीय पुलिस को सौंपा जाता है और जांच में यह पुष्टि होने के बाद कि वे गलती से आए थे, उन्हें निर्धारित क्रॉसिंग पॉइंट के जरिए पाकिस्तान वापस भेज दिया जाता है एलओसी पर तैनात जवान निगरानी नेटवर्क का इस्तेमाल करके क्रॉसिंग का पता लगाते हैं और ऐसे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयम बरतते हैं।

उस व्यक्ति को हिरासत में लिया जाता है, भारतीय सेना शुरुआती पूछताछ करती है, और फिर उसे स्थानीय पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया जाता है ताकि यह पता चल सके कि घुसपैठ अनजाने में हुई थी या भारत में आने के पीछे कोई गलत मकसद था।

इसके बाद भारतीय सेना तय हॉटलाइन और फ्लैग मीटिंग के जरिए पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों से संपर्क करती है। वापसी की प्रक्रिया आमतौर पर निर्धारित एलओसी क्रॉसिंग और बॉर्डर पॉइंट पर होती है।

रेसलर अमन सहरावत ने देश को दिलाया गोल्ड



विश्व केसरी ■

नगोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय रेसलर अमन सहरावत ने देश की झोली में एक और गोल्ड मेडल डाला है। अमन ने 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

अमन ने रोमांचक फाइनल मैच में वर्ल्ड चैंपियन चोंग-सोंग को 11-7 से हराया। अमन ने एशियन गेम्स में यह लगातार दूसरा मेडल जीता है। पिछले एशियन गेम्स में अमन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। हालांकि, इस बार वह अपने मेडल का रंग बदलने में सफल रहे। एशियन गेम्स 2026 में रेसलिंग में यह भारत का दूसरा गोल्ड मेडल है। इससे पहले, सुजीत कलकल ने फ्रीस्टाइल स्पर्धा में गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले में अमन को साउथ कोरियाई पहलवान और वर्ल्ड चैंपियन चोंग-सोंग से कड़ी टक्कर मिली। मैच में अमन पहला प्वाइंट अर्जित करने में सफल रहे। मुकाबले में हुए इंजरी ब्रेक के बाद अमन के खेल में ज्यादा आक्रामकता नजर आई और उन्होंने अपनी बढ़त को 6-1 कर लिया। हालांकि, इसके बाद चोंग-सोंग ने मुकाबले में वापसी की। चोंग ने न सिर्फ अमन की बढ़त को खत्म किया, बल्कि खुद मैच में लीड हासिल कर ली।

मैच के आखिरी एक मिनट में अमन ने एक बार फिर मुकाबले का रुख पलटा और उन्होंने शानदार दांव लगाते हुए चोंग-सोंग के खिलाफ महत्वपूर्ण बढ़त बना ली। अमन ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन को अपने दांव से पहले पूरी तरह लॉक किया और फिर उन्हें पलटने के साथ ही चार अहम प्वाइंट्स हासिल किए। अमन का यह दांव निर्णायक साबित हुआ और वह फाइनल मुकाबले को 11-7 से अपने नाम करने में सफल रहे।

अमन सेमीफाइनल में वापसी करते हुए जीत के साथ फाइनल में पहुंचे थे। भारतीय खिलाड़ी ने दिन की शुरुआत जापान के यामातो ओगावा पर 20-9 की 'तकनीकी श्रेष्ठता' वाली जीत के साथ की थी और फिर क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के नुरदानत ऐतानोव को 12-1 से हराया था। ताजिकिस्तान के आयाल बेलोल्युब्स्की के खिलाफ सेमीफाइनल में अमन पहले राउंड के बाद 2-6 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए दूसरे राउंड में 12 प्वाइंट बनाए और सिर्फ दो प्वाइंट गंवाकर 14-8 से जीत हासिल की।



प्रणवी ने गोल्फ में भारत को दिलाया स्वर्ण पदक, महिला टीम ने जीता सिल्वर

विश्व केसरी ■

कासुगाई। एशियन गेम्स 2026 में प्रणवी उर्स ने इतिहास रच दिया है। वह कासुगाई कंट्री क्लब ईस्ट कोर्स में चार दिन तक चले इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं।

प्रणवी ने इवेंट के आखिरी दिन 'ईवन पार 70' का स्कोर किया और कुल '15-अंडर 265' के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता। प्रणवी ने महिला टीम को चार दिनों में '14-अंडर 546' के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई। प्रणवी ने इस प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता।

वहीं, अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा। अदिति अशोक 14वें स्थान पर रहीं। उन्होंने आखिरी दिन 3-अंडर 67 का स्कोर बनाया और टूर्नामेंट का समापन 2-ओवर 282 के कुल स्कोर के साथ किया। वहीं, दीक्षा डागर संयुक्त 23वें स्थान पर रहीं। उन्होंने चौथे दिन '7-ओवर पार' का स्कोर बनाया और उनका कुल स्कोर 12-ओवर रहा।

चीन की यिन रुओनिंग और सिंगापुर की शैनन टैन ने '14-अंडर पार' पर रहने के कारण संयुक्त रूप से सिल्वर मेडल जीता। प्रणवी आखिरी दिन दूसरे स्थान पर चल रही टैन से तीन स्ट्रोक की बढ़त के साथ उतरी थीं। तीसरे होल पर उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा, जहां उन्होंने 'ट्रिपल बोगी' की, जिससे वह दूसरे स्थान पर खिसक गईं।

इसके बाद प्रणवी ने छठे, 10वें और 13वें होल पर तीन 'बर्डी' के साथ वापसी की और बढ़त बना ली। आखिर में 18वें होल पर 'ईवन पार' स्कोर करके उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए जश्न मनाने का मौका दिया। टीम ने चार दिनों में कुल 14-अंडर 246 का स्कोर बनाया। इस प्रदर्शन के दम पर भारत ने एशियन गेम्स के महिला टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। खास बात यह है कि महिला टीम स्पर्धा में एशियन गेम्स इतिहास का यह गोल्फ में भारत का पहला मेडल है।





कुमकुम मोहोद ने रिकर्व महिला इंडिविजुअल में ऐतिहासिक गोल्ड जीता



विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। 17 साल की कुमकुम मोहोद शनिवार को दक्षिण कोरिया की येजिन ओह को शूट-ऑफ में हराकर एशियन गेम्स के इंडिविजुअल रिकर्व इवेंट में कोई भी मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं।

पांच सेट के बाद फाइनल 5-5 से बराबर होने के बाद भारतीय टीनेजर ने 6-5 से जीत हासिल की। गोल्ड मेडल का फैसला एक ही तीर से हुआ। ओह ने 8 का स्कोर किया, जिसके बाद कुमकुम ने 10 का स्कोर करके टाइटल पक्का कर लिया।

इस जीत से भारत को लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक गेम्स के लिए इंडिविजुअल कोटा भी मिला, जिसमें कुमकुम और ओह दोनों ने अपने-अपने देशों के लिए एक-एक कोटा हासिल किया।

कुमकुम को फाइनल में शुरुआती पिछड़ने के बाद वापसी करनी पड़ी। ओह ने पहला सेट 29-27 से जीतकर 2-0 की बढ़त बना ली, जबकि दूसरा सेट 29-29 पर खत्म हुआ, जिससे साउथ कोरियन खिलाड़ी 3-1 से आगे हो गई।

भारतीय खिलाड़ी ने तीसरे सेट में जोरदार जवाब दिया और लगातार तीन 10 लगाकर परफेक्ट 30 बनाया। ओह ने 29 के साथ खत्म किया, जिससे कुमकुम ने अंतर कम किया और मैच 3-3 से बराबर कर दिया।

मलेशिया को 5-1 से रौंदकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने जीता गोल्ड, हासिल किया ओलंपिक टिकट

विश्व केसरी ■

काकामिगहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में मलेशिया के खिलाफ 5-1 से जीत दर्ज करते हुए ऐतिहासिक गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने एलए 2028 ओलंपिक का टिकट भी अपने नाम कर लिया।

मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने दबदबा बनाए रखा। 11वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए गोल करते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, 14वें मिनट में मलेशिया के शैली सिल्वरियस ने फील्ड गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया, लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

23वें मिनट में जुगराज सिंह ने एक बेहतरीन पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए बढ़त को 2-1 कर दिया। हाफ टाइम के बाद 42वें मिनट में हार्दिक सिंह ने पेनाल्टी स्ट्रोक को शानदार तरीके से गोल में तब्दील किया। इसके बाद 54वें मिनट में शिलानंद लाकड़ा ने एक फील्ड गोल दागा और अंतत: 57वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह ने अपना दूसरा गोल पेनाल्टी कॉर्नर से करते हुए मलेशिया की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया।



यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक है। भारतीय टीम ने एशियन गेम्स के इतिहास में पहली बार अपने गोल्ड मेडल का सफलतापूर्वक बचाव किया। इससे पहले हॉकी टीम ने एशियन गेम्स 2022 का गोल्ड भी अपने नाम किया था।

यह एशियन गेम्स के अलग-अलग संस्करणों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का कुल 5वां गोल्ड मेडल है। देश ने साल 1966, 1998, 2014, 2022 और 2026 में यह खिताब जीता है।

एशियन गेम्स में पहली बार पुरुष और महिला दोनों टीमों ने गोल्ड मेडल जीता है। भारतीय महिला हॉकी टीम इंडिया ने शुक्रवार को खेले गए फाइनल में चीन को 1-0 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2028 ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। साल 1982 के बाद पहली बार भारतीय महिला हॉकी टीम एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीती।

नीरज ने व्यक्तिगत रिकर्व इवेंट में जीता कास्य पदक

विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने शनिवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वेयर में पुरुषों के व्यक्तिगत रिकर्व इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल के लिए हुए मुकाबले में अपने ही देश के धीरज बोम्मादेवरा को हराया।

पांच सेट तक चले मुकाबले में नीरज ने धीरज को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। दोनों तीरंदाज अपने-अपने सेमीफाइनल मैच हारने के बाद इस मुकाबले में उतरे थे। नीरज को सेमीफाइनल में जापान के जुन्या नाकानिशी से 1-7 से हार मिली थी, जबकि धीरज को अंतिम चार में साउथ कोरिया के ली वू-सेओक से हार का सामना करना पड़ा था।

ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में नीरज ने पहला सेट 29-26 के स्कोर से जीता, जबकि दूसरा सेट 27-28 से और तीसरा सेट भी 28-29 से हार गए। धीरज 4-2 से आगे थे और उन्हें सिर्फ एक सेट जीतने की जरूरत थी, लेकिन नीरज ने चौथा सेट शानदार तरीके से खेला और तीन बार 10 का स्कोर करके स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया।

धीरज ने आखिरी सेट की शुरुआत 8 के स्कोर के साथ की, जबकि नीरज ने 10 का स्कोर किया। धीरज ने सुधार करते हुए दो बार 10 का स्कोर किया और आखिरी सेट में कुल 28 प्वाइंट बनाए। नीरज को ब्रॉन्ज मेडल जीतने के लिए 19 अंकों की जरूरत थी। उन्होंने अपने आखिरी दो तीरों पर 9 और 10 का स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

दोनों तीरंदाजों ने इससे पहले मिक्स्ड और टीम इवेंट में मेडल जीते थे। धीरज ने मिक्स्ड इवेंट के फाइनल में कुमकुम मोहोद के साथ सिल्वर मेडल जीता था, जहां उन्हें गोल्ड मेडल के मुकाबले में चीन से हार मिली थी। इसके अलावा, धीरज ने नीरज और यशदीप भोग के साथ टीम सिल्वर मेडल भी जीता था। फाइनल में उन्हें साउथ कोरिया से हार का सामना करना पड़ा और वे गोल्ड मेडल नहीं जीत पाए।

इन खेलों में भारतीय महिला तीरंदाजों का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है।

श्रीलंका की पुरुष क्रिकेट टीम ने जीता कास्य पदक, बांग्लादेश को 63 रन से हराया

विश्व केसरी ■

निशिन। श्रीलंका की पुरुष क्रिकेट टीम ने शनिवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में बांग्लादेश को 63 रन से हरा दिया। सेमीफाइनल में भारत से हारने वाली श्रीलंका ने बांग्लादेश को गेंदबाजी और बल्लेबाजी, दोनों विभागों में पछाड़ते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। श्रीलंका की जीत में थारिंडु रत्नायके का शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन अहम रहा।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने अपने शुरुआती 4 विकेट महज 18 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद पांचवां विकेट 54 के स्कोर पर गिरा। इस समय श्रीलंका की स्थिति बेहद खराब थी और बांग्लादेश मुकाबले में हावी था।



सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थारिंडु रत्नायके ने पूरा खेल पलट दिया। रत्नायके ने 32 गेंदों पर 5 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 65 रन की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान रत्नायके ने कप्तान सहान अराचिगे के साथ छठे विकेट के लिए 93 रन की अहम साझेदारी महज 44 गेंदों पर की और टीम की जोरदार वापसी कराई। रत्नायके के आउट होने के साथ ही यह साझेदारी टूटी। कप्तान सहान ने 37 गेंदों पर 33 रन की पारी खेली। इसके अलावा आशेन बंडारा ने 18 रन बनाए। श्रीलंका ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 165 रन बनाए थे।

बांग्लादेश के लिए महेदी हसन, सैफ हसन और मुस्तफिजुर रहमान ने 2-2, जबकि अलीस अल इस्लाम और रिशाद हुसैन ने 1-1 विकेट लिए। 166 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की बल्लेबाजी एक बार फिर निराशाजनक रही। पूरी टीम 17.3 ओवर में 102 रन पर सिमट गई और 63 रन के बड़े अंतर से मैच हार गई। बांग्लादेश के शीर्ष तीन बल्लेबाजों सहित 4 खिलाड़ी अपना खाता भी नहीं खोल सके। सर्वाधिक 26 रन नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए नसूम अहमद ने बनाए। यासिर अली ने 21 और परवेज हुसैन इमोन ने 20 रन बनाए।

श्रीलंका के लिए नुवान थुसारा, थारिंडु रत्नायके, विजयकांत व्यासकांत और वानुजा सहन ने 2-2 विकेट लिए। कप्तान सहान अराचिगे और दुशान हेमंथा को 1-1 विकेट मिला।

रेसलर दीपक पूनिया ने 97 किग्रा कुश्ती में देश के लिए जीता कास्य पदक

विश्व केसरी ■

नागोया। भारतीय रेसलर दीपक पूनिया ने शनिवार को 'एशियन गेम्स 2026' में मेंस फ्रीस्टाइल 97 किग्रा कुश्ती इवेंट में मंगोलिया के गनखुयाग गनबातार को 2-1 से मात देकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

एशियन गेम्स 2023 में पुरुषों की 86 किलोग्राम कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीतने वाले दीपक ने शनिवार को एक कड़े और कम स्कोर वाले मुकाबले में संयमित प्रदर्शन करते हुए अपने मेडल टैली में एक और मेडल जोड़ा।

भारतीय पहलवान ने शुरुआत में दो प्वाइंट्स हासिल किए और गनबातार के खिलाफ अपनी बढ़त बनाए रखी। वे तीसरे स्थान पर रहे और कुश्ती में भारत के मेडल की संख्या बढ़ाई। दीपक ने शुरुआती दौर में दो प्वाइंट्स बनाए और दूसरे दौर में एक प्वाइंट गंवाने के बावजूद अच्छा बचाव करते हुए जीत हासिल की।

दीपक ने चीन के झोउ जुनपेंग पर 12-2 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।



इसके बाद वे बिना क्वार्टरफाइनल खेले ही सेमीफाइनल में पहुंच गए, क्योंकि हांगकांग के ली वुई फंग विंसेंट मुकाबले के लिए नहीं आए।

सेमीफाइनल में, दीपक का मुकाबला उज्बेकिस्तान के शेरजोड पोयो नोव से हुआ। भारतीय पहलवान ने कड़ी टक्कर दी लेकिन आखिरकार 8-9 से हार गए, जिससे उन्हें ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले में खेलना पड़ा। उन्होंने शानदार वापसी करते हुए गनबातार को हराया और प्रतियोगिता का समापन पोडियम पर किया। दीपक का ब्रॉन्ज मेडल एशियन गेम्स के इतिहास में पुरुषों की फ्रीस्टाइल 97 किग्रा कैटेगरी में किसी भारतीय पहलवान द्वारा जीता गया पांचवां मेडल है। इस कैटेगरी में भारत का पहला मेडल मारुति माने ने जीता था, जिन्होंने 1962 एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल हासिल किया था। उसी संस्करण में गणपत अंदलकर ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि विश्वनाथ सिंह ने 1966 में एक और सिल्वर मेडल जीता। इसके बाद भीम सिंह ने 1966 एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इस ब्रॉन्ज मेडल ने इन गेम्स में भारतीय पुरुषों की फ्रीस्टाइल रेसलिंग के लिए एक यादगार दिन को और भी खास बना दिया है।

यूजर डेटा सुरक्षा को लेकर एप्पल अलर्ट



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। टेक कंपनी एप्पल ने कहा है कि वह मैक कंप्यूटर पर फुल डिस्क एक्सेस (पूरे डिस्क का एक्सेस) को लेकर नियंत्रण ज्यादा सख्त करेगी। यह फैसला एआई एजेंट ऐप्स को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद लिया गया है, जिसमें मेटा के 'म्यूज' जैसे ऐप्स पर यूजर्स के निजी डेटा तक पहुंचने के आरोप लगे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ एआई एजेंट ऐप्स को जब पूरे डिस्क तक पहुंच की अनुमति दी जाती है, तो वे मैसेज से लेकर फाइलों तक लोकल डेटा का बड़ा हिस्सा पढ़ लेते हैं। यह अनुमति असल में बैकअप और सिस्टम यूटिलिटी के लिए बनाई गई थी।

एप्पल ने कहा है कि वह अब ज्यादा स्पष्ट प्रॉम्प्ट लाएगा, ताकि किसी ऐप को इतनी बड़ी पहुंच देने से पहले यूजर्स को साफ तौर पर और सोच-समझकर एक्शन लेना पड़े।

कंपनी ने कहा कि ऐसे प्रॉम्प्ट में मैक यूजर्स से साफ तौर पर पूछा जाएगा कि क्या वे किसी थर्ड-पार्टी ऐप को अपने सिस्टम के किसी खास हिस्से तक पहुंच देना चाहते हैं।

एप्पल ने अपने बयान में कहा, 'हम डेवलपर्स को एप्पल प्रोडक्ट्स के लिए ऐप्स में शानदार क्षमताएं बनाने के लिए पावरफुल एपीआई देते हैं, जिसके पीछे यूजर्स के निजी डेटा की सुरक्षा के लिए बनाए गए कंट्रोल्स होते हैं। पूरे डिस्क का एक्सेस इन कंट्रोल्स को काफी हद तक बायपास कर देता है, ताकि बैकअप ऐप्स मैक पर ठीक से काम कर सकें।'

कंपनी ने कहा कि कुछ डेवलपर्स पूरे डिस्क के एक्सेस का इस्तेमाल ऐसे तरीकों से कर रहे हैं जो यूजर्स को खतरे में डाल सकता है, और बिना यूजर्स की पूरी जानकारी और समझ के उनके सिस्टम की हर चीज को एक्सपोज कर रहा है।

एप्पल ने कहा, 'कम्युनिकेशन ऐप्स के लिए, यह उन लोगों की प्राइवेसी को भी खतरे में डाल सकता है जिनसे यूजर्स बात कर रहे हैं।'

अमेरिकी कंपनी ने कहा कि जैसे-जैसे एआई एजेंट ज्यादा सक्षम और ऑटोनॉमस होते जाएंगे, फुल डिस्क एक्सेस से जुड़े जोखिम काफी बढ़ जाएंगे।

कंपनी ने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि यूजर्स ऐसी पहुंच देने से पहले इन जोखिमों को स्पष्ट रूप से समझें, ताकि वे अपने डेटा और प्राइवेसी के बारे में सोच-समझकर फैसला ले सकें।'

बता दें कि मेटा के म्यूज जैसे एआई एजेंट ने हाल ही में 50 लाख से ज्यादा डाउनलोड पूरे किए हैं, और यूजर्स ने शिकायत की है कि यह बिना इस्तेमाल वाले सब्सक्रिप्शन को कैंसिल करने जैसे जटिल काम तो करता है, लेकिन साथ ही यूजर्स के प्राइवेट मैसेज तक भी पहुंच जाता है। एप्पल ने हाल ही में भारत में एप्पल पे लॉन्च किया है, जिससे एक ऐसे बाजार में कंपनी का इकोसिस्टम मजबूत होगा।



योग में आसनों का क्रम है जरूरी, पश्चिमोत्तानासन के बाद करें ये दो आसन



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग अभ्यास का मूल सिद्धांत केवल आसनों को करना ही नहीं बल्कि, उनके उचित क्रम और संतुलन को बनाए रखना है। उत्थित पश्चिमोत्तानासन शरीर के पिछले हिस्से में गहरा खिंचाव लाता है और पेट की मांसपेशियों को एक्टिव करता है। इस आसन के बाद शरीर को आराम देने के लिए मकरासन और भुजंगासन करना जरूरी है।

मकरासन शरीर को तुरंत शिथिलता और विश्राम देता है, वहीं भुजंगासन रीढ़ को मजबूती और लचीलापन प्रदान करता है।

मकरासन- योगाभ्यास में उत्थित पश्चिमोत्तानासन (एक तीव्र आगे की ओर झुकने और संतुलन बनाने वाला आसन है) के बाद मकरासन (पेट के बल लेटकर आराम करने वाला आसन) करना रीढ़ की हड्डी के संतुलन, मांसपेशियों की रिकवरी और तंत्रिका तंत्र को शांत करने के लिए बहुत जरूरी माना जाता है।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के अनुसार, उत्थित या निरालम्ब पश्चिमोत्तानासन के बाद मकरासन का अभ्यास मुख्य रूप से एक काउंटर-पोज और शिथिलीकरण के रूप में किया जाता है, जब आप शरीर को एक दिशा में गहराई से मोड़ते हैं, तो उसके विपरीत दिशा में किया जाने वाला आसन शरीर को वापस सामान्य स्थिति में लाता है।

उत्थित पश्चिमोत्तानासन में रीढ़ की हड्डी और पीठ की मांसपेशियों पर आगे की तरफ एक गहरा और तीव्र खिंचाव आता है। इसके ठीक बाद मकरासन करने से आराम मिलता है, जिससे रीढ़ की हड्डी की प्राकृतिक संरचना संतुलित बनी रहती है और उसकी जकड़न दूर होती है।

भुजंगासन - उत्थित पश्चिमोत्तानासन एक तीव्र फॉरवर्ड बेंड (आगे की ओर झुकने वाला आसन) है, जिसमें रीढ़ की हड्डी आगे की ओर पूरी तरह खिंचती है। भुजंगासन एक बैकबेंड (पीछे झुकने वाला आसन) है। जब अभ्यासकर्ता आगे झुकने के बाद पीछे झुकते हैं, तो रीढ़ की हड्डी के जोड़ों और मांसपेशियों पर पड़ा दबाव तुरंत दूर हो जाता है और वह अपनी प्राकृतिक स्थिति में वापस आ जाती है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, उत्थित पश्चिमोत्तानासन करने से पेट के अंगों पर दबाव बनता है, जिससे पाचन अग्नि तीव्र होती है। भुजंगासन उसी दबाव को विपरीत खिंचाव देकर पेट के अंगों (जैसे लिवर, किडनी और आंतों) की टोनिंग पूरी करता है। इससे कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में दोगुना लाभ मिलता है।

अगर अभ्यासकर्ता लगातार आगे झुकने वाले आसन ही करते रहेंगे और उसके काउंटर (पीछे झुकने वाले) आसन नहीं करेंगे, तो रीढ़ की हड्डी के जोड़ों पर गलत दबाव पड़ सकता है।

रसोई का खजाना है दालचीनी, स्वाद ही नहीं सेहत के लिए भी है फायदेमंद

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। भारतीय रसोई में स्वाद और सुगंध बढ़ाने वाली दालचीनी सिर्फ एक मसाला नहीं, बल्कि आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण औषधि के रूप में भी जानी जाती है। इसकी छाल का उपयोग सदियों से भोजन के साथ-साथ स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं में किया जाता रहा है।

दालचीनी एक सदाबहार वृक्ष है, जिसकी ऊंचाई लगभग 15 से 20 मीटर तक होती है। इसका उपयोगी भाग इसकी सुगंधित छाल है, जिसे सुखाकर मसाले के रूप में उपयोग किया जाता है। श्रीलंका को असली दालचीनी का मूल स्थान माना जाता है, जबकि भारत के केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के पश्चिमी घाट क्षेत्रों में भी इसकी खेती की जाती है।

आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में दालचीनी को गर्म तासीर वाला माना गया है। इसको पाचन को बेहतर रखने में सहायक माना जाता है। यह पेट में गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं में पारंपरिक रूप से उपयोग की जाती रही है। यह पाचक रसों के स्राव को उत्तेजित करने में मदद करती है।

दालचीनी में पॉलीफेनोल जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाते हैं। पारंपरिक रूप से दालचीनी को जोड़ों के दर्द और मांसपेशियों की सूजन को कम करने में भी मददगार माना जाता है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण इसका उपयोग लेप और तेल के रूप में भी किया जाता है। सर्दी-जुकाम और खांसी में दालचीनी का काढ़ा या शहद के साथ इसका सेवन पारंपरिक रूप से काफी लोकप्रिय है। इसकी गर्म तासीर शरीर को गर्म रखने और सर्दी-खांसी से राहत दिलाने में सहायक मानी जाती है।

दालचीनी हर घर की रसोई में आसानी से मिलने वाला मसाला है। पुलाव, बिरयानी, चाय, कहवा और मिठाइयों में इसका उपयोग स्वाद और खुशबू के लिए किया जाता है। आयुर्वेद में इसे त्रिदोष शामक माना गया है, खासकर कफ और वात को संतुलित करने के लिए इसका उल्लेख मिलता है।

हालांकि दालचीनी के कई पारंपरिक लाभ बताए जाते हैं, लेकिन इसका उपयोग संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए।

'सजगता से करें अभ्यास, धैर्य से मिलेगी तरक्की'

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने योग करने वालों के लिए जरूरी सलाह दी है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके बताया कि योग का अभ्यास हमेशा सजगता और धैर्य के साथ करना चाहिए।



मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'जागरूकता के साथ अभ्यास करें और धैर्य के साथ आगे बढ़ें। एक माइंडफुल योग अभ्यास आपके शरीर के प्रति जागरूकता और सम्मान के साथ शुरू होता है। धीरे-धीरे अभ्यास करें, स्वाभाविक रूप से सांस लें, तनाव से बचें और अपनी क्षमता के अनुसार करें।'

मंत्रालय ने कहा कि अभ्यास के दौरान बताए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें और अपने अभ्यास को ध्यान, मौन, संकल्प या शांतिपाठ के साथ खत्म करें।

मंत्रालय ने माइंडफुल योग करते समय किन बातों का ध्यान रखना है, उसकी एक लिस्ट भी जारी की है। जारी लिस्ट के अनुसार- प्रार्थना के साथ योग शुरू करें। धीरे-धीरे, कोमलता और जागरूकता के साथ आगे बढ़ें। नाक से स्वाभाविक रूप से सांस लें। जब तक निर्देश न दिया जाए, सांस रोकने से बचें।

झटके, खिंचाव या शरीर पर जोर देने से बचें। हर अभ्यास के लिए बताए गए नियमों का पालन करें।

ध्यान, मौन, संकल्प या शांतिपाठ के साथ अभ्यास खत्म करें। अपनी क्षमता के अनुसार ही अभ्यास करें। नियमित रहें और अपने अभ्यास में धैर्य रखें।

बता दें कि माइंडफुल यानी सजगता के साथ योग का अभ्यास करने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा और सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सजगता और सांसों पर ध्यान देने से कोर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोन का स्तर कम होता है और मन शांत होता है। वर्तमान क्षण में रहने की आदत से मानसिक स्पष्टता बढ़ती है और फोकस मजबूत होता है। यह अभ्यास भावनाओं को कोमल बनाता है और आत्म-जागरूकता तथा भावनात्मक बुद्धिमत्ता में सुधार करता है।

शरीर को लचीला बनाता है सुप्त पादांगुष्ठासन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में घंटों बैठकर काम करने से शरीर में अकड़न, कमर दर्द और पैरों में खिंचाव आम समस्या बन गई है। ऐसे में सुप्त पादांगुष्ठासन एक ऐसा उपाय है, जो पैरों की मांसपेशियों को स्ट्रेच करने, हैमस्ट्रिंग को मजबूत बनाने और शरीर का संतुलन बेहतर करने में मदद करता है।

'सुप्त पादांगुष्ठासन' संस्कृत शब्दों का संयोजन है, जिसमें 'सुप्त' का अर्थ 'लेटना', 'पाद' का अर्थ 'पैर', 'अंगुष्ठ' का अर्थ है 'अंगूठा' और 'आसन' का अर्थ है 'मुद्रा'। लेटकर हाथ को पैर के अंगूठे से जोड़ने वाला आसन आधुनिक योगासन है, इसलिए किसी भी प्राचीन हठ योग ग्रंथ में इस आसन के अभ्यास के बारे में कोई विस्तृत संदर्भ नहीं है।

योग के कई आसनों में से एक है सुप्त पादांगुष्ठासन, जो दिखने में आसान लगता है लेकिन इसके फायदे बहुत गहरे हैं। केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, सुप्त पादांगुष्ठासन महत्वपूर्ण योगासनों में से एक है, जिसके नियमित अभ्यास से शारीरिक लचीलेपन, रीढ़ की सेहत और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से प्रोत्साहित किया जाता है।

फाइबर से भरपूर थाली रखेगी आपको फिट, जानिए रोजाना कितनी मात्रा है जरूरी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सेहतमंद रहने के लिए सिर्फ भरपूर खाना जरूरी नहीं है, बल्कि संतुलित और पौष्टिक डाइट लेना बेहद जरूरी है। हमारी रोज की डाइट में फाइबर से भरपूर चीजों को शामिल करना हेल्दी ईटिंग प्लान का अहम हिस्सा है। फाइबर और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के साथ-साथ लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराने में मदद करता है।

एक वयस्क को प्रतिदिन लगभग 25 से 35 ग्राम फाइबर की आवश्यकता होती है। ऐसे में फल, सब्जियां, साबुत अनाज, दालें जैसी फाइबर वाली चीजों को डाइट में शामिल करना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

नेशनल हेल्थ मिशन उत्तर प्रदेश ने भी रोजाना डाइट में फाइबर वाली चीजों को शामिल करने की सलाह दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अपनी रोज की डाइट में फाइबर वाली चीजें शामिल करना हेल्दी ईटिंग प्लान का एक जरूरी हिस्सा है। फल, सब्जियां, फलियां और साबुत अनाज इसके अच्छे सोर्स हैं। इन्हें रेगुलर खाने से पाचन और पूरी सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सकती है। फलों में घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर होते हैं, जो कब्ज को रोकते हैं और पेट को साफ रखते हैं। नियमित तौर पर खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती और वजन काबू में रहता है।

थाली में सब्जियों का होना इसलिए जरूरी है, क्योंकि यह पाचन क्रिया को सुधारती हैं। ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखती हैं तथा पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराती हैं। फाइबर रक्त में ग्लूकोज के स्तर को स्थिर रखने में मदद करता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है।

दाल प्रोटीन का अच्छा सोर्स होता है। दालों में घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह का फाइबर होता है।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist
Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home



Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) 9111677722
Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Gariyaband(C.G.) 7509007388
drprajwalsoni@gmail.com

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी
Diwali Special Offer
पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रॉली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बैटरी स्प्रेयर, स्प्रेयर
निर्माण कार्य | कृषि कार्य | ग्रामीण क्षेत्र | उद्योग एवं प्रोसेसिंग | सिंचाई एवं बागवानी | किसानों हेतु उपयुक्त
निर्माता व विक्रेता :
वीनस मशीनरी
चित्रकांत बघेल (डायरेक्टर)
एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजु में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक
एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी
सस्ते दामों में उपलब्ध
पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये
बजाज फाईनेंस की सुविधा उपलब्ध
गोंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS
GST ITR
फाइल बनवाएं मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव
• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsaap पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

Discover the new meaning of pleasure
Noorjaha Prime
DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN
City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
83700 09993
: H.O. :
• Madarsa Road
Baijnathpara, Raipur.
Mobile: 83700 09994
: OUTLETS :
• Marine Drive,
Telibandha, Raipur
Mo: 83570 09997

नवप्रीत सिंह ने फर्जी पहचान पत्र से हासिल की तुर्किये की नागरिकता

कई राज्यों में ले जाकर पूछताछ करेगी पुलिस

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। तुर्किये से डिपोर्ट कर भारत लाए गए कथित अंतरराष्ट्रीय नार्को-ट्रैफिकिंग नेटवर्क के प्रमुख आरोपी नवप्रीत सिंह को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 10 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस ने अदालत से नवप्रीत की 10 दिन की हिरासत मांगी थी।

पुलिस ने अदालत को बताया कि ड्रग तस्करी से जुड़े कथित नेटवर्क की जांच के सिलसिले में नवप्रीत सिंह को पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र लेकर जाना है। इसके अलावा, मामले में पहले से गिरफ्तार रमनदीप, गुरप्रीत और गुरजोत के साथ आमने-सामने बैठाकर उससे पूछताछ करने की जरूरत है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, नवप्रीत कथित तौर पर लंबे समय तक फर्जी पहचान पत्र के सहारे विदेश में छिपा हुआ था। उसे तुर्किये में मौजूद एक कथित अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का प्रमुख हैंडलर बताया गया है।

नवप्रीत सिंह पर आरोप है कि उसने 'नवाब विर्क' नाम की कथित फर्जी पहचान का इस्तेमाल किया और इसी पहचान के जरिए तुर्किये की नागरिकता भी हासिल की। जांच एजेंसियों का आरोप है कि वह विदेश में रहते हुए अफगानिस्तान से भारत तक हेरोइन और मेथामफेटामाइन की तस्करी से जुड़े नेटवर्क को संचालित कर रहा था।

उसके खिलाफ भारत में ड्रग तस्करी और अन्य कथित आपराधिक गतिविधियों को लेकर जांच चल रही थी। दिल्ली हाई कोर्ट से जुड़े रिकॉर्ड में भी नवप्रीत सिंह को कथित ड्रग सिंडिकेट का प्रमुख किंगपिन बताते हुए उसके तुर्किये में होने का उल्लेख किया गया था। नवप्रीत सिंह का नाम दिल्ली में वर्ष 2021 में सामने आए एक बड़े ड्रग सिंडिकेट मामले की जांच के दौरान भी सामने आया था। अदालत के रिकॉर्ड के मुताबिक, उस मामले में आरोपियों से करीब 355.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद होने की बात दर्ज है। जांच के दौरान नवप्रीत को कथित तौर पर इस नेटवर्क का प्रमुख आरोपी और विदेश में मौजूद हैंडलर बताया गया था। बाद की जांच में पंजाब पुलिस ने भी तुर्किये से संचालित एक कथित ड्रग नेटवर्क को नवप्रीत सिंह उर्फ 'नव' से जोड़ा था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नवप्रीत सिंह को तुर्किये से भारत वापस लाए जाने को सरकार की बड़ी सफलता बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इसे मोदी सरकार की 'ऐतिहासिक उपलब्धि' करार दिया।

अमित शाह के मुताबिक, नवप्रीत सिंह ने कथित तौर पर 'नवाब विर्क' की फर्जी पहचान के जरिए तुर्किये की नागरिकता हासिल की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद भी वह अफगानिस्तान से भारत में हेरोइन और मेथामफेटामाइन की तस्करी से जुड़ी गतिविधियों में शामिल रहा। गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय एजेंसियों ने नवप्रीत का पता लगाया, उसकी वास्तविक पहचान उजागर की और आखिरकार उसे तुर्किये से डिपोर्ट करवाकर भारत लाने में सफलता हासिल की। उन्होंने इस अभियान से जुड़ी एजेंसियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार दिसंबर 2029 से पहले ड्रग कार्टेल के खिलाफ अभियान को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नई दिल्ली में धारा 163 लागू, विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं: दिल्ली पुलिस

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को बताया कि नई दिल्ली जिले में धारा 163 लागू है और किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई है।

इससे पहले दिल्ली पुलिस ने वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले निषेधाज्ञा लागू कर दी थी।

डीसीपी नई दिल्ली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नई दिल्ली जिले में सार्वजनिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और ट्रैफिक की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए धारा 163 लागू है। पोस्ट में कहा गया है कि बिना अनुमति के जमावड़े, सार्वजनिक भाषण, नारे लगाना, जुलूस, प्रदर्शन, धरने और अन्य विशिष्ट गतिविधियों पर रोक है।

इसमें आगे कहा गया कि शनिवार को होने वाले किसी भी विरोध प्रदर्शन के लिए कोई अनुमति नहीं दी गई है और न ही नई दिल्ली जिला पुलिस को ऐसे किसी विरोध प्रदर्शन के बारे में कोई पूर्व सूचना मिली है।

अधिकारियों ने नागरिकों से आदेश का सख्ती से पालन करने और दिल्ली पुलिस का सहयोग करने का भी आग्रह किया, साथ ही कहा कि आदेश का उल्लंघन करने पर कानून के अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में एफआईआर दर्ज की हैं। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से दो एफआईआर संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में और एक मामला कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि ये मामले भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी एफआईआर में किसी व्यक्ति या संगठन को विशेष रूप से आरोपी के तौर पर नामजद नहीं किया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि प्रदर्शनों का प्रस्ताव रखने वाले या उनमें भाग लेने वाले आयोजकों और संगठनों का विवरण मामलों में शामिल किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को पुलिस ने 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया, जब वे बैरिकेड्स पार करके निर्धारित विरोध स्थल की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे।

प्रियंका कक्कड़ ने छोड़ी 'आप', कहा- बंगला-गाड़ी नहीं लेने की बात थी, अब चॉपर से चलते हैं नेता

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) को शनिवार को बड़ा झटका लगा। पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता रहीं प्रियंका कक्कड़ ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ली।

इस दौरान प्रियंका कक्कड़ ने आम आदमी पार्टी छोड़ने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, 'मुझे वही पुरानी ग्रीन दिल्ली वापस चाहिए, जिसमें मैं बड़ी हुई थी। मुझे साफ-सुथरी और प्रोग्रेसिव दिल्ली चाहिए। दशकों तक राजधानी को देखने के बाद मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी ही ऐसा कर सकती है।'

उन्होंने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा, 'मैंने ऑब्जर्व किया कि आज की राजनीति में अगर कोई नेता सच्चाई से बात करता है तो वह राहुल गांधी हैं। वह एकमात्र लीडर हैं, जिन्होंने कैमरा के लिए आंसू नहीं बहाए। राहुल गांधी को नीचा दिखाने के लिए पूरी एक मशीनरी लगा दी गई, पर उन्होंने हार नहीं मानी। कांग्रेस पार्टी में एक आत्मा है, जो बाकी पार्टियों में मिसिंग दिखी।' 'आप' पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा, 'मैंने आप इसलिए छोड़ी, क्योंकि बात हुई थी कि बंगला और गाड़ी नहीं लेंगे, लेकिन बाद में यात्रा के लिए चॉपर यूज होने लगे। मैं यह लंबे समय तक बचाव नहीं कर सकती।'

उन्होंने आगे कहा, 'आप' ने बहुत इंटेलिजेंट लोगों को एक समय पर अट्रैक्ट किया था, लेकिन वह उसे बरकरार नहीं रख पाए। वे नए लोग, जिन्होंने बूथ लेवल पर भी काम नहीं किया, उन्हें राजस्थान से उठाकर पंजाब में बड़े-बड़े पद, बंगला और गाड़ी सब दिया जा रहा है। मैं इन चीजों का कैसे बचाव कर सकती हूं।'

राहुल गांधी के 'वोट चोरी' वाले अभियान का समर्थन करते हुए प्रियंका ने कहा, 'राहुल गांधी ने लगातार ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक मुहिम छेड़ रखी है।

राहुल गांधी से मिले स्वामी प्रसाद मौर्य, यूपी में गठबंधन और सीट बंटवारे पर चर्चा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद गौतम स्वामी प्रसाद मौर्य और कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल ने गठबंधन, उत्तर प्रदेश में नेतृत्व और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बातचीत की जानकारी दी। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि उनकी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने का फिलहाल कोई सवाल नहीं है, लेकिन उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन के हिस्से के रूप में कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ेगी।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि देश और उत्तर प्रदेश में जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार विफल रही है। उन्होंने बेरोजगारी, सरकारी नौकरियों की भर्ती, आउटसोर्सिंग, आरक्षण, गरीबी और सरकारी स्कूलों को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा किया कि सरकारी नौकरियों की भर्ती बंद होने से एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के आरक्षण पर भी असर पड़ा है। प्रदेश में वह पहले से संघर्ष कर रहे हैं, जबकि राहुल गांधी देश स्तर पर इन मुद्दों को उठा रहे हैं। दोनों पक्षों का संघर्ष और विचारधारा समान है, इसलिए राहुल गांधी के साथ हुई पहली बैठक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ी है।

कांग्रेस में विलय के सवाल पर स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि उनकी पार्टी प्रदेश में अपना संघर्ष कर रही है, इसलिए मर्जर का सवाल नहीं उठता। इंडिया गठबंधन के हिस्से के तौर पर उनकी पार्टी कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ेगी। सीटों की संख्या को लेकर उन्होंने कहा कि इस संबंध में आगे बातचीत होगी और अभी कोई संख्या बताना जल्दबाजी होगी। उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराने के लिए विपक्षी दलों को साथ आना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के खिलाफ अत्याचार बढ़े हैं और जाति-धर्म के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश हो रही है।

वहीं, कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी को देश का चेहरा बताते हुए उनके साथ मिलकर इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की इच्छा जताई है। यूपी में स्वामी प्रसाद मौर्य कांग्रेस के साथ खड़े रहेंगे और उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन में रहेगी। 2027 के विधानसभा चुनाव में स्वामी प्रसाद मौर्य की पार्टी कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की इजाजत नहीं मिलने पर दिल्ली हाई कोर्ट पहुंची इंडियन यूथ कांग्रेस

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं दिए जाने पर दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आईवाईसी अध्यक्ष उदय भानु चिब की ओर से याचिका दाखिल कर दिल्ली पुलिस के फैसले में हस्तक्षेप करने की मांग की गई है।

आईवाईसी की याचिका में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति देने की मांग करते हुए कहा गया है कि संगठन चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी बात रखना चाहता है, लेकिन दिल्ली पुलिस ने प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया। आईवाईसी ने हाई कोर्ट से मांग की है कि दिल्ली पुलिस द्वारा अनुमति नहीं देने के फैसले में हस्तक्षेप किया जाए और संगठन को जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने की इजाजत दी जाए।

यह मामला ऐसे समय में हाई कोर्ट पहुंचा है, जब एक दिन पहले जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस ने तीन एफआईआर दर्ज की थीं।

शिक्षा मंत्रालय का फैसला, शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन के लिए 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को मंजूरी

विश्व केसरी■

सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

नई दिल्ली। शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने एक अहम फैसला लिया है। शिक्षा मंत्रालय ने शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन के लिए पांच 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' को मंजूरी दी है।

शिक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी शनिवार को एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है, जिसके द्वारा बताया गया कि ये केंद्र भारत की समृद्ध भाषाई और साहित्यिक विरासत पर शोध, संरक्षण, डिजिटलीकरण और उसे व्यापक स्तर पर फैलाने का काम करेंगे। शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने शास्त्रीय असमिया, शास्त्रीय बंगाली, शास्त्रीय मराठी, शास्त्रीय पाली और शास्त्रीय प्राकृत भाषाओं के अध्ययन के लिए पांच 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) स्थापित करने को मंजूरी दी है। इस पहल से इन शास्त्रीय भाषाओं से जुड़े उच्च-स्तरीय शैक्षणिक शोध, भाषाई और साहित्यिक विरासत के संरक्षण व डिजिटाइजेशन और ज्ञान के व्यापक प्रसार के लिए विशेष संस्थागत सहयोग मिलेगा।

सौंदर्य और संवेदनाओं से घरों को खास पहचान दे रहीं सौम्या मारुति, इमर्जिंग इंटीरियर डिजाइनर अवॉर्ड से सम्मानित

विश्व केसरी■



घर की खूबसूरती केवल उसकी सजावट में नहीं, बल्कि उस अपनापन भरे अनुभव में भी होती है, जो वहां रहने वाले लोगों को मिलता है। इसी सोच को अपने काम का आधार बनाने वाली लक्जरी इंटीरियर डिजाइनर और हीलिंग होम्स की संस्थापक सौम्या मारुति को नई दिल्ली में द टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित समारोह में इमर्जिंग इंटीरियर डिज़ाइनर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कई नामांकनों के बीच उनका चयन उनकी रचनात्मक सोच और डिजाइन यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सौम्या की डिजाइन दृष्टि की विशेषता है कि वे किसी स्थान की सुंदरता के साथ उसके उपयोग और वहां रहने वाले लोगों की भावनाओं को भी महत्व देती हैं। उनके लिए घर केवल आकर्षक दिखने वाली जगह नहीं, बल्कि लोगों के व्यक्तित्व, पसंद और जीवनशैली की अभिव्यक्ति है। यही संवेदनशील दृष्टिकोण हीलिंग होम्स के काम को खास बनाता है।

हीलिंग होम्स के माध्यम से सौम्या ऐसे आवासीय और व्यावसायिक स्थान तैयार करने पर ध्यान देती हैं, जिनमें भव्यता के साथ सहजता भी हो। उनकी सोच में डिजाइन की सफलता इस बात से जुड़ी है कि लोग उस स्थान में कितना आरामदायक और अपनापन महसूस करते हैं। रंगों, सजावट और बारीकियों का चुनाव भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर किया जाता है।

चुनाव आयोग पर बरसे मलिक मोआतसिम खान



नई दिल्ली। चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर सियासी घमासान के बीच अब जमात-ए-इस्लामी हिंद ने भी मोर्चा खोल दिया है। संगठन के नेता मलिक मोआतसिम खान ने एसआईआर को देशभर के वोटरों को वोटिंग लिस्ट से बाहर करने की सोची-समझी साजिश करार दिया। उन्होंने दावा किया है कि 13 करोड़ से ज्यादा लोगों के नाम लिस्ट से हटा दिए गए हैं। उन्होंने चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और पूरी एसआईआर प्रक्रिया को रोककर नए सिरे से जांच की मांग की है। जमात-ए-इस्लामी हिंद के नेता मलिक मोआतसिम खान ने कहा, 'एसआईआर का जो मुद्दा है, उससे ये साफ जाहिर है कि ये देशभर में वोटरों को वोटिंग लिस्ट से निकालने की साजिश है।

एआईएमई 2026 में भारतीय नौसेना के जहाज सह्याद्रि और कुलिश की भागीदारी संपन्न

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सह्याद्रि और आईएनएस कुलिश ने फिलीपींस में आयोजित बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास एआईएमई 2026 में अपनी भागीदारी सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। इस अभ्यास की थीम 'भरोसे की नींव, समुद्र में एकजुट' यानी 'विश्वास में जड़ें, समुद्र में एकजुट' थी।

एआईएमई 2026 के दौरान भारतीय नौसेना के जहाजों ने हार्बर और सी फेज में विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। अभ्यास का उद्देश्य पेशेवर संवाद, संचालन संबंधी समन्वय और समुद्री प्रशिक्षण के जरिए भाग लेने वाली नौसेनाओं के बीच सहयोग और आपसी तालमेल को मजबूत करना था।

अभ्यास के उद्घाटन समारोह के बाद हार्बर फेज आयोजित किया गया। इसमें प्रमुख अधिकारियों के बीच संवाद, खेल गतिविधियां, योग, सामुदायिक संपर्क और विशेषज्ञ स्तर पर विचार-विमर्श जैसी गतिविधियां शामिल रहीं। इसके अलावा टेबल-टॉप एक्सरसाइज, ऑपरेशनल सिंक्रोनाइजेशन और प्री-सेल ब्रीफ के जरिए समुद्री चरण के लिए योजनाओं और तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

सी फेज के दौरान आईएनएस सह्याद्रि और आईएनएस कुलिश ने विभिन्न समन्वित समुद्री अभ्यासों में हिस्सा लिया। इनमें मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर), विजिट-बोर्ड-सर्च-सीजर (वीबीएसएस) और अंडरवे रीप्लेनिशमेंट ड्रिल शामिल थीं।

इसके अलावा हेलीकॉप्टर से जुड़े अभ्यासों में क्रॉस-डेक लैंडिंग, वर्टिकल रीप्लेनिशमेंट और केसवैक (घायल या बीमार लोगों को चिकित्सा निकासी) ड्रिल भी की गईं। इन गतिविधियों के जरिए भाग लेने वाली समुद्री सेनाओं के बीच संचालन संबंधी समन्वय और इंटरऑपरेबिलिटी को बढ़ावा मिला।

एआईएमई 2026 के हार्बर और सी फेज ने भाग लेने वाली नौसेनाओं के बीच आपसी विश्वास को मजबूत करने के साथ समुद्री सहयोग और इंटरऑपरेबिलिटी को बढ़ाया। इससे प्रभावी समुद्री साझेदारी को और मजबूती मिली।

यूपीआई पर एमडीआर से बड़े पैमाने पर शुल्क बढ़ोतरी की आशंका कम: नीलकंठ मिश्रा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। विश्व बैंक समूह के कार्यकारी निदेशक नीलकंठ मिश्रा ने शनिवार को कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) की अनुमति देना एक अधिकार प्रदान करने वाला नियम होगा। हालांकि, भुगतान क्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण इससे शुल्क में बड़ी बढ़ोतरी होने की आशंका कम है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित पांचवें कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव के दौरान आईएएनएस के साथ बातचीत में मिश्रा ने कहा कि एमडीआर लागू होने से व्यापक स्तर पर शुल्क बढ़ने की आशंकाएं मुक्त और प्रतिस्पर्धी बाजार में बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जा सकती हैं।

उन्होंने कहा, 'यह एक मुक्त बाजार है। जब तक किसी को यह आशंका नहीं है कि वित्तीय कंपनियां, बैंक या पेमेंट एग्रीगेटर आपस में मिलीभगत करके एक ही समय पर शुल्क बढ़ाना शुरू कर देंगे, तब तक इससे निपटने के अलग-अलग तरीके मौजूद हैं।'

मिश्रा ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इससे बड़े पैमाने पर शुल्क में बढ़ोतरी होगी, क्योंकि यह एक मुक्त और प्रतिस्पर्धी बाजार है। ऐसी कंपनियां भी थीं, जो एमडीआर शुल्क नहीं ले पाने के बावजूद अपना कारोबार चलाने में सक्षम रहीं और बाजार में बनी रहीं।'

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415